धींधवाल पब्लिकेशन

DHP-26

Dhindhwal Publication

वस्तुनिष्ठ आधुनिक भारत का इतिहास

1707 ई. से 1947 ई. तक

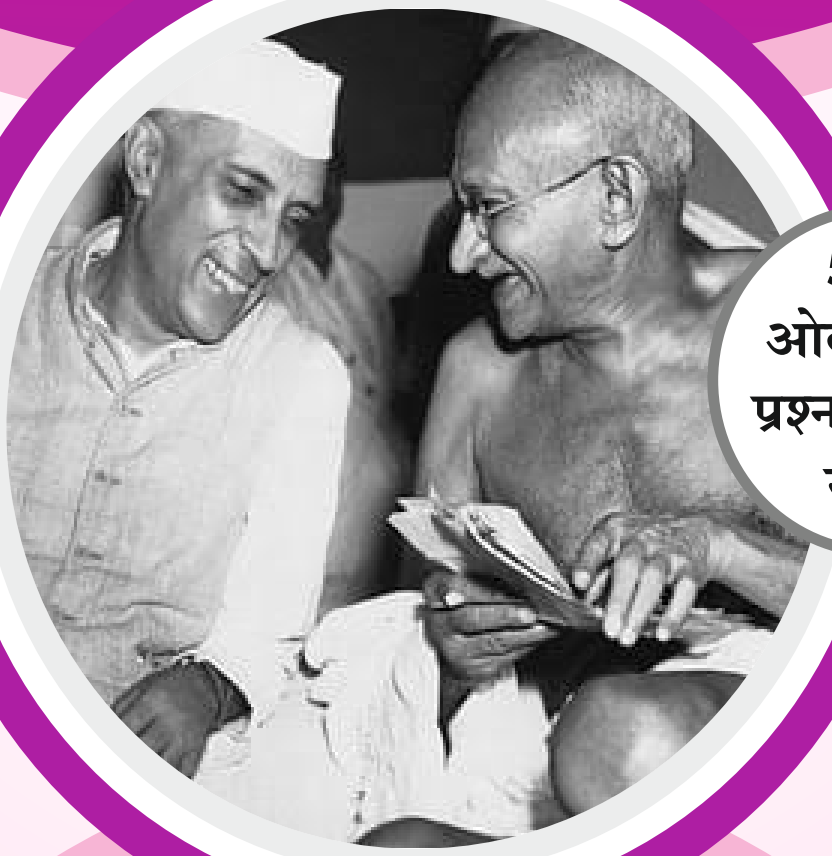

5000 ओब्जेक्टिव प्रश्न व्याख्या सहित

धीरज शर्मा

MA, NET, स्कूल प्राध्यापक

असिस्टेंट प्रोफेसर

असिस्टेंट प्रोफेसर, स्कूल व्याख्याता, NET, SET, NVS, KVS, IAS, RAS आदि परीक्षाओं के लिए उपयोगी

परीक्षा में सफलता हेतु इन पुस्तकों का अध्ययन करें

हमारे प्रकाशन की अन्य पुस्तकें

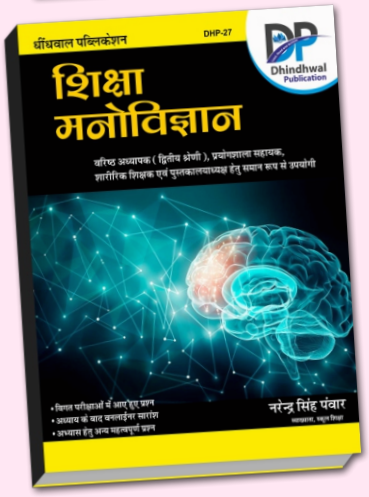

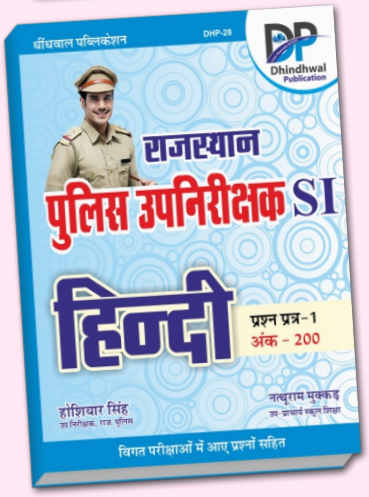

धींधवाल पब्लिकेशन

बी-22, वैष्णो विहार, बीकानेर मोबाइल : 8306733800

धींधवाल पब्लिकेशन

परीक्षा में सफलता हेतु इन पुस्तकों का अध्ययन करें

हमारे प्रकाशन की अन्य पुस्तकें

धींधवाल पब्लिकेशन

बी-22, वैष्णो विहार, बीकानेर मोबाइल : 8306733800

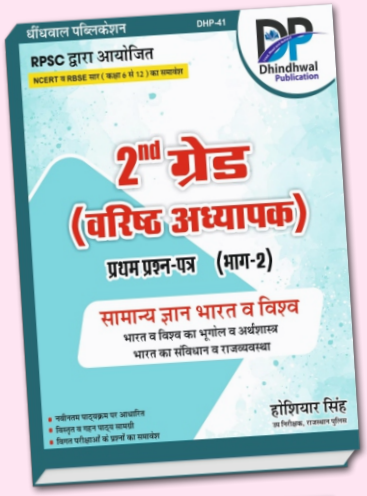

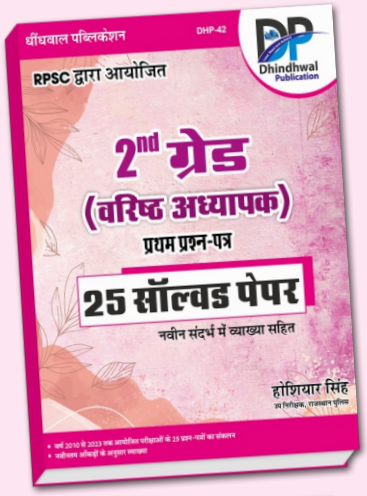

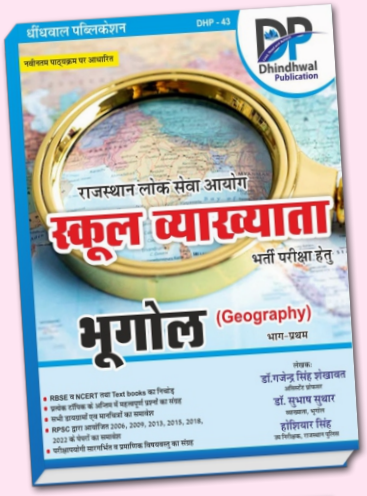

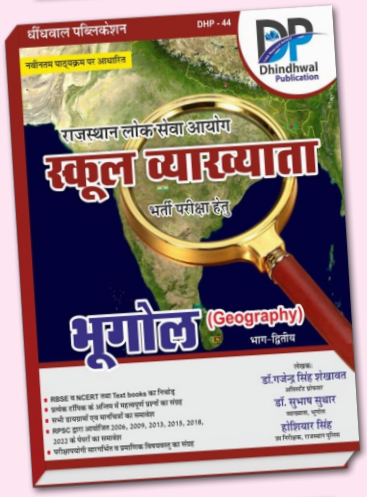

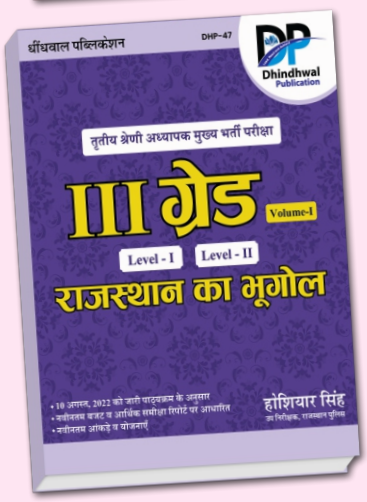

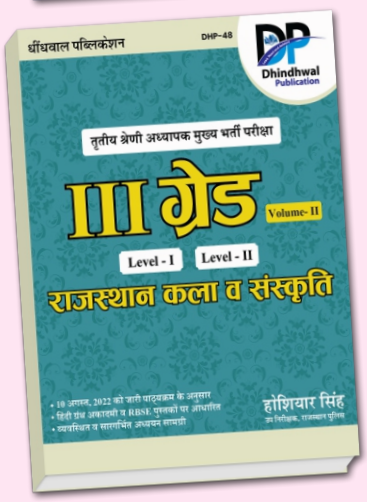

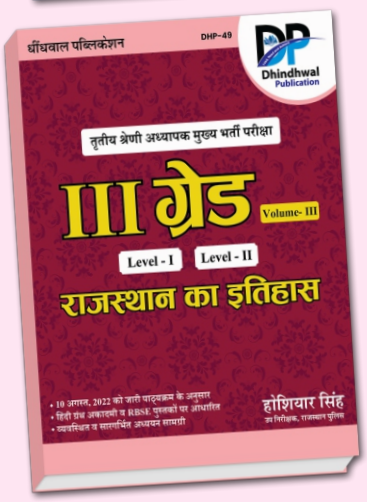

धीरज शर्मा

MA, NET, स्कूल प्राध्यापक
असिस्टेंट प्रोफेसर

: लेखक परिचय :

धीरज शर्मा का जन्म बीकानेर (राजस्थान) में हुआ। आप 12 वीं कक्षा के दौरान ही 2002 में भारतीय थल सेना में भर्ती हुए, सेना में सर्विस के दौरान ही अपनी शैक्षिक योग्यताओं में वृद्धि करना निरन्तर जारी रखा और सेवानिवृति के बाद में असिस्टेंट कमाण्डेंट भर्ती परीक्षा-2018 में सम्पूर्ण भारत में सामान्य श्रेणी से चयन हुआ। उसके साथ ही वर्ष 2018 में स्कूल प्राध्यापक भर्ती परीक्षा-2018 में इतिहास विषय में सम्पूर्ण राजस्थान में 16वीं रैंक हासिल की तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजपुरा हुडान, लूणकरणसर, बीकानेर में आपने प्राध्यापक के रूप में अपनी सेवाएँ दी, तत्पश्चात् वर्ष 2020 में सहायक आचार्य (असिस्टेंट प्रोफेसर) भर्ती परीक्षा-2020 में इतिहास विषय में सम्पूर्ण राजस्थान में 5 वीं रैंक हासिल की।

इन्होंने जिस प्रकार बहुत ही कम समय में सफलताओं को छुआ है, अपने उसी अनुभव को उन्होंने इस पुस्तक में साकार रूप दिया है। वर्तमान में आप राजकीय महाविद्यालय, सुमेरपुर, पाली में असिस्टेंट प्रोफेसर इतिहास विभाग के पद पर कार्यरत है।

लेखक की अन्य पुस्तकें

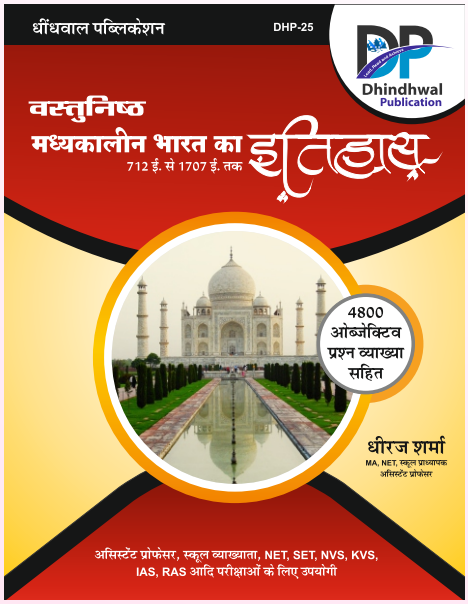

धींधवाल पब्लिकेशन
बी-22, वैष्णो विहार, बीकानेर मोबाइल : 8306733800

धींधवाल पब्लिकेशन

प्रस्तुत करते हैं-

Dhindhwal Publication

वस्तुनिष्ठ आधुनिक भारत का इतिहास

1707 ई. से 1947 ई. तक

(5,000+ व्याख्या सहित प्रश्न)

- ☞ आधुनिक भारत के इतिहास के सर्वश्रेष्ठ प्रश्नों का टॉपिक वाईज संकलन।
- ☞ NCERT की पाठ्यपुस्तकों से तैयार किये गये प्रश्नों का संकलन।
- ☞ हिन्दी ग्रन्थ अकादमी की पुस्तकों पर आधारित प्रश्नों का समावेश।
- ☞ विगत प्रतियोगी परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों का समावेश।
- ☞ UPSC व RPSC के नवीनतम पैटर्न के अनुसार तैयार किये गये प्रश्न।

असिस्टेंट प्रोफेसर, स्कूल व्याख्याता, NET, SET, NVS, KVS, IAS, RAS आदि परीक्षाओं के लिए समान रूप से उपयोगी पुस्तक।

धींधवाल पब्लिकेशन
B-22, वैष्णो विहार, बीकानेर
मो.- 8306733800

लेखक :- धीरज शर्मा
(असिस्टेंट प्रोफेसर, इतिहास)

प्रकाशक:-

धींधवाल पब्लिकेशन

B-22, वैष्णो विहार, बीकानेर

मो.- 8306733800

- Dhindhwal Publication

- धींधवाल पब्लिकेशन

- Dhindhwal Classes

- @Publication-DP

- Dhindhwal Publication

बुक कोड- DHP- 26

© सर्वाधिकार- लेखक

फिक्स रैट- 265.00

मुद्रक-

पिंकसिटी ऑफसेट, जयपुर

इस पुस्तक के किसी भी अंश का लेखक तथा प्रकाशक की पूर्वानुमति के बिना मुद्रित करना, कराना तथा इस पुस्तक की व इस पुस्तक के किसी भाग की फोटोकॉपी, स्कैनिंग, इलेक्ट्रोस्टेट, मशीनी टंकण अथवा किसी भी तरीके से पुन: उपयोग करना, पी.डी. एफ बनाकर वाट्सअप या टेलीग्राम आदि पर प्रसारित करना पूर्णत: वर्जित है।

इस पुस्तक को तैयार करने में पूर्ण सावधानी बरती गई है पुस्तक में दिये गये तथ्य व विवरण उचित व विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त किये गये हैं, फिर भी इसमें किसी त्रुटि, गलती, कमी अथवा लोप रह जाना संभव है। अत: ऐसी किसी भी त्रुटि, गलती, कमी अथवा लोप के कारण हुई क्षति अथवा क्लेश के लिए लेखक, प्रकाशक, सम्पादक, मुद्रक, विक्रेता व कर्मचारीगण का कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा। आप उपर्युक्त सभी शर्तों को स्वीकार करते हुए स्वेच्छा से पुस्तक खरीद रहे हैं अत: दायित्व आपका स्वयं का होगा। सभी प्रकार के परिवादों का न्यायिक क्षेत्र बीकानेर होगा।

भूमिका

प्रिय परीक्षार्थियो,

मुझे **'वस्तुनिष्ठ आधुनिक भारत का इतिहास' (5,024 प्रश्न)** की यह पुस्तक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है।

प्रस्तुत पुस्तक में **आधुनिक भारत के इतिहास** के सर्वश्रेष्ठ प्रश्नों को शामिल किया गया है। इस पुस्तक में NCERT की पाठ्यपुस्तकों व हिन्दी ग्रन्थ अकादमी की पुस्तकों से प्रश्न तैयार कर इसमें शामिल किये गये हैं।

मेरे द्वारा तैयार की गई **'प्राचीन भारत का इतिहास'** व **'मध्यकालीन भारत का इतिहास'** नामक पुस्तकें पूरे भारत में पसंद की जा रही है तथा विद्यार्थियों की ही माँग पर मैंने **'आधुनिक भारत का इतिहास'** नामक पुस्तक को तैयार किया है। मेरा पूर्ण विश्वास है कि इस पुस्तक के 5,024 प्रश्नों को पढ़ने के बाद आपका आधुनिक भारत के इतिहास के प्रश्नों का शानदार अभ्यास (प्रैक्टिस) हो जाएगा। प्रत्येक टॉपिक में अधिकतम प्रश्नों को शामिल करने का प्रयास किया गया है। हमने प्रत्येक प्रश्न के सामने ही उसका उत्तर दिया है, अगर उत्तरमाला अध्याय के अंत में दी जाती है, इससे उत्तरमाला में गलती होने की सम्भावना बढ़ जाती है। साथ ही अनावश्यक प्रश्नों को शामिल करने से बचते हुए इस बात का भी ध्यान रखा गया है कि **परीक्षा की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण** कोई भी प्रश्न छूटे नहीं।

हमारा उद्देश्य विशेषकर आधुनिक भारत के इतिहास विषय को आपके लिए बहुत ही उत्कृष्ट रूप से परीक्षा के दृष्टिकोण से प्रस्तुत करना है।

संघ लोक सेवा आयोग, केन्द्रीय विद्यालय व राजस्थान लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के पैटर्न के अनुसार ही प्रश्न तैयार किये गये हैं, ताकि अभ्यर्थी को इस विषय में अपनी तैयारी को परखने के साथ–साथ आधुनिक भारत के इतिहास के प्रत्येक टॉपिक की गहरी समझ विकसित हो जाए। पुस्तक को परीक्षार्थियों की आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक से अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है। प्रश्नों की भाषा सरल व शैली बोधगम्य रखी गयी है।

मैं **होशियार सिंह जी, स्व. देवेन्द्र दत्त, कान्ता जी शर्मा, ज्योति शर्मा, जयमाला शर्मा, दिनेश शर्मा, संदीप जी शर्मा, मोहित जी शर्मा** का धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने मुझे इस पुस्तक के लेखन हेतु ऊर्जावान प्रेरणा दी। यह पुस्तक मैं अपने देवतुल्य माता–पिता को समर्पित करता हूँ। पुस्तक को व्यवस्थित और आकर्षक स्वरूप प्रदान करने के लिए **असलम अली (टाइपिस्ट) एवं समस्त धींधवाल पब्लिकेशन** टीम का विशेष सहयोग रहा है।

विशेष–● होशियार सिंह जी के मार्गदर्शन व निरन्तर प्रेरणा देने के लिए उनका हृदय की गहराईयों से आभार।

यद्यपि पुस्तक के लेखन एवं प्रकाशन में पूर्ण सावधानी बरती गई है, तथापि आगामी संस्करणों में इसे और अधिक उपयोगी बनाने के लिए आपके अमूल्य सुझावों (मो. 8306733800) का हार्दिक स्वागत है।

"अगर मेहनत सच्ची हो और नियत अच्छी हो, तो कामयाबी जरूर मिलती है।"

धीरज शर्मा

(असिस्टेंट प्रोफेसर, इतिहास)

मो.- 8824372872

वस्तुनिष्ठ आधुनिक भारत का इतिहास (5,024 प्रश्न)

क्र. सं.	विषय–सूची	पृष्ठ संख्या
1.	मुगल साम्राज्य का पतन एवं स्वतंत्र राज्यों का उदय और मराठा शक्ति एवं सिक्ख साम्राज्य (351 प्रश्न)	1–35
2.	यूरोपीय कंपनियों का भारत में प्रवेश (196 प्रश्न)	36–48
3.	ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और बंगाल (179 प्रश्न)	49–61
4.	19वीं शताब्दी में सामाजिक धार्मिक, सांस्कृतिक पुनर्जागरण एवं जातिगत आंदोलन और मुस्लिम धर्म सुधार आंदोलन (376 प्रश्न)	62–93
5.	भारत के प्रमुख किसान आंदोलन (95 प्रश्न)	94–102
6.	भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़े प्रमुख व्यक्तित्व व उनका योगदान (296 प्रश्न)	103–123
7.	ब्रिटिश भारत की पड़ौसी राज्यों के प्रति नीति (84 प्रश्न)	124–129
8.	भारत में राष्ट्रवाद का उदय–राष्ट्रीय एवं क्रान्तिकारी आंदोलन एवं बंगाल विभाजन और स्वदेशी आन्दोलन (466 प्रश्न)	130–160
9.	ब्रिटिश शासन में शिक्षा का विकास (101 प्रश्न)	161–168
10.	भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास एवं भारतीय साहित्य (199 प्रश्न)	169–185
11.	भारत में ब्रिटिश शासन का आर्थिक प्रभाव एवं ब्रिटिश काल में भारत में औद्योगिक विकास (153 प्रश्न)	186–201
12.	भारत में 1857 की क्रांति और 1857 ई. पूर्व के सैनिक विद्रोह (202 प्रश्न)	202–219
13.	राजस्थान में 1857 की क्रांति (85 प्रश्न)	220–225
14.	राजस्थान में किसान आंदोलन (76 प्रश्न)	226–231
15.	ब्रिटिश राज में भारत में पड़े प्रमुख अकाल एवं भारत में श्रमिक व साम्यवादी आंदोलन (153 प्रश्न)	232–246
16.	जन आंदोलन एवं आदिवासी विद्रोह (195 प्रश्न)	247–265
17.	भारतीय राज्यों के प्रति ब्रिटिश नीति (38 प्रश्न)	266–269
18.	कांग्रेस से पूर्व की अखिल भारतीय संस्थाएँ एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं उनके अधिवेशन–प्रमुख तथ्य एवं मुस्लिम लीग (209 प्रश्न)	270–288
19.	भारतीय संवैधानिक विकास के प्रमुख चरण (358 प्रश्न)	289–323
20.	संविधान सभा से संविधान निर्माण तक–प्रमुख विशेषताएँ व तथ्य (125 प्रश्न)	324–335
21.	गवर्नर जनरल (358 प्रश्न)	336–369
22.	महात्मा गाँधीजी के भारत आगमन के बाद राष्ट्रीय आंदोलन से लेकर 1947 ई. में भारत को स्वतंत्रता प्राप्ति तक (729 प्रश्न)	370–428

1 मुगल साम्राज्य का पतन एवं स्वतंत्र राज्यों का उदय और मराठा शक्ति एवं सिक्ख साम्राज्य

1. औरंगजेब की मृत्यु कब हुई थी– (UPPSC–2008)
(1) 3 मार्च, 1707 ई. (2) 5 अप्रैल, 1707 ई.
(3) 8 फरवरी, 1707 ई. (4) 5 नवम्बर, 1707 ई. (1)

☞ **व्याख्या–** औरंगजेब की मृत्यु 3 मार्च, 1707 ई. को मराठों से लड़ते हुए अहमदनगर में हुई। औरंगजेब की मृत्यु के साथ ही मुगल साम्राज्य का पतन तीव्र गति से शुरू हो गया। औरंगजेब को दौलताबाद के पास खुल्दाबाद में फकीर बुरहानुदीन (शेख जैन–उल–हक) की मजार के पास दफना दिया गया। 1707 ई. के बाद का समय उत्तरोतर मुगल काल के नाम से जाना जाता है।

2. मुगल साम्राज्य के पतन के लिए औरंगजेब एवं उसके उत्तराधिकारियों की नीतियों को जिम्मेदार मानने वाले इतिहासकारों का सही कूट है– (UPPSC–2004)
(i) यदुनाथ सरकार (ii) एल्फिन्स्टन
(iii) श्री राम शर्मा (iv) लीवरपुल
निम्नलिखित में से सही कूट है–
(1) (i), (ii) (2) (i), (iii)
(3) (ii), (iii) (4) (i), (ii), (iii), (iv) (4)

☞ **व्याख्या–** यदुनाथ सरकार, एल्फिन्स्टन, श्री राम शर्मा, लीवरपुल जैसे इतिहासकार मुगल साम्राज्य के पतन के लिए औरंगजेब एवं उसके उत्तराधिकारों की नीतियों को जिम्मेदार मानते है, जबकि इतिहासकार सतीश चन्द्र, इफान हबीब और अतहर अली मुगल साम्राज्य के पतन को दीर्घकालीन प्रक्रिया का परिणाम मानते है।

3. बहादुरशाह प्रथम के बारे में ''यह अंतिम मुगल सम्राट था जिसके विषय में कुछ अच्छे शब्द कहे जा सकते हैं, इसके पश्चात् मुगल साम्राज्य की तीव्रगामी और पूर्ण पतन, मुगल सम्राटों की राजनैतिक तुच्छता और शक्तिहीनता का द्योतक था'' ये कथन किस प्रसिद्ध लेखक के है– (UPPSC–2011)
(1) विसेन्ट स्मिथ (2) लीवरपुल
(3) सिडनी ओवन (4) जेम्स मिल (3)

☞ **व्याख्या–** बहादुर शाह प्रथम के बारे में सिड़नी ओवन ने कहा था कि यह अन्तिम मुगल बादशाह था जिसके बारे में कुछ अच्छे शब्द कहे जा सकते है। मुन्तखब–उल–लुबाब के लेखक इतिहासकार खाफी खाँ के अनुसार बहादुरशाह प्रथम शासन कार्यो के प्रति इतना लापरवाह था कि लोग उसे 'शाहे बेखबर' कहते थे।

4. असुमेलित छाँटिये– (UPPSC Pre.-2004)
(1) सतीश चन्द्रा– parties and politics at the mughal court (1707–40 ई.)
(2) मोरलैण्ड– from Akbar to Aurangzeb: A study in Indian Economic History (1923 ई.)
(3) इरफान हबीब – The Agrarian system of mughal india
(4) श्रीराम शर्मा– The 'Great Firm' Theory of th Decline of the Mughal Empire (4)

☞ **व्याख्या–** करेन ल्योनार्ड ने मुगल साम्राज्य के पतन के सन्दर्भ में महान फर्म सिद्धान्त (The 'Great Firm' Theory of the Decline of the Mughal Empire) का प्रतिपादन किया था।

5. उत्तर कालीन मुगल शासकों का सही क्रम हैं – (IAS–1999)
(1) फर्रूखशियर, जहांदार शाह, रफी–उद्– दरजात, रफी–उद्–दौला
(2) जहांदार शाह, फर्रूखशियर, रफी– उद्–दौला, रफी–उद्–दरजात
(3) रफी–उद्–दरजात, फर्रूखशियर, जहांदार शाह, रफी– उद्–दौला
(4) जहांदार शाह, फर्रूखशियर, रफी–उद्–दरजात, रफी– उद्–दौला (4)

☞ **व्याख्या–** उत्तर–कालीन मुगल शासको का शासन कालक्रम–

शासक	शासनकाल
बहादुरशाह प्रथम–	1707 से 1712 ई.
जहाँदारशाह प्रथम–	1712 से 1713 ई.
फर्रूखसियर–	1713 से 1719 ई.
मुहम्मदशाह रंगीला–	1719 से 1748 ई.
अहमदशाह–	1748 से 1754 ई.
आलमगीर द्वितीय–	1754 से 1759 ई.
शाह आलम द्वितीय–	1759 से 1806 ई.
अकबर द्वितीय–	1806 से 1837 ई.
बहादुर शाह द्वितीय–	1837 से 1858 ई.

6. किस मुगल सम्राट के समय निजामुल मुल्क ने दक्कन में एक स्वतंत्र राज्य स्थापित किया था– (IAS Pre.–2003)
(1) मुहम्मद शाह (2) फर्रूखशियर
(3) अहमद शाह (4) आलमगीर द्वितीय (1)

☞ **व्याख्या–** मुहम्मद शाह ने 1722 ई. में निजामुल मुल्क को वजीर बनाया किन्तु दरबारी षड्यंत्रों से तंग आकर निजामुल मुल्क वजीर का पद छोड़कर 1724 ई. में मालवा एवं गुजरात पर मराठा अतिक्रमण को रोकने का बहाना लेकर दक्कन आ गया। इस पर मुहम्मद शाह ने मुबारिज खाँ को दक्कन का सूबेदार नियुक्त किया तथा मुबारिज को निजामुल मुल्क को कुचलने का आदेश दिया, किन्तु 1724 ई. में शकूर खेड़ा के युद्ध में निजामुल मुल्क ने मुबारिज खाँ को पराजित कर दिया व 1724 ई. में स्वतंत्र हैदराबाद राज्य की स्थापना की थी।

7. जमींदारों, जागीरदारों और किसानों के बीच त्रिपक्षीय संबंधों का मुगल साम्राज्य के पतन के लिए जिम्मेदार किस इतिहासकार ने माना है–
(1) सतीश चन्द्रा (2) इरफान हबीब
(3) श्री राम शर्मा (4) अतहर अली (1)

☞ **व्याख्या–** अवध के चीफ कमीश्नर–

नाम	कार्यग्रहण की तीथी
जेम्स आउट्रम	1 फरवरी, 1856–8 मई, 1856 ई.
सी.सी. जैक्सन	8 मई, 1856–21 मार्च, 1857 ई.
हेनरी लॉरेन्स	21 मार्च, 1857– 5 जुलाई, 1857 ई.
शेरब्रुक बैक्स	5 जुलाई, 1857– 11 सितम्बर, 1857 ई.
जेम्स आउट्रम	11 सितम्बर, 1857– 3 अप्रैल, 1858 ई.

94. अवध के अंतिम नवाब वाजिद अली शाह को 12 लाख रुपये की वार्षिक पेंशन देकर कहां भेजा गया था–
(MLSU Phd Entrance Exam-2018)
(1) लंदन (2) दिल्ली (3) कलकत्ता (4) मेरठ (3)

95. 18वीं शताब्दी में स्थापित विभिन्न स्वतंत्र राज्यों में अर्काट कहां की राजधानी थी– (KVS PGT, TGT-2018)
(1) कटेहर (2) फर्रुखाबाद
(3) कर्नाटक (4) अवध (3)

☞ **व्याख्या–** मुगलकाल में कर्नाटक हैदराबाद के सूबेदार के अधीन एक प्रान्त था। स्वतंत्र कर्नाटक राज्य की स्थापना सादतुल्ला खां ने की तथा उसने अर्काट को राजधानी बनाया था।

96. 'अम्बर का युद्ध' किस वर्ष में हुआ था– (DSSSB-2012)
(1) 1749 ई. (2) 1754 ई.
(3) 1760 ई. (4) 1761 ई. (1)

☞ **व्याख्या–** दोस्त अली के बाद अनवरूद्दीन कर्नाटक का नवाब बना किन्तु दोस्त अली के दामाद चाँदा साहब ने फ्रांसीसियों की मदद से 1749 ई. अम्बर के युद्ध में अनवरूदीन को पराजित कर मार डाला। अन्त में अनवरूदीन का पुत्र मुहम्मद अली अंग्रेजों की मदद से कर्नाटक का नवाब बनने में सफल रहा।

97. किस मुगल सम्राट ने चिनकिलिच खाँ को आसफजाह की उपाधि दी थी– (SSC-2018)
(1) फर्रुखशियर (2) मुहम्मदशाह
(3) अहमदशाह (4) आलमगीर द्वितीय (2)

☞ **व्याख्या–** हैदराबाद के स्वतंत्र राज्य की स्थापना दक्कन के मुगल सूबेदार चिनकिलिच खाँ (अमीन खाँ का पुत्र) ने 1724 ई. में की थी। चिनकिलिच खाँ को फर्रुखशियर ने निजाम–उल–मुल्क व खानखाना की उपाधि दी। मुगल सम्राट मुहम्मद शाह ने चिनकिलिच खां को आसफजाह की उपाधि प्रदान की व अपना वजीर (वकील –ए–मुतलक) बना दिया था।

98. हिन्दू पूरनचन्द (दीनानाथ) कौन था– (SSC-2014)
(1) आसफ–उद्–दौला का दीवान
(2) मुहम्मद शाह रंगीला का दीवान
(3) निजाम–उल–मुल्क का दीवान (3)
(4) सादुल्ला खाँ की दीवान

99. राक्षस भुवन की सन्धि किस वर्ष में सम्पन्न हुई थी– (IAS-2010)
(1) 1763 ई. (2) 1768 ई.
(3) 1772 ई. (4) 1770 ई. (1)

☞ **व्याख्या–** निजाम अली को 1763 ई. में मराठा माधवराव प्रथम ने पराजित करके राक्षस भुवन सन्धि की थी।

100. खुर्दा/ खारदा का युद्ध कब हुआ था– (MP Assi. Prof.-2018)
(1) 1790 ई. (2) 1795 ई. (3) 1780 ई. (4) 1785 ई. (2)

☞ **व्याख्या–** निजाम अली को 1795 ई. में खुर्दा/ खारदा युद्ध में मराठा माधवराव नारायण ने पराजित किया था, इस युद्ध की विशेष बात यह थी कि निजाम अली ने महिला सैन्य टुकडी का प्रयोग किया था।

101. अंग्रेजों ने बरार पर अधिकार किस निजाम के समय पर किया जो 1947 ई. तक रहा था– (उतराखण्ड Assi. Prof.-2012)
(1) नासिरउद्दौला (2) सिकन्दर शाह
(3) निजाम अली (4) महावत अली खाँ (3)

☞ **व्याख्या–** निजाम अली के शासन काल में हैदराबाद कटिंजेन्सी के बकाया राशि अदा न करने पर अंग्रेजों ने बरार पर अधिकार किया जो 1947 ई. तक रहा था।

102. भारत की स्वतंत्रता के समय निजाम (हैदराबाद का शासक) कौन था– (UK Assi. Prof.-2010)
(1) निजाम महावत अली खाँ (2) उस्मान अली खाँ
(3) नासिरउद्दौला (4) सिकन्दर शाह (2)

☞ **व्याख्या–** भारत की स्वतंत्रता के बाद भी जब हैदराबाद रियासत ने भारत में अपना विलय नहीं किया और निजाम उस्मान अली खां पाकिस्तान की सहायता से भारत से लड़ने को तैयार हुआ, तब 13 सितम्बर, 1948 ई. को भारत ने निजाम के विरूद्ध पुलिस कार्रवाई की। इस कार्रवाई को 'ऑपरेशन पोलो' नाम दिया गया। तीन दिन के भीतर निजाम ने हथियार डाल दिये। निजाम को गद्दी से हटा दिया गया और 1 नवम्बर, 1948 ई. को हैदराबाद भारतीय संघ में शामिल हो गया।

103. 'ऑपरेशन पोलो' का संबध है– (NET June-2010)
(1) 13 सितम्बर, 1948 ई. को निजाम उस्मान अली खाँ के विरूद्ध भारत द्वारा की गई पुलिस कार्रवाई
(2) कश्मीर में भारत के विलय से संबंधित कार्रवाई
(3) जूनागढ़ का भारत में विलय से संबंधित कार्रवाई
(4) उपरोक्त में से काई नहीं (1)

104. भरतपुर में स्वतंत्र जाट राज्य की स्थापना किसने की थी– (NET/ JRF Dec.-2010)
(1) सूरजमल (2) चूड़ामन
(3) गोकुल (4) बदनसिंह (4)

☞ **व्याख्या–** भरतपुर के स्वतंत्र जाट राज्य की स्थापना चूड़ामन के भतीजे बदनसिंह ने की। भरतपुर, धौलपुर, मथुरा, आगरा को ब्रज प्रदेश के नाम से जाना जाता है। भरतपुर में बहुसंख्यक किसान जाट जाति के थे। भरतपुर का राजवंश सिनसिनवार गौत्र का था।

105. औरंगजेब के विरूद्ध मथुरा के आसपास के क्षेत्रों में विद्रोह का नेतृत्व किसने किया– (NET Dec.-2023)
(1) गोकुल (2) राजाराम
(3) चूड़ामन (4) बदनसिंह (1)

(iii) टीपू के सिक्कों पर हिन्दू देवी–देवताओं (शिव–पार्वती) के चित्र अंकित नहीं थे।
(iv) टीपू के प्रशासन में मीर आसिफ के अधीन सात मुख्य विभाग होते थे
गलत बताइये
(1) i, iii (2) ii, iv
(3) iii (4) i, i (3)

☞ **व्याख्या–** टीपू के सिक्कों पर हिन्दू देवी–देवताओं (शिव पार्वती) के चित्र अंकित थे।

144. तृतीय आंग्ल–मैसूर युद्ध (1790–92 ई.) का तात्कालिक कारण क्या था–
(1) टीपू द्वारा मराठों से मित्रता
(2) टीपू द्वारा हैदराबाद के निजाम से मित्रता
(3) टीपू द्वारा 1789 ई. में ट्रावनकोर राज्य पर आक्रमण
(4) उपर्युक्त सभी (3)

☞ **व्याख्या–** तीसरे आंग्ल–मैसूर युद्ध में अंग्रेजों ने मराठों व निजाम के साथ मिलकर टीपू पर यह आरोप लगाकर आक्रमण किया कि टीपू फ्रांसीसियों से मिलकर अंग्रेजों के विरूद्ध षड्यंत्र कर रहा है इसके अलावा टीपू ने निजाम पर आक्रमण कर गुंटुर प्रदेश छीन लिया। इस युद्ध का तात्कालिक कारण टीपू द्वारा 1789 ई. में ट्रावनकोर राज्य पर आक्रमण करना था। ट्रावनकोर अंग्रेजों का मित्र राज्य था।

145. तृतीय आंग्ल –मैसूर युद्ध (1790–92 ई.) में अंग्रेजों व टीपू सुल्तान के बीच कौनसी संधि हुई–
(1) मंगलौर की संधि (2) मद्रास की संधि
(3) श्रीरंगपट्टनम की संधि (4) त्रावणकोर की संधि (3)

☞ **व्याख्या–** मार्च 1792 ई. में अंग्रेजों व टीपू के बीच श्रीरंगपट्टनम की सन्धि हुई जिसके तहत् टीपू ने अपना आधा राज्य अंग्रेज व उनके सहयोगियों को दे दिया। अंग्रेजों को बारामहल, डिंडीगुल और मालाबार मिला मराठों को तुंगभद्रा के उत्तर का भाग मिला तथा निजाम को पेन्नार एवं कृष्णा नदी के बीच का भाग मिला। युद्ध के हर्जाने के रूप में टीपू ने तीन करोड़ रूपये देने के वचन दिया था।

146. श्रीरंगपट्टनम की संधि पर किसने कहा कि '' बिना अपने मित्रों को शक्तिशाली बनाये हमने अपने शत्रु को कुचल दिया''– (KVS-2022)
(1) वारेन हेस्टिंग्ज (2) लार्ड मैकार्टनी
(3) लार्ड कॉर्नवालिस (4) जनरल मिडोज (3)

147. किस विजय की खुशी में वेलेजली को आयरलैण्ड के लॉर्ड समाज ने मार्क्विस की उपाधि प्रदान की थी– (MPSC Assi. Prof.-2018)
(1) मंगलोर जीतने की खुशी में (2) मद्रास जीतने की खुशी में
(3) मैसूर को जीतने की खुशी में
(4) उपयुक्त सभी (3)

148. सदापीर के युद्ध व मलावली के युद्ध किस आंग्ल–मैसूर युद्ध के हिस्सा थे? (MP Assi. Prof.-2018)
(1) प्रथम आंग्ल –मैसूर युद्ध (2) द्वितीय आंग्ल –मैसूर युद्ध
(3) तृतीय आंग्ल–मैसूर युद्ध (4) चतुर्थ आंग्ल–मैसूर युद्ध (4)

☞ **व्याख्या–** चतुर्थ आंग्ल–मैसूर युद्ध में अंग्रेज सेनापति आर्थर वैलेजली, हैरिस व स्टुअर्ट के नेतृत्त्व में अंग्रेजी सेना ने टीपू सुल्तान को पराजित किया। स्टुअर्ट ने सदापीर के युद्ध में तथा हैरिस ने मलावली के युद्ध में टीपू सुल्तान को हराया। टीपू सुल्तान 4 मई, 1799 ई. को राजधानी श्रीरंगपट्टनम में लड़ता हुआ मारा गया। थॉमस मुनरो ने टीपू सुल्तान को अशांत आत्मा कहा।

149. '' पूर्व का साम्राज्य हमारे पैरों में है एवं अब भारत हमारा है'' उपर्युक्त कथन किस अंग्रेज गर्वनर –जनरल का है– (NVS PGT-2018)
(1) आर्थर वेलेजली (2) लार्ड कॉर्नवालिस
(3) सर जॉन लारेन्स (4) लार्ड मिन्टो प्रथम (1)

150. चतुर्थ आंग्ल–मैसूर युद्ध के बाद अंग्रेजों ने मैसूर की गद्दी पर किसे बैठाया था– (MP Assi. Prof.-2008)
(1) देवराय (2) हरिराय
(3) कृष्णराय (4) सदाराय (3)

☞ **व्याख्या–** चतुर्थ आंग्ल–मैसूर युद्ध के बाद अंग्रेजों ने वाडियार वंश के एक बालक कृष्णराय को मैसूर की गद्दी पर बैठा दिया, इसे मैसूर का एक छोटा सा भाग दे दिया एक टीपू के परिवार के सभी सदस्यों को वेल्लूर में कैद कर लिया गया।

151. मैसूर का प्रशासन कब व किसने कुशासन के कारण कंपनी के हाथ में ले लिया– (RPSC S.I.-2009)
(1) लार्ड हेस्टिंग्स , 1823 ई. (2) 1823 ई जान एडम्स
(3) लाड एम्हर्स्ट, 1829 ई.
(4) 1831 ई. लार्ड विलियम बेंटिक (4)

☞ **व्याख्या–** लॉर्ड विलियम बेंटिक ने कुशासन के कारण 1831 ई. में मैसूर का प्रशासन कंपनी के हाथ में ले लिया। लॉर्ड रिपन ने 1881 ई. में बैंटिक द्वारा हड़पे गये मैसूर राज्य को पुराने वाडियार राजवंश को लौटा दिया था।

152. बन्दा बहादुर की हत्या किसने करवाई– (MPPSC Assi. Prof.-2018)
(1) बहादुरशाह प्रथम (2) मुहम्मद शाह रंगीला
(3) अहमद शाह प्रथम (4) फर्रुखशियर (4)

☞ **व्याख्या–** फर्रूखसियर ने बन्दा बहादुर को दबाने के लिए तुरानी गुट के अमीर अब्दुस्समद को लाहौर का गवर्नर नियुक्त किया। अब्दुस्समद व उसके पुत्र जकारिया खान के नेतृत्त्व में मुगल सेना ने सिक्खों के नेता बन्दा बहादुर को जून 1716 ई. को दिल्ली में हाथी के पैरो तले कुचलवा कर उसकी निर्मम हत्या कर दी थी।

153. सिक्खों को जत्थों के रूप में संगठित कर 'दल खालसा' का नाम निम्नलिखित में से किसने दिया था– (NET JRF June-2010)
(1) कपूर सिंह (2) जस्सा सिंह
(3) गुलाब सिंह (4) हीरा सिंह (1)

☞ **व्याख्या–** सन् 1748 ई. में कपूरसिंह ने सिक्खों को जत्थों के रूप में संगठित कर दल खालसा नाम दिया था।

☞ **व्याख्या–** दोनों पक्षो में 1784 ई. में मंगलौर की संधि अंग्रेजों व टीपू सुल्तान के बीच हो गई जिसके तहत् दोनों पक्षों ने एक दूसरे के लूटे हुए प्रदेश लौटा दिये। इस समय बंगाल का गवर्नर जनरल वॉरेन हेस्टिंग्स था। इस प्रकार मंगलौर की संधि के द्वारा द्वितीय आंग्ल–मैसूर युद्ध का समापन हुआ था।

255. निम्नलिखित में से किस अंग्रेज सेनापति चंगामा एवं त्रिनोमोली के युद्ध में हैदर अली एवं निजाम को पराजित किया था–
(1) जोसेफ स्मिथ (2) कर्नल ब्रेथवेट
(3) जोसेफ वेली (4) जनरल आयरकूट (1)

☞ **व्याख्या–** प्रथम आंग्ल–मैसूर युद्ध (1767–69 ई.) के दौरान हुए चंगामा एवं त्रिनोमोली के युद्ध में अंग्रेज सेनापति जोसेफ स्मिथ ने हैदर अली एवं निजाम को परास्त कर दिया था।

256. सेन्ट थोमे के युद्ध अथवा अड्यार के युद्ध में कर्नाटक के नवाब को निम्न में से किसने पराजित किया था? (HPPSC-2006)
(1) निजाम–उल–मुल्क (2) डूप्ले
(3) लॉ बुर्डोने (4) कोई भी नहीं (2)

☞ **व्याख्या–** कैप्टन पैराडाइज के नेतृत्त्व में फ्रांसीसी सेना ने 1747 ई. में अड्यार या सेंट धीमे के युद्ध (अडयार नदी के किनारे) में महफूज खा के नेतृत्त्व वाली कर्नाटक के नवाब अनवरूदीन की सेना को पराजित किया अनवरूदीन अंग्रेजों के पक्ष में था। इस समय फ्रांसीसी गवर्नर डुप्ले था।

257. कौनसा क्षेत्र तृतीय आंग्ल–मैसूर युद्ध के बाद ईस्ट इंडिया कम्पनी के प्रशासन के अन्तर्गत आया था– (IAS-2002)
(1) कनारा (2) त्रावणकोर (3) तंजौर (4) मालाबार (1)

258. यह कथन किसका है कि, हमने अपने मित्रों को बिना ताकतवर बनाये अपने मित्रों की शक्ति को भी दुर्जेय नहीं बनने दिया? (UPSC-2006)
(1) कॉर्नवालिस (2) जॉन लॉरेन्स
(3) चार्ल्स मेटाकॉफ (4) वेलेजली (1)

☞ **व्याख्या–** गवर्नर जनरल लॉर्ड कॉर्नवालिस ने श्री रंगपट्टनम की संधि पर कहा था कि ''बिना अपने मित्रो को शक्तिशाली बनाये हमने शत्रु को कुचल दिया।'' मार्च, 1792 ई. में अंग्रेजों व टीपू की बीच ''श्री रंगपट्टनम की संधि'' हुई जिसके तहत् टीपू ने अपना आधा राज्य अंग्रेज व उसके सहयोगियों को दे दिया। अंग्रेजों को बारामहल, डिंडीगुल और मालाबार मिला, मराठों की तुंगभद्रा के उत्तर का भाग मिला तथा निजाम को पेन्नार एवं कृष्णा नदी के बीच का भाग मिला। युद्ध के हर्जाने के रूप में टीपू ने तीन करोड़ रूपये/30 लाख पौंड देने का वचन दिया था।

259. हमने अपने मित्रों को बिना ताकतवर बनाये अपने शत्रु को कमजोर बना दिया यह कथन किससे सम्बन्धित है? (UPLS-2004)
(1) प्रथम–आंग्ल–मैसूर युद्ध (2) चतुर्थ–आंग्ल–मैसूर युद्ध
(3) तृतीय–आंग्ल–मैसूर युद्ध (4) द्वितीय–आंग्ल–मैसूर युद्ध (3)

260. निम्न में से कौनसा कथन टीपू सुल्तान के बारे में सत्य नहीं है– (MPPSC-2006)
(1) उसने मैसूर में स्वतंत्रता का वृक्ष लगाया
(2) वह जेरोन्दिस्त दल का सदस्य बना
(3) उसने फ्रांसीसियों से सहायता ली
(4) उसने श्रृंगेरी मन्दिर की मरम्मत करवाई (2)

261. भरतपुर के किस शासक ने सेना में जाटों के वर्चस्व को समाप्त करने की दृष्टि से विदेशी सिपाहियों की भर्ती शुरू की थी? (JHPSC-2000)
(1) सुरजमल (2) जवाहर सिंह
(3) केसरी सिंह (4) रणजीत सिंह (2)

☞ **व्याख्या–** जवाहर सिंह ने अपने सरदारों पर बल प्रयोग करके उन्हें जेल में डाल दिया एवं उनसे धन वसूला। सेना में जाटों के वर्चस्व को समाप्त करने की दृष्टि से जवाहर सिंह ने अपनी सेना में विदेशी सिपाहियों की भर्ती भी शुरू की थी।

262. निम्नलिखित में से किसने संधि के तहत् भरतपुर के शासक जवाहर सिंह को जिगनी, जतलवार, तंवरधार और सिकरवार क्षेत्र किसने सपुर्द किये– (MPPSC-2008)
(1) मुगलों ने (2) मराठों ने
(3) अंग्रेजों ने (4) इनमें से कोई नहीं (2)

☞ **व्याख्या–** जवाहर सिंह की मराठा विरोधी गतिविधियों से पेशवा भी चिन्तित हो गया था। उसने जवाहर सिंह से संधि करना हितकर समझा सितम्बर 1767 ई. में जाट–मराठा संधि हो गई। संधि के तहत् जिगनी, तंवरधार, सिकरवार के मराठा क्षेत्र जवाहर सिंह को सुपुर्द कर दिये गए थे।

263. द्वितीय आंग्ल–मैसूर युद्ध का तात्कालिक कारण था– (KVS PGT-2006)
(1) माहे पर ब्रिटिश कब्जा
(2) श्रावणकोर पर हैदर अली का आक्रमण
(3) उत्तरी सरकार का ब्रिटिश नियंत्रण
(4) हैदर अली का कर्नाटक पर आक्रमण (1)

☞ **व्याख्या–** 1773 ई. में अंग्रेजों ने मैसूर की सीमा में स्थित फ्रांसीसी कोठी माहे पर नियंत्रण कर लिया, जो कि द्वितीय आंग्ल–मैसूर युद्ध का तात्कालिक कारण बना।

264. तृतीय आंग्ल–मैसूर युद्ध का तात्कालिक कारण निम्नलिखित में से क्या था– (KVS TGT-2010)
(1) माहे की कोठी पर कब्जा
(2) ट्रावनकोर राज्य पर आक्रमण करना
(3) फ्रांसीसियों से सैनिक सहायता प्राप्त करना
(4) इनमें से कोई नहीं (2)

☞ **व्याख्या–** तृतीय आंग्ल–मैसूर युद्ध का तात्कालिक कारण टीपू सुल्तान द्वारा 1789 ई. ट्रावनकोर राज्य पर आक्रमण करना था। ट्रावनकोर अंग्रेजों का मित्र राज्य था।

265. श्रीरंगपट्टनम की संधि के अनुसार युद्ध के हर्जाने के रूप में टीपू ने कितने लाख पौण्ड देने का वचन अंग्रेजों को दिया था– (NET-June-2016)
(1) 50 लाख पौंड (2) 30 लाख पौंड
(3) 60 लाख पौंड (4) 70 लाख पौंड (2)

2 यूरोपीय कंपनियों का भारत में प्रवेश

1. कुस्तुन्तुनिया पर तुर्कों का अधिकार किस वर्ष में हुआ था– (NVS PGT-2018)
(1) 1448 ई. (2) 1449 ई.
(3) 1453 ई. (4) 1455 ई. (3)

☞ **व्याख्या–** कुस्तुन्तुनिया पर तुर्कों के अधिकार से यूरोप के मध्य–एशिया सम्पर्क का स्थल मार्ग अवरूद्ध हो जाने से भौगोलिक खोजों को प्रोत्साहन मिला था।

2. निम्नलिखित में से कौन से देश भौगोलिक खोजों में अग्रणी रहे– (SSC-2004)
(1) जर्मनी–फ्रांस (2) ब्रिटेन–हॉलैण्ड
(3) इटली–तुर्की (4) पुर्तगाल–स्पेन (4)

☞ **व्याख्या–** पुर्तगाल एवं स्पेन देश भौगोलिक खोजों में अग्रणी थे।

3. 'केप ऑफ गुडहोप' की खोज किसने की– (SSC-2000)
(1) हेनरी द नेवीगेटर (2) बार्थोलोम्यो डियाज
(3) इमेनुअल (4) पेट्रो अल्ब्रेज कैब्राल (2)

☞ **व्याख्या–** बार्थोलोम्यो डियाज को पुर्तगाली शासक जॉन द्वितीय ने यात्रा पर भेजा, उसने अफ्रीका के दक्षिणी छोर को तूफानों का अन्तरीप (केप ऑफ स्टॉर्म) कहा लेकिन जॉन द्वितीय ने इसका नाम उत्तमाशा अन्तरीप केप ऑफ गुड होप रखा था।

4. बार्थोलोम्यो डियाज ने अफ्रीका के दक्षिणी छोर को क्या नाम दिया था– (SSC-2011)
(1) केप ऑफ गुडहोप (2) केप ऑफ स्टॉर्म
(3) केप ऑफ लाँग डिस्टेन्स (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं (1)

☞ **व्याख्या–** 1487 ई. में बार्थोलोम्यो डियाज ने उत्तमाशा अन्तरीप की खोज की थी।

5. अफ्रीका के दक्षिणी छोर को 'केप ऑफ गुड होप' नाम किसने दिया था–
(1) जान द्वितीय (2) बार्थोलोम्यो डियाज
(3) फिलीप द्वितीय (4) इमेनुअल द्वितीय (1)

देश	वर्ष	खोजकर्त्ता
भारत	1448 ई.	वास्को डी गामा
अमेरिका	1492 ई.	क्रिस्टोफर कोलम्बस
केप ऑफ गुड होप	1487 ई.	बार्थोलोम्यू डियाज
ऑस्ट्रेलिया	1770 ई.	कैप्टन जेम्स कुक
न्यूजीलैण्ड	1642 ई.	तस्मान्

6. भारत में यूरोपीय कम्पनियों के आगमन का क्रम बताइये– (RPSC School Lect.-2018)
(1) पुर्तगाली–डच–अंग्रेज–डेन–फ्रांसिसी
(2) पुर्तगाली–अंग्रेज–डच–डेन–फ्रांसिसी
(3) पुर्तगाली–फ्रांसिसी–डच–डेन–अंग्रेज
(4) पुर्तगाली–डेन–डच–अंग्रेज–फ्रांसिसी (1)

देश	कम्पनी	स्थापना वर्ष
पुर्तगाल	एस्तोदो द इंडिया	1498 ई.
हॉलैण्ड	वेरिंगिदे ओस्त इण्डिशे कम्पनी	1602 ई.
इंग्लैण्ड	ईस्ट इण्डिया कम्पनी	1599 ई.
डेनमार्क	ईस्ट इण्डिया कम्पनी	1616 ई.
फ्रांस	कम्पने दसे इण्डसे ओरियंतलेस	1664 ई.
स्वीडन	ईस्ट इण्डिया कम्पनी	1731 ई.

7. ईस्ट इंडिया कम्पनी की स्थापना कब हुई थी? (UPPSC-2008)
(1) 1599 ई. (2) 1601 ई.
(3) 1603 ई. (4) 1604 ई. (1)

8. भारत छोड़कर सबसे अन्त में कौनसी विदेशी कम्पनी गई थी– (UPPSC-2004)
(1) डच (2) अंग्रेज
(3) पुर्तगाली (4) फ्रांसिसी (3)

9. पुर्तगालियों ने सबसे अन्त में किस स्थान को छोड़ा था– (UPPSC -2009)
(1) गोवा (2) चटगाँव
(3) कोलकात्ता (4) कराची (1)

10. पुर्तगाली कम्पनी का क्या नाम था– (IAS-2003)
(1) एस्तादे–द–इंडिया
(2) ईस्ट इंडिया कम्पनी
(3) वेरिंगिदे ओस्त इण्डिशे कम्पनी
(4) कम्पने देस इण्डसे ओरियंतलेस (1)

☞ **व्याख्या–** पुर्तगाली कम्पनी का नाम 'एस्तादे–द–इण्डिया' था। इसकी स्थापना 1498 ई. में हुई थी।

11. समुद्री रास्ते से भारत आने वाला प्रथम यूरोपीय यात्री कौन था– (HPSC-2007)
(1) वास्कोडिगामा (2) पेट्रो अल्ब्रेज कैब्राल
(3) बारबोसा (4) उपर्युक्त सभी (1)

☞ **व्याख्या–** वास्कोडिगामा समुद्री रास्ते से भारत आने वाला प्रथम पुर्तगाली व यूरोपीय यात्री था। वह अब्दुल मनीक नामक गुजराती पथ प्रदर्शक की सहायता से भारत आया था।

12. वास्कोडिगामा किस व्यक्ति की सहायता (पथ प्रदर्शक) से भारत आया था– (HPPSC-2007)
(1) मनूची (2) अब्दुल मनीक
(3) जेवियर (4) डिसूजा (2)

13. वास्कोडिगामा सर्वप्रथम भारत के किस बन्दरगाह पर पहुँचा था–
(1) कालीकट (2) पुलीकट
(3) मछलीपट्टनम (4) अरिकमेडू (1)

3 ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और बंगाल

1. मुगलकालीन बंगाल में निम्नलिखित में से कौनसा क्षेत्र शामिल नहीं था– (MP Assi. Prof.-2010)
(1) आधुनिक पश्चिम बंगाल (2) असम
(3) बांग्लादेश (4) बिहार (2)

☞ **व्याख्या–** मुगलकालीन बंगाल में आधुनिक पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश, बिहार और उड़ीसा शामिल थे।

2. ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने बंगाल में अपने प्रथम कारखाने की स्थापना कब की थी– (MPPSC-2018)
(1) 1648 ई. (2) 1658 ई. (3) 1651 ई. (4) 1664 ई. (3)

☞ **व्याख्या–** 1651 ई. में शाहशुजा से अनुमति लेकर ईस्ट इंडिया कम्पनी ने बंगाल में हुगली में अपने प्रथम कारखाने की स्थापना की थी।

भारत में डचो द्वारा स्थापित फैक्ट्रियाँ

फैक्ट्रियाँ (कोठी)	वर्तमान प्रादेशिक स्थिति	स्थापना वर्ष
मसूलीपट्टम	आन्ध्रप्रदेश	1605 ई.
पुलीकट	तमिलनाडु	1610 ई.
सूरत	गुजरात	1616 ई.
विमलीवट्टनम	आन्ध्रप्रदेश	1641 ई.
कराईकल	तमिलनाडु	1645 ई.
चिनसुरा	बंगाल	1653 ई.
कासिम बाजार	बंगाल	1658 ई.
पटना	बिहार	1658 ई.
बालासोर	उड़ीसा	1658 ई.
नागपट्टिनम	तमिलनाडु	1659 ई.
कोचीन	केरल	1663 ई.

3. कौन से मुगल बादशाह के काल में ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने अपने प्रथम कारखाने की स्थापना की– (MPPSC-2016)
(1) शाह शुजा (2) औरंगजेब
(3) शाहजहाँ (4) बहादुशाह प्रथम (3)

☞ **व्याख्या–** ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने हुगली में प्रथम कारखाने की स्थापना की थी।

4. अलीवर्दी खाँ की मृत्यु के पश्चात् बंगाल का नवाब कौन बना था– (NVS-PGT-2017)
(1) सिराजुद्दौला (2) शौकत जंग
(3) मीर जाफर (4) मीर मदान (1)

☞ **व्याख्या–** 1756 ई. में अलीवर्दी खाँ की मृत्यु के बाद उसका नाती सिराजुद्दौला बंगाल का नवाब बना। सिराजुद्दौला का वास्तविक नाम मिर्जा मुहम्मद था।

5. मनिहारी का युद्ध कब लड़ा गया था– (DSSSB-PGT-2008)
(1) अक्टूबर, 1756 ई. (2) मई, 1758 ई.
(3) जुलाई, 1754 ई. (4) जून, 1756 ई. (1)

☞ **व्याख्या–** बंगाल नवाब सिराजुद्दौला व पूर्णिया के शौकतजंग के मध्य हुआ था।

6. ईस्ट इंडिया कम्पनी और बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला के रिश्तो में कड़वाहट के कारण नहीं थे– (DSSSB-TGT-2007)
(1) कम्पनी द्वारा फोर्ट विलियम की किलेबन्दी
(2) कम्पनी द्वारा भगोड़े कृष्णवल्लभ को शरण देना
(3) कम्पनी द्वारा सिराज को नजराना भेजना
(4) कम्पनी द्वारा सिराज को कासिम बाजार में घुसने न देना (3)

☞ **व्याख्या–** कम्पनी द्वारा सिराज को नजराना न भेजना रिश्तों में कड़वाहट कारण था।

7. नवाब सिराजुद्दौला ने कलकत्ता पर आक्रमण कब किया था? (NET June-2017)
(1) 15 अक्टूबर, 1756 ई. (2) 15 जून, 1756 ई.
(3) 24 जुलाई, 1756 ई. (4) 26 अक्टूबर, 1756 ई. (2)

☞ **व्याख्या–** 15 जून, 1756 ई. को नवाब सिराजुद्दौला ने कलकत्ता पर आक्रमण किया। कलकत्ता के गवर्नर रोजर ड्रेक ने फुल्टा टापू पर शरण ली।

8. सिराजुद्दौला ने किस जगह का नाम बदलकर अलीनगर रख दिया था– (NET Dec.-2022)
(1) दक्षिण 24 परगना (2) कूचबिहार
(3) कलकत्ता (4) पश्चिम मेदिनीपुर (3)

☞ **व्याख्या–** सिराजुद्दौला ने कलकत्ता का नाम बदलकर अलीनगर रख दिया और मानिकचन्द्र को किले का प्रभारी बनाया था।

9. काल कोठरी त्रासदी नामक घटना कब घटित हुई थी– (SSC-2013)
(1) 24 अगस्त, 1750 ई. (2) 20 जून, 1757 ई.
(3) 18 जून, 1752 ई. (4) 20 जून, 1756 ई. (4)

☞ **व्याख्या–** 20 जून, 1756 ई. को फोर्ट विलियम पर सिराजुद्दौला ने अधिकार कर 146 अंग्रेज स्त्री–पुरूष व बच्चों को एक छोटी सी कोठरी में बंद कर दिया इन में से सुबह तक केवल 23 व्यक्ति जीवित रहे। अंग्रेज इतिहासकार इसे काल कोठरी त्रासदी कहते है।

10. काल कोठरी त्रासदी में 23 जीवित व्यक्तियों में से जीवित बचे अंग्रेज इतिहारकार थे? (NET June-2017)
(1) रईस विलियम कैवेंडिश (2) एल्डरमेन
(3) हॉलवेल (4) रोजर ड्रेक (3)

☞ **व्याख्या–** हॉलवेल की पुस्तक 'Alive the wonder' में काल कोठरी कांड का वर्णन किया गया है। काल कोठरी की त्रासदी में से केवल 23 व्यक्ति जीवित बचे थे, जिनमें हॉलवेल भी प्रमुख था।

11. Alive the wonder नामक पुस्तक में किस घटना का उल्लेख किया गया है– (NET June-2016)
(1) मनिहारी का युद्ध (2) बेदारां का युद्ध
(3) काल कोठरी त्रासदी (4) पटना में हुआ हत्याकाण्ड (3)

94. ईस्ट इंडिया कम्पनी ने किसे बंगाल में उपदीवान नियुक्त किया था– (BPSC-2018)
(1) मुहम्मद रजा खाँ (2) शिताब राय
(3) दुर्लभराय (4) माणिकचन्द्र (1)

☞ **व्याख्या–** कंपनी ने बंगाल में मुहम्मद रजा खाँ को बिहार में राजा शिताब राय को व उड़ीसा में दुर्लभराय को उपदीवान नियुक्त किया। मुहम्मद रजा खाँ उपनिजाम का कार्य भी करते थे।

95. ईस्ट इंडिया कम्पनी ने किसे बिहार में उपदीवान नियुक्त किया था– (DU PG Entrance Exam)
(1) मुहम्मद रजा खाँ (2) शिताब राय
(3) दुर्लभराज (4) माणिकचन्द्र (2)

96. ईस्ट इंडिया कम्पनी ने किसे उड़ीसा में उप–दीवान नियुक्त किया था– (MSLU Phd Entrance Exam-2020)
(1) मुहम्मद रजा खाँ (2) शिताब राय
(3) दुर्लभराय (4) माणिकचन्द्र (3)

97. बंगाल में द्वैध शासन के समय किस वर्ष में भयंकर अकाल पड़ा था–
(1) 1770 ई. (2) 1765 ई.
(3) 1768 ई. (4) 1772 ई. (1)

☞ **व्याख्या–** द्वैधशासन के समय 1770 ई. में बंगाल में भयंकर अकाल पड़ा जिसमें एक करोड़ लोग भूख के कारण मारे गये। इस समय कार्टियर बंगाल का गवर्नर था।

98. बंगाल में द्वैध शासन के समय भयंकर अकाल पड़ा था उस समय गवर्नर कौन थे– (MSLU Phd Entrance Exam-2022)
(1) रॉबर्ट क्लाइव (2) वेरेल्स्ट
(3) कर्टियर (4) रोजर ड्रेक (3)

99. द्वैध शासन इलाहाबाद की सन्धि के तहत् किसने स्थापित किया था– (UPPSC-2022)
(1) कर्टियर (2) कॉर्नवालिस
(3) रॉबर्ट क्लाइव (4) वेरेल्स्ट (3)

☞ **व्याख्या–** द्वैध शासन इलाहाबाद की संधि से क्लाइव ने स्थापित किया था, क्योंकि वह बंगाल में कंपनी के विधितः अधिकार स्थापन्न से उत्पन्न होने वाले उत्तरदायित्व से बचना चाहता था।

100. 'मैं पूर्ण विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि 1765–84 ई. के बीच ईस्ट इंडिया कम्पनी की सरकार से अधिक भ्रष्ट, झूठी, विश्वासघाती व लोभी सरकार संसार के किसी भी सभ्य देश में नहीं थी' यह कथन उपरोक्त किसका है– (MSLU Phd Entrance Exam-2022)
(1) कर्टियर (2) कॉर्नवालिस
(3) वॉरेन हेस्टिंग्स (4) वेरेल्स्ट (2)

☞ **व्याख्या–** कॉर्नवालिस ने द्वैध शासन के बारे में यह कथन इंग्लैण्ड की संसद में कहा था।

101. बंगाल में द्वैध शासन की शुरूआत कब हुई थी– (NVS PGT-2022)
(1) 1764 ई. (2) 1765 ई.
(3) 1769 ई. (4) 1772 ई. (2)

102. बंगाल में द्वैध शासन की शुरूआत के समय गवर्नर निम्नलिखित में से कौन था– (NET Dec.-2022)
(1) कर्टियर (2) कॉर्नवालिस
(3) वेरेल्स्ट (4) रॉबर्ट क्लाइव (4)

103. बंगाल में द्वैध शासन का अंत कब हुआ था– (NET June-2022)
(1) 1764 ई. (2) 1765 ई.
(3) 1769 ई. (4) 1772 ई. (4)

104. बंगाल में द्वैध शासन के अंत के समय गवर्नर निम्नलिखित में से कौन था– (JNV PG Entrance Exam-2022)
(1) कॉर्नवालिस (2) रॉबर्ट क्लाइव
(3) वॉरेन हेस्टिंग्स (4) कर्टियर (3)

105. किसने 1765–1772 ई. के द्वैध शासन को डाकुओं का राज्य कहा था– (IAS-2007)
(1) के.एम. पन्निकर (2) नवीनचन्द्र सेन
(3) बंकिमचन्द्र चटर्जी (4) पी.ई. रॉबर्ट्स (1)

106. किसने बंगाल के द्वैध शासन को अधिकारों एवं उत्तरदायित्व के बीच तलाक कहा है– (IAS-2005)
(1) के.एम. पन्निकर (2) डोडवेल
(3) नवीनचन्द्र सेन (4) बंकिमचन्द्र चटर्जी (2)

107. व्यापार समिति का गठन कब किया गया था– (NVS-PGT-2008)
(1) 1765 ई. (2) 1766 ई.
(3) 1770 ई. (4) 1772 ई. (1)

☞ **व्याख्या–** रार्बट क्लाइव ने कंपनी के कर्मचारियों के लिए 1765 ई. में व्यापार समिति बनाई जिसे नमक, सुपारी व तम्बाकू के व्यापार का एकाधिकार दिया गया था।

108. क्लाइव द्वारा गठित सोसायटी फॉर ट्रेड को कब समाप्त कर दिया गया था– (IAS-2018)
(1) 1765 ई. (2) 1766 ई.
(3) 1768 ई. (4) 1772 ई. (3)

☞ **व्याख्या–** लॉर्ड क्लाइव के कार्यकाल में 1765 ई. में स्थापित कंपनी के कर्मचारियों के लिए व्यापार समिति बनाई गयी थी, जिसे नमक, सुपारी एवं तम्बाकू के व्यापार का एकाधिकार था।

109. रॉबर्ट क्लाइव को इंग्लैण्ड की सरकार ने लॉर्ड की उपाधि कब प्रदान की थी– (छतीसगढ़ Assi. Prof. Exam-2018)
(1) 1765 ई. (2) 1766 ई.
(3) 1768 ई. (4) 1767 ई. (4)

110. बंगाल के अन्तिम नवाब निम्नलिखित में से कौन थे– (NDA-2022)
(1) नज्मुद्दौला (2) सैफुद्दौला
(3) मुबारकउद्दौला (4) सिराजुउद्दौला (3)

☞ **व्याख्या–** मुबारकउद्दौला (1770–1775 ई.) बंगाल का अन्तिम नवाब बना। इसके बाद वॉरेन हेस्टिंग्स ने उन्हें पेंशन देकर बंगाल की सत्ता अपने हाथ में ले ली थी।

111. कलकत्ता के न्यायाधीश इलिजा इम्पे ने बंगाल के किस नवाब का भूसे से भरे एक बेताल (फेन्टम) के रूप में उल्लेख किया है–(IAS-2016)
(1) नज्मुद्दौला (2) मुबारकउद्दौला
(3) सिराजुउद्दौला (4) सैफुद्दौला (2)

4 19वीं शताब्दी में सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक पुनर्जागरण एवं जातिगत आंदोलन और मुस्लिम धर्म सुधार आंदोलन

1. 'आधुनिक भारत के पिता' व 'भारतीय राष्ट्रवाद का पैगम्बर' किसको कहा जाता है– (NDA-June-2000)
(1) स्वामी विवेकानंद (2) राजा राम मोहनराय
(3) महात्मा गांधी (4) दयानन्द सरस्वती (2)

☞ **व्याख्या–** राजा राममोहन राय आधुनिक भारत के प्रथम समाज सुधारक थे। इन्हें भारतीय पुनर्जागरण का प्रभात तारा/पुनर्जागरण का अग्रदूत तथा नवदिन का प्रात:का तारा भी कहा जाता है।

2. निम्न में से राजा राममोहन राय के बारे में कौनसा कथन असंगत है–
(1) इनका जन्म राधानगर (हुंगली बंगाल) में 22 मई 1772 ई. को हुआ था।
(2)इनके पिता रमाकान्त देव को बंगाल के नवाब से 'रायरायाँ' की उपाधि मिली।
(3)राजा राममोहन राय को 'राम' की उपाधि सुभाष चन्द्र बोस ने दी थी।
(4) राय को भारत में पत्रकारिता का अग्रदूत व भारतीय भाषायी प्रेस का प्रवर्तक माना जाता है। (3)

☞ **व्याख्या–** राजा राममोहन राय को 'राम' की उपाधि उनके पिता रमाकान्त देव ने दी थी। राजा राममोहन राय को सुभाष चन्द्र बोस ने 'युगदूत' की उपाधि दी थी।

3. निम्न कथन पर विचार कीजिए तथा उपयुक्त उतर का चयन कीजिए– (NVS-TGT-2003)
कथन– 1 राजा राममोहन राय इस्लाम के ऐश्वरवाद, सुफीमत के रहस्यवाद, ईसाई धर्म नीतिशास्त्र से प्रभावित थे।
कथन– 2 राजा राममोहन राय पाश्चात्य दर्शन से प्रभावित नही थे।
(1) केवल कथन 1 सत्य (2) केवल कथन 2 सत्य
(3) न तो कथन 1 न ही कथन 2 (4) दोनों की कथन सत्य (1)

☞ **व्याख्या–** राजा राममोहन राय इस्लाम के एकेश्वरवाद सुफीमत के रहस्यवाद ईसाई धर्म के नीतिशास्त्र और पश्चिम के उदारवादी बुद्धिवाद से प्रभावित थे। ये पाश्चात्य दर्शन से अधिक प्रभावित थे। वे अरबी, फारसी, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, लेटिन, ग्रीक, हिब्रू जैसी भाषाऐं भी जानते थे।

4. कथन –1– राजा राममोहन राय ने सती प्रथा, बहुपत्नी प्रथा का विरोध किया था।
कथन–2– इन्होंने विधवा विवाह, अन्तर्जातीय विवाह व स्त्री विवाह व स्त्री शिक्षा का समर्थन किया। (IAS-Pre.-2018)
(1) कथन 1 सत्य है (2) कथन 2 सदस्य है
(3) कथन 1 व 2 दोनों सत्य
(4) कथन 1 व 2 दोनों असत्य (3)

5. सही मिलान कीजिये– (RPSC Assi. Prof. Exam-2018)

सूची–I	सूची–II
(A) तुहफात उल मुवाहिदीन	(i) हिन्दी
(B) संवाद कौमुदी (1821 ई.)	(ii) अंग्रेजी
(C) ब्रह्म मेनिकल	(iii) बंगाली
(D) बंगदूत (1829 ई.)	(iv) फारसी

कूट–
(1) A(i), B(ii), C(iii), D(iv)
(2) A(iv), B(iii), C(i), D(ii)
(3) A(ii), B(i), C(iv), D(iii)
(4) A(iv), B(iii), C(ii), D(i) (4)

☞ **व्याख्या–** 1804 ई. में राजा राममोहन राय ने फारसी भाषा में 'तुहफात –उल–मुवाहिदीन' नामक पुस्तक का प्रकाशन किया। यह मूर्तिपूजा के विरूद्ध एक लेख है। राय ने विभिन्न धर्मो पर फारसी में परिचर्चा 'मंजार्तुल अदयान' लिखी। राय ने वेदों/ वैदिक ग्रन्थों एवं पांच उपनिषदों (ईश, केन, कठ,मुण्डक, माण्डुक्य) का संस्कृत से बांग्ला भाषा में अनुवाद किया। ''प्रीसेप्ट्स ऑफ जीसस'' में राय ने ईसा मसीहा के दैवीय होने के सिद्धान्त को खारिज किया। सवांद कौमुदी किसी भारतीय द्वारा भारतीय भाषा ने संपादित, संचालित एवं प्रकाशित प्रथम भारतीय समाचार पत्र था। मिरातुल अखबार अथवा बुद्धि दर्पण फारसी भाषा में ब्रह्म मैनिकल अंग्रेजी भाषा में लिखी। राय ने हिन्दी में बंगदूत नामक समाचार पत्र 1829 ई. में निकाला था।

6. ब्रह्म समाज के सन्दर्भ में सत्य कथन है– (NDA-Apr.-2023)
(1) इसकी स्थापना 20 अगस्त, 1828 ई. को राजा राममोहन राय ने कलकत्ता मे की।
(2) इसके प्रथम सचिव एक दलित तारचन्द चक्रवर्ती थे।
(3) ब्रह्म समाज को विद्वानों ने अद्वैतवाद हिन्दू संस्था कहा है।
(4) उक्त सभी सत्य है। (4)

7. राजा राममोहन राय ने किस पुस्तक में ईसा मसीह के दैवीय होने के सिद्धान्त को खारिज किया था– (NDA-Apr.-2005)
(1) तुहफात–उल–मुहाहिदीन में
(2) प्रीसेप्ट ऑफ जीसस में
(3) मुजांतुल अदायन में (4) मिरातुल/बुद्धि दर्पण में (2)

8. किसी भारतीय द्वारा भारतीय भाषा में संपादित, संचालित एवं प्रकाशित प्रथम भारतीय समाचार पत्र था– (NDA-Sep.-2005)
(1) बंगदूत (2) संवाद कौमुदी
(3) समाचार चंद्रिका (4) बुद्धि दर्पण (2)

☞ **व्याख्या–** राजा राममोहन राय ने संवाद कौमुदी के माध्यम से सती प्रथा का विरोध किया। सामाजिक व धार्मिक कुरीतियों का विरोध करने के लिए समाचार चंद्रिका पत्रिका का प्रकाशन 1822 ई. में शुरू हुआ था।

☞ **व्याख्या–** राजा राममोहन राय के बाद देवेन्द्रनाथ टैगोर ने ब्रह्म समाज को अनुप्रणीत (पुनर्जीवित) किया। देवेन्द्रनाथ को प्रिंस की उपाधि मिली थी। महर्षि द्वारिकानाथ के बाद उनके पुत्र देवेन्द्र नाथ टैगोर (1817–1905 ई.) ने ब्रह्म समाज का संचालन किया। ब्रह्म समाज का प्रतीज्ञा पत्र देवेन्द्र नाथ टैगोर ने तैयार किया था।

26. देवेन्द्रनाथ द्वारा प्रकाशित पत्रिका जो ब्रह्म समाज का मुखपत्र थी– (NDA-Sep.-2017)
(1) इण्डियन मिरर (2) हिन्दू उत्तराधिकारी नियम
(3) तत्त्व बोधिनी (4) तत्त्वरंजीनी (3)

☞ **व्याख्या–** देवेन्द्रनाथ ने कलकत्ता में जोरासांकी में 'तत्त्वरंजिनी सभा' तथा बाद में 'तत्त्व बोधिनी सभा' की स्थापना की तथा तत्त्व बोधिनी पत्रिका का (1839 ई.) प्रकाशन किया, जो ब्रह्म समाज का मुखपत्र थी। देवेन्द्रनाथ ने 1840 ई. में तत्त्वबोधिनी स्कूल की स्थापना की इसमें अक्षय कुमार को अध्यापक बनाया गया। स्कूल के सदस्य थे– राजेन्द्रलाल मित्र, ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, ताराचन्द चक्रवती तथा प्यारेचन्द्र मित्र।

27. केशवचन्द्र सेन के प्रयासों से ब्रह्म समाज को प्रमुख शाखाएँ बंगाल के अलावा और कहाँ खोली गई थी– (NDA-Apr.-2023)
(1) मद्रास (2) उतरप्रदेश (3) पंजाब (4) उक्त सभी (4)

☞ **व्याख्या–** आचार्य केशवचन्द सेन ब्रह्म समाज को अत्यधिक लोकप्रिय बनाया व इसे अखिल भारतीय स्वरूप प्रदान किया। केशवचन्द सेन के प्रयासों से ब्रह्म समाज आन्दोलन का तेजी से विकास हुआ, इसकी शाखाएँ बंगाल, मद्रास, उत्तरप्रदेश एवं पंजाब में खुली।

28. नव विधान नामक संस्था की स्थापना किसने की– (IAS-2020)
(1) राजा राममोहन राय (2) नरेन्द्र देव
(3) केशवचन्द्र सेन (4) दयानन्द सरस्वती (3)

29. ''इण्डियन रिफॉर्म एसोसिएशन'' का संबध किससे है– (SSC-GD-2017)
(1) विधवा विवाह (2) सती प्रथा
(3) स्त्री शिक्षा (4) बालश्रम (3)

☞ **व्याख्या–** केशवचन्द्र सेन ने स्त्री शिक्षा के लिए 1870 ई. में इंडियन रिफार्म एसोसिएशन (भारतीय सुधार संघ) की स्थापना की, इन्होंने स्त्रियों के लिए उच्च शिक्षा का समर्थन किया एवं पर्दा प्रथा का विरोध किया। केशवचन्द्र सेन ने महिलाओं के लिए वामा बोधिनी पत्रिका का संपादन किया था।

30. ''ब्रह्मवाद को विश्व धर्म बनाना चाहिए।'' उपरोक्त कथन किसका था– (CDS-2021)
(1) केशवचन्द्र सेन (2) नरेन्द्र देव
(3) दयानन्द सरस्वती (4) इनमें से काई नहीं। (1)

31. प्रार्थना समाज के प्रमुख संस्थापक निम्नलिखित में से कौन थे– (IAS-2016)
(1) आचार्य नरेन्द्र देव व केशव चन्द्र
(2) महादेव गोविंद रानाडे व राजा राममोहन राय
(3) आत्माराम पाण्डुरंग व महादेव गोविंद रानाडे
(4) इनमें से कोई नहीं (3)

☞ **व्याख्या–** प्रार्थना समाज की स्थापना एवं विकास ब्रह्म समाज की छत्रछाया में हुआ था, यथार्थ रूप से यह ब्रह्म समाज की ही एक शाखा थी। प्रार्थना समाज के प्रमुख संस्थापक डॉ. आत्माराम पाण्डुरंग एवं जस्टिस महादेव गोविन्द रानाडे थे। प्रार्थना (उपासना) व समाज सुधार प्रार्थना समाज के दो मुख्य अंग थे। ये जाति उन्मूलन एवं विश्व बन्धुव में विश्वास करते थे।

32. कथन– 1876 ई. मे ब्रह्म समाज का दूसरा विभाजन हुआ तथा जिससे आनन्द मोहन बोस ने साधारण ब्रह्म समाज की स्थापना की।
कारण– केशवचन्द्र सेन ने अपनी 13 वर्षीय पुत्री का विवाह करके ब्रह्म विवाह अधिनियम का उल्लंघन किया था। (UPPSC-2016)
(1) कथन सही कारण गलत
(2) कथन व कारण दोनों सही लेकिन व्याख्या नहीं करते।
(3) कथन गलत, कारण सही
(4) कथन व कारण सही तथा सही व्याख्या करते है। (4)

☞ **व्याख्या–** 1878 ई. में केशवचन्द्र सेन ने अपनी 13 वर्षीय अल्पायु पुत्री का विवाह कूचविहार के राजा से कर दिया। यह ब्रह्म विवाह अधिनियम का उल्लंघन था। अत: 1878 ई. में ब्रह्म समाज में दूसरा विभाजन हुआ तथा दूसरे गुट ने साधारण ब्रह्म समाज की स्थापना की थी। साधारण ब्रह्म समाज की स्थापना आनन्द मोहन बोस के सिद्धान्तों पर हुई। इसके अन्य सदस्य थे– शिवनाथ शास्त्री, विपिनचन्द्र पाल, द्वारिकानाथ गांगुली, सुरेन्द्र नाथ बनर्जी।

33. साधारण ब्रह्म समाज द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ का सही समुच्चय निम्नलिखित में से कौनसा है– (IAS-2023)
(1) प्रवेश, नव्य भारत (2) मॉर्डन रिव्यु, संजीवनी
(3) तत्व कौमुदी (4) इंडियन मैंसेजर
(5) उक्त सभी (5)

☞ **व्याख्या–** साधारण ब्रह्म समाज द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ निम्नलिखित थी–
(i) तत्त्व कौमुदी (ii) ब्रह्म जनमत (iii) इंडियन मैसेंजर
(iv) संजीवनी (v) नव्य भारत (vi) मॉडर्न रिव्यू (vii) प्रवेश

34. ''पश्चिमी भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अग्रदूत'' किसे माना जाता है– (CDS-2020)
(1) राजा राममोहन राय (2) एम.जी.रानाडे
(3) आत्माराम पांडुरंग (4) नरेन्द्र देव (2)

35. निम्नलिखित में से कौनसी संस्था 'पण्डित विष्णु परशुराम शास्त्री' द्वारा स्थापित है– (UP Assi. Prof. Exam-2013)
(1) विधवा विवाह संघ (2) विधवा आश्रम संघ
(3) विडो रिमैरिज ऐसोसिएशन
(4) उक्त में से कोई नहीं (3)

36. उपरोक्त में से सत्य कथन का चयन कीजिये.... (NDA-June-2019)
(i) आदि ब्रह्म समाज अपने को हिन्दू धर्म का अंग मानता था।
(ii) भारतीय ब्रह्म समाज अपने को सब धर्मो के समान मानता था।
(iii) संगत सभा की स्थापना केशवचन्द्र सेन ने की थी।
(1) i, ii सत्य (2) केवल iii सत्य
(3) केवल ii,iii सत्य (4) i,ii,iii सभी संगत है। (4)

5 भारत के प्रमुख किसान आंदोलन

1. 'नील विद्रोह' किस वर्ष हुआ था– (IAS-2011)
(1) 1855 ई. (2) 1859 ई.
(3) 1862 ई. (4) 1865 ई. (2)

☞ **व्याख्या–** बंगाल में नील उगाने वाले कृषकों ने यूरोपीय अधिकारियों के अत्याचारों से तंग आकर सितम्बर 1859 ई. में विद्रोह कर दिया था। नदिया जिले के गोविन्दपुर गाँव में 1859 ई. में दिगम्बर विश्वास विष्णु विश्वास तथा रफीक मंडल के नेतृत्त्व में किसानों ने नील की खेती बंद कर दी थी।

2. नील विद्रोह का संबंध किस क्षेत्र से है– (SSC-2017)
(1) बिहार (2) बंगाल
(3) अवध (4) उक्त कोई नहीं (2)

3. बंगाल के नदियाँ जिले के गोविदंपुर गांव मे 1859 ई. में किनके नेतृत्त्व मे किसानों ने नील की खेती बन्द कर दी थी– (CDS-June-2012)
(1) दिगम्बर विश्वास (2) विष्णु विश्वास
(3) रफीक मंडल (4) उक्त सभी (4)

4. नील कृषकों की समस्या का अध्ययन करने के लिए नील आयोग की स्थापना किस वर्ष की गई थी– (UPPSC-2018)
(1) 1859 ई. (2) 1860 ई.
(3) 1862 ई. (4) 1865 ई. (2)

☞ **व्याख्या–** डब्ल्यू. एस. सीटनकार की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय नील आयोग का गठन 1860 ई. में किया गया। इस आयोग में एक मात्र भारतीय प्रतिनिधि चंद्रमोहन चटर्जी थे। जो जमीदारों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। डब्ल्यू. एफ. फर्ग्युसन नील उत्पादको का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। अन्य दो प्रतिनिधि आर. टेम्पल और रेव. जे. सीले थे। आयोग के सामने तत्कालीन मजिस्ट्रेट ई. डब्ल्यू. एल. टॉवर ने भी गवाही दी।

5. निम्नलिखित में से असंगत कथन को छांटिए– (DSSSB-PGT-2011)
(1) नील आयोग ने सुझाव दिया कि किसानों को नील की खेती के लिये बाध्य नहीं किया जा सकता।
(2) नील आन्दोलन को ईसाई मिशनरियों का समर्थन प्राप्त था।
(3) अन्ततः नील उगाने वाले यूरोपीय भूपतियों की जीत हुयी।
(4) शिशिर कुमार घोष ने नील विद्रोह मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई (3)

☞ **व्याख्या–** अन्त मे नील उगाने वाले यूरोपीय भूपतियों की हार हुई और वे बिहार व उत्तरप्रदेश चले गये।

6. 'नगर किसान विद्रोह' का नेतृत्त्व निम्नलिखित में से किसने किया था– (DSSSB-TGT-2014)
(1) दारा सिंह (2) सरदार मल्ला
(3) वासुदेव बलवन्त (4) राजकुमार शुक्ला (2)

☞ **व्याख्या–** नगर मैसूर राज्य के शिमोगा जिले में है। यहाँ अगस्त 1830 ई. में किसानों ने विद्रोह किया। इस विद्रोह में किसान एवं छोटे अधिकारी शामिल थे जिनको स्थानीय छोटे शासकों ने भी समर्थन दिया। इस विद्रोह का नेतृत्त्व सरदार मल्ला ने किया था।

7. कथन (1)– हिन्दू पैट्रियाट के संपादक हरिशचन्द्र मुखर्जी ने तथा बुद्धिजीवी वर्ग ने लेखो द्वारा नील आन्दोलन का खुलकर विरोध किया था।
कथन (2)– दीनबन्धु मित्र ने अपने नाटक नील दर्पण मे नील बागान मालिकों के अत्याचारों का खुला चित्रण किया है। (KVS-TGT-2000)
(1) कथन 1 व 2 सत्य (2) केवल 1 सत्य
(3) कथन 2 सत्य (4) दोनों कथन असत्य (3)

☞ **व्याख्या–** हिन्दू पैट्रियाट के संपादक हरिशचन्द्र मुखर्जी ने तथा बुद्धिजीवी वर्ग ने अखबारों में लेखों द्वारा नील आन्दोलन का समर्थन किया। दीनबन्धु मित्र ने अपने नाटक नील दर्पण में नील बगान मालिकों के अत्याचारों का खुला चित्रण किया है।

8. नील आयोग में अध्यक्ष सहित कुल कितने सदस्य थे– (NVS-PGT-2008)
(1) 4 (2) 5
(3) 6 (4) 7 (2)

☞ **व्याख्या–** नील आयोग डब्ल्यू . एस. सीटनकार की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय आयोग था।

9. नील आयोग (1860 ई.) के अध्यक्ष कौन थे–
(1) डब्ल्यू. एस. सीटनकार (2) आर टेम्पल
(3) रेव जे.सेल (4) डब्ल्यू. एफ. फर्गयुसन (1)

10. नील आयोग मे एकमात्र भारतीय सदस्य कौन थे जो जर्मीदारो का प्रतिनिधत्व कर रहे थे– (NET-Dec.-2011)
(1) रेव.जे.सेल (2) चन्द्र मोहन चटर्जी
(3) डब्ल्यू. एफ. फर्ग्युसन (4) ई. डब्ल्यू. एच. टॉवर (2)

11. l φh& I को सूची– II से सुमेलित कीजिये तथा सही उतर का चयन कीजिये– (कर्नाटक Assi. Prof. Exam-2014)

सूची– I (नील आयोग सदस्य)	सूची– II (सदस्य का कार्य)
(A) चन्द्र मोहन चटर्जी	(i) आयोग की अध्यक्षता
(B) डब्ल्यू. एफ. फर्ग्युसन	(ii) तत्कालीन मजिस्ट्रेट
(C) ई. डब्ल्यू. एल. टॉवर	(iii) नील उत्पादको का प्रतिनिधित्व
(D) डब्ल्यू. एस. सीटनकार	(iv) जर्मीदारो का प्रतिनिधित्व

(1) A-(i), B(ii), C-(iii), D(iv)
(2) A-(iv), B(iii), C-(ii), D(i)
(3) A-(iv), B(iii), C-(i), D(ii)
(4) A-(ii), B(i), C-(iv), D(iii) (2)

6 भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़े प्रमुख व्यक्तित्व व उनका योगदान

1. निम्न में से किस एक महान व्यक्ति ने पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना की थी– (DSSSB-TGT-2014)
(1) बाल गंगाधर तिलक (2) लाला लाजपतराय
(3) सी.आर. दास (4) डॉ. भीमराव अम्बेडकर (2)

2. भारत के प्रथम राजनैतिक कैदी निम्नलिखित में से किसे माना जाता है–
(1) बाल गंगाधर तिलक (2) महात्मा गाँधी
(3) चन्द्रशेखर आजाद (4) राजगुरु (1)

3. ''आनंद मठ'' के रचयिता निम्नलिखित में से कौन थे–
(1) रवीन्द्रनाथ टैगोर (2) बंकिमचन्द्र चटर्जी
(3) डॉ. नगेन्द्र सेन गुप्त (4) महात्मा गाँधी (2)

☞ **व्याख्या–** आनन्द मठ बंकिमचन्द्र चटर्जी का लोकप्रिय उपन्यास है। यह बांग्ला भाषा मे लिखा गया था। आनंद मठ 1773 ई. के संन्यासी विद्रोह पर आधारित था।

4. निम्न मे से किस व्यक्ति को गाँधीजी ने अपनी 'अन्तआत्मा का रक्षक' बताया था– (NET-June-2016)
(1) गोपाल कृष्ण गोखले (2) लाला लाजपतराय
(3) सी.राजगोपालाचारी (4) सी. आर. दास. (3)

5. निम्न में से कौन एक स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री बने थे–
(1) सर्वपल्ली राधाकृष्णन (2) अबुल कलाम आजाद
(3) APJ अब्दुल कलाम (4) सी. राजगोपालाचारी (2)

6. ''अंग्रेजों एशिया छोड़ो'' का नारा निम्नलिखित में से किसने दिया था– (छतीसगढ़ कॉलेज लेक्चरर-2016)
(1) महात्मा गाँधी (2) लाला लाजपतराय
(3) वल्लभभाई पटेल (4) C.R.दास (3)

7. वर्ली किसान आंदोलन किस वर्ष में हुआ था– (UPPSC-2008)
(1) 1942 ई. (2) 1945 ई.
(3) 1928 ई. (4) 1932 ई. (2)

☞ **व्याख्या–** 1945 ई. में बम्बई के पास वर्ली आदिम जाति के विद्रोह को महाराष्ट्र किसान सभा का समर्थन प्राप्त था। गोदावरी पुरूलेकर जैसे बाहरी नेताओं के नेतृत्त्व में वर्लियों ने बेथ बेगार देने से मना कर दिया था।

8. ''देश'' नामक पत्रिका का सम्पादन निम्नलिखित में से किसके द्वारा किया गया था– (BPSC-2009)
(1) महात्मा गाँधी (2) राजेन्द्र प्रसाद
(3) करूणा सिधुराय (4) राजेन्द्र लाल मित्र (2)

9. निम्न में से किस एक आन्दोलन मे सी.राजगोपालचारी ने भाग नही लिया था– (IAS-1996)
(1) भारत छोड़ो आन्दोलन (2) असहयोग आन्दोलन
(3) रौलेट एक्ट (4) सविनय अवज्ञा आंदोलन (1)

☞ **व्याख्या–** सी. राजगोपालाचारी ने भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग नहीं लिया और भारत छोड़ो का विरोध करते हुए अंग्रेजों के साथ दूसरे विश्वयुद्ध में सहयोग करने की वकालत की थी।

10. बिहार छात्र सम्मेलन के संस्थापक निम्नलिखित में से कौन थे–
(1) राजेन्द्र प्रसाद (2) राम मनोहर लोहिया
(3) स्वामी सहजानन्द (4) इनमें से कोई नहीं (1)

☞ **व्याख्या–** बिहार छात्र सम्मेलन के संस्थापक राजेन्द्र प्रसाद थे, जिन्होंने ''देश'' नामक पत्रिका का सम्पादन किया था।

11. 'हिन्द स्वराज' पुस्तक कब व किसने लिखी थी– (GPSC-2008)
(1) 1906 ई., महात्मा गाँधी (2) 1909 ई., महात्मा गाँधी
(3) 1906 ई., तिलक (4) 1909 ई., तिलक (2)

☞ **व्याख्या–** 1909 ई. में इंग्लैण्ड से भारत आते हुए गाँधीजी ने जहाज पर 'हिन्द स्वराज' नामक पुस्तक की रचना की। यह पुस्तक मूल रूप से गुजराती में लिखी गई। गाँधीजी ने ही इसका अंग्रेजी में अनुवाद किया था।

12. '' मेरे लिये छोटे से छोटा कार्य भी इस बात से शासित होता है कि वह मेरे लिये धर्मसम्मत है।'' उक्त कथन किसका था– (DSSSB-TGT-2016)
(1) महात्मा गाँधी (2) अंबेडकर
(3) एम. जी. रानाडे (4) उक्त कोई नही। (1)

☞ **व्याख्या–** गाँधीजी ने आत्मनियत्रंण को परिवार नियोजन का सर्वोत्तम उपाय बताया। गाँधीजी के अनुसार गरीबी का स्थायित्व हिंसा का क्रूरतम रूप है।

13. निम्नलिखित में से असत्य कथन कौनसा है–
(1) जोरावरसिंह, केसरी सिंह बारहठ के छोटे भाई थे।
(2) प्रतापसिंह, केसरी सिंह बारहठ के बड़े भाई थे।
(3) राजस्थान सेवा संघ की स्थापना विजयसिंह पथिक ने की।
(4) केसरीसिंह बारहठ हिन्दी भाषा के प्रबल समर्थक थे। (2)

☞ **व्याख्या–** प्रतापसिंह बारहठ, केसरी सिंह बारहठ के पुत्र थे। इनका जन्म 24 मई, 1893 ई. को देवपुरा (भीलवाड़ा) मे हुआ था।

14. ''अधिकांश लोग कार्य की योजना बनाते रहते है, किन्तु पथिक एक सिपाही के समान कार्य मे जुट जाता है'' यह कथन किसने कहा? (KVS-TGT-2011)
(1) अर्जुनलाल सेठी (2) प्रतापसिंह बारहठ
(3) महात्मा गाँधी (4) गोपालसिंह खारवा (3)

15. वेदान्त ज्योतिष के लेखक निम्नलिखित में से कौन थे–
(1) बाल गंगाधर तिलक (2) अरविन्द घोष
(3) सहजानन्द सरस्वती (4) स्वामी दयानन्द सरस्वती (1)

7 ब्रिटिश भारत की पड़ौसी राज्यों के प्रति नीति

1. सिन्ध बलूची अमीरों के अधीन कितने भागों में विभाजित था–
(1) 2 (2) 4
(3) 3 (4) 5 (3)

☞ **व्याख्या–** सिन्ध बलूची अमीरों के अधीन तीन भागों में विभाजित था। हैदराबाद, मीरपुर, खैरपुर इत्यादि।

2. सिन्ध के अमीरों से अंग्रेजों की शाश्वत मित्रता की सन्धि कब हुई थी?
(1) 1809 ई. (2) 1812 ई.
(3) 1819 ई. (4) 1806 ई. (1)

☞ **व्याख्या–** सन्धि के अमीरों के साथ कंपनी के गवर्नर जनरल लॉर्ड मिण्टो के समय 1809 ई. में एक शाश्वत मित्रता की संधि की तथा यह निश्चित हुआ कि फ्रांसीसियों को सिंध में बसने की आज्ञा नहीं दी जाएगी।

3. सिन्ध के अमीरों के साथ ईस्ट इंडिया कम्पनी के किस गवर्नर जनरल ने शाश्वत मित्रता की सन्धि की थी– (NET-2017)
(1) लॉर्ड एलनबरो (2) कर्नल पोंटिगर
(3) लॉर्ड मिण्टो (4) लॉर्ड ऑकलैण्ड (3)

4. सिन्धु नदी के सर्वेक्षण अभियान का नेतृत्व किसने किया था– (NET-2017)
(1) लॉर्ड एलनबरो (2) लॉर्ड मिण्टो
(3) लॉर्ड ऑकलैण्ड (4) अलेक्जेन्डर बर्न्स (4)

☞ **व्याख्या–** 1831 ई. में अलेक्जेन्डर बर्न्स के सिन्धु नदी के सर्वेक्षण अभियान का नेतृत्त्व किया, जिसे बोर्ड ऑफ कंट्रोल के प्रधान लॉर्ड एलनबरो ने भेजा था।

5. सिन्धु नदी सर्वेक्षण अभियान कब हुआ था– (NDA-2013)
(1) 1832 ई. (2) 1831 ई.
(3) 1834 ई. (4) 1836 ई. (2)

6. किसकी नौकाओं को देखकर एक सैयद ने दुख प्रकट करते हुए कहा कि बड़े दुर्भाग्य की बात है सिन्ध अब गया, क्योंकि अंग्रेजों ने सिन्धु नदी जो विजय का राजमार्ग है उसे देख लिया है– (MPPSC-2007)
(1) लॉर्ड मिण्टो (2) लॉर्ड एलनबरो
(3) अलेक्जेन्डर बर्न्स (4) लॉर्ड ऑकलैण्ड (3)

7. कर्नल पोंटिगर ने सिन्ध के अमीरों के साथ व्यापारिक सन्धि कब की थी–
(1) 1832 ई. (2) 1829 ई.
(3) 1831 ई. (4) 1833 ई. (1)

8. 1832 ई. में कर्नल पोंटिगर के साथ की गई सन्धि को कब दोहराया गया था– (DSSSB-PGT-2017)
(1) 1833 ई. (2) 1836 ई.
(3) 1838 ई. (4) 1840 ई. (3)

☞ **व्याख्या–** 1832 ई. में कर्नल पोंटिग के साथ की गई संधि को पुनः 1838 ई. में दोहराया गया और इसमें विस्तार करते हुए सिन्ध के अमीरों ने सिंध में एक अंग्रेज रेजीडेन्ट रखने की अनुमति दी, इससे अमीर कंपनी के संरक्षण में चले गये थे।

9. 'यह सन्धि जिसके द्वारा एक भरा हुआ गोला अमीरों के महल में रख दिया गया जिसे जब चाहो उनको ध्वंस करने के लिए विस्फोट कर दो' उपरोक्त कथन 1838 ई. अंग्रेज–सिंध के अमीरों की संधि के संबंध में किसका है–
(1) चार्ल्स नेपयिर (2) लॉर्ड ऑकलैण्ड
(3) लॉर्ड मिण्टो (4) अलेक्जेन्डर बर्न्स (1)

10. शाहशुजा, अंग्रेजों एवं रणजीत सिंह के बीच त्रिदलीय सन्धि कब सम्पन्न हुई थी– (हरियाणा असिस्टेंट प्रोफेसर-2017)
(1) जून, 1838 ई. (2) अगस्त, 1838 ई.
(3) जून, 1836 ई. (4) अगस्त, 1836 ई. (1)

☞ **व्याख्या–** अफगानिस्तान प्रश्न को हल करने के उद्देश्य से लॉर्ड ऑकलैन्ड के समय कम्पनी ने रणजीत सिंह व शाहशुजा से त्रिदली सन्धि की थी।

11. 1842 ई. में लॉर्ड ऑकलैण्ड के स्थान पर गवर्नर जनरल बने थे–
(1) लॉर्ड एलनबरो (2) लॉर्ड मिण्टो
(3) कर्नल पोंटिगर (4) अलेक्जेण्डर बर्न्स (1)

☞ **व्याख्या–** 1842 ई. में ऑकलैण्ड के स्थान पर लॉर्ड एलनबरो गवर्नर जनरल बने। एलनबरो ने चार्ल्स नेपियर को सिन्ध का रेजीडेन्ट नियुक्त किया।

12. सिन्ध का प्रथम गवर्नर निम्नलिखित में से किसे बनाया गया था– (NVS-PGT-2014)
(1) चार्ल्स नेपियर (2) अलेक्जेण्डर बर्न्स
(3) लॉर्ड एलनबरो (4) कर्नल पोंटिगर (1)

13. 'सिन्ध का विलय कोई एकाकी घटना नहीं है, यह तो अफगान तूफान की पूँछ थी' उपरोक्त कथन किसका था–
(1) लॉर्ड एलनबरो (2) कर्नल पोंटिगर
(3) चार्ल्स नेपियर (4) अलेक्जेण्डर बर्न्स (3)

14. 'हमें सिन्ध को जीतने का कोई अधिकार नहीं है, लेकिन हम फिर भी ऐसा करेगें और यह बदमाशी का एक बहुत ही लाभदायक, उपयोगी व मानवीय उदाहरण होगा' उपरोक्त कथन किसका है– (KVS-TGT-2017)
(1) लॉर्ड एलनबरो (2) कर्नल पोंटिगर
(3) चार्ल्स नेपियर (4) अलेक्जेण्डर बर्न्स (3)

15. सिन्ध का विलय 1843 ई. में किस गवर्नर जनरल के समय हुआ था–
(1) लॉर्ड एलनबरो (2) कर्नल पोंटिगर
(3) चार्ल्स नेपियर (4) अलेक्जेण्डर बर्न्स (1)

8 भारत में राष्ट्रवाद का उदय–राष्ट्रीय एवं क्रान्तिकारी आंदोलन एवं बंगाल विभाजन और स्वदेशी आंदोलन

1. निम्न में से कौनसा कारण भारत में राष्ट्रीय चेतना व राष्ट्रवाद के उदय का कारण नहीं था– (NET-June-2018)
(1) ब्रिटेन द्वारा आर्थिक शोषण
(2) लिटन की प्रतिक्रियावादी नीतियाँ
(3) रिपन के समय इल्बर्ट बिल का विवाद
(4) प्राचीन शिक्षा का प्रचलन (4)

2. भारत में राष्ट्रीय आन्दोलन की शुरूआत कब से मानी जाती है– (हरियाणा शिक्षक भर्ती-2009)
(1) 1885 ई. (2) 1905 ई.
(3) 1919 ई. (4) 1899 ई. (1)

☞ **व्याख्या–** भारत कें राष्ट्रीय आन्दोलन की शुरूआत 1885 ई. में काँग्रेस की स्थापना से मानी जाती है।

3. भारत में राष्ट्रीय आन्दोलन को कितने चरणों में बांटा गया है– (GPSC-2013)
(1) तीन (2) चार
(3) दो (4) छः (1)

☞ **व्याख्या–** राष्ट्रीय आन्दोलन को तीन चरणों में बांटा जाता है–
1. प्रथम चरण (1885–1905 ई.)
2. द्वितीय चरण (1905–1919 ई.)
3. तृतीय चरण (1919–1947 ई.)

4. बंग भाषा प्रकाशक सभा का गठन निम्नलिखित में से किस वर्ष में हुआ था– (NDA-2014)
(1) 1834 ई. (2) 1836 ई.
(3) 1843 ई. (4) 1839 ई. (2)

☞ **व्याख्या–** 1836 ई. में बंगभाषा प्रकाशक सभा गठित की गई थी।

5. लैंड होल्डर्स सोसायटी की स्थापना कब की गई थी– (IAS-2006)
(1) 6 जुलाई, 1839 ई. (2) 31 अक्टूबर, 1851 ई.
(3) 19 मार्च, 1838 ई. (4) 12 मार्च, 1836 ई. (3)

☞ **व्याख्या–** 19 मार्च, 1838 ई. को द्वारकानाथ टैगोर ने थियोडोर डिकेन्स के सुझाव पर कलकत्ता में लैंड होल्डर्स सोसायटी की स्थापना की थी। यह भारत की प्रथम राजनीतिक संस्था थी। इसका उद्देश्य बंगाल, बिहार व उड़ीसा के जमीदारों के हितो की रक्षा करना था। प्रसन्नकुमार ठाकुर राधाकान्त देव आदि इसके अन्य प्रमुख सदस्य थे।

6. लैंड होल्डर्स सोसायटी की स्थापना निम्न में से किसने की थी–
(1) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी (2) देवेन्द्र नाथ टैगोर
(3) द्वारकानाथ टैगोर (4) शंभुचन्द्र मुखर्जी (3)

7. निम्न में से कौनसी भारत की प्रथम राजनीतिक संस्था थी– (CDS-2011)
(1) इंडियन ऐसोसिएशन (2) इंडियन लीग
(3) लैंड होल्डर्स सोसायटी (4) ब्रिटिश इंडियन ऐसोसिएशन (3)

8. 'ब्रिटिश इण्डिया सोसायटी' की स्थापना कब हुई थी'– (NVS-PGT-2016)
(1) 6 जुलाई, 1839 ई. (2) 19 मार्च, 1838 ई.
(3) 20 अप्रैल, 1843 ई. (4) 31 अक्टूबर, 1851 ई. (1)

☞ **व्याख्या–** ब्रिटिश इण्डिया सोसायटी की स्थापना एडम्स द्वारा 6 जुलाई, 1839 ई. को की गई थी।

9. 'ब्रिटिश इण्डिया सोसायटी' की स्थापना निम्न में से किसने की थी– (KVS-PGT-2017)
(1) थियोडोर डिकेन्स (2) एडम्स
(3) जॉर्ज थॉमसन (4) द्वारकानाथ टैगोर (2)

10. जॉर्ज थॉमसन ने बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसायटी की अध्यक्षता किस वर्ष की थी– (NET-Dec.-2018)
(1) 1843 ई. (2) 1836 ई.
(3) 1839 ई. (4) 1846 ई. (1)

☞ **व्याख्या–** 20 अप्रैल, 1843 ई. को कलकत्ता में बंगाल ब्रिटिश एसोसिएशन या बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसायटी की स्थापना हुई। इसकी स्थापना में भी द्वारकानाथ टैगोर का हाथ था। अनेक अंग्रेज भी इसके सदस्य थे। जॉर्ज थॉमसन नामक अंग्रेज अधिकारी ने 1843 ई. में बंगाल इंडिया सोसाइटी अध्यक्षता की थी।

11. बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसायटी की स्थापना कब हुई थी– (SSC-2012)
(1) 6 जुलाई, 1843 ई. (2) 19 मार्च, 1838 ई.
(3) 31 अक्टूबर, 1843 ई. (4) 20 अप्रैल, 1843 ई. (4)

12. बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसायटी के सचिव निम्न में से कौन थे–
(1) प्यारेचन्द्र मित्र (2) द्वारकानाथ टैगोर
(3) राधाकांत देव (4) राजेन्द्र लाल मित्र (1)

13. ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना निम्न में से किस वर्ष में हुई थी– (IAS-2011)
(1) 6 जुलाई, 1839 ई. (2) 19 मार्च, 1838 ई.
(3) 31 अक्टूबर, 1851 ई. (4) 26 जुलाई, 1876 ई. (3)

☞ **व्याख्या–** लैंडहोल्डर्स सोसायटी एवं बंगाल ब्रिटिश एसोसिएशन को मिलाकर 31 अक्टुबर, 1851 ई. को कलकत्ता में ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना हुई। इसके संस्थापकों में राधाकान्त देव, देवेन्द्र नाथ टैगोर, राजेन्द्रलाल मित्र तथा हरिशचन्द्र मुखर्जी शामिल थे।

14. निम्न में से कौन सी संस्था का मुख्य पत्र हिन्दू पैट्रियाट था–
(1) इंडियन लीग (2) ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन
(3) इंडियन एसोसिएशन (4) नेशनल कॉन्फ्रेस (2)

☞ **व्याख्या–** द्वैध शासन के दोषों के बारे में मद्रास के मंत्री के. वी. रेड्डी ने कहा कि मैं विकास मंत्री था, किन्तु मेरे अधीन वन विभाग नहीं था। मैं सिंचाई मंत्री था, किन्तु मेरे अधीन कृषि विभाग नहीं था।

397. क्रान्तिकारी आतंकवाद का प्रमुख आदर्श वाक्य 'अनुनय विनय नहीं बल्कि युयुत्सा' किसके द्वारा उपरोक्त नारा दिया गया था– (DSSSB-PGT-2018)
(1) बाल गंगाधर तिलक (2) सुभाषचन्द्र बोस
(3) मदनमोहन मालवीय (4) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी (1)

☞ **व्याख्या–** उदारवादियों की कार्यप्रणाली से निराश भारतीय युवाओं के एक वर्ग ने हिंसा का मार्ग चुना। ये रूसी निहिलस्टो तथा आयरिश आंतकवादियों के सिद्धान्त पर चलकर ब्रिटिश शासकों के मन में दहशत फैलाना चाहते थे। इनका प्रमुख आदर्श वाक्य तिलक द्वारा दिया गया यह नारा था "अनुनय विनय नहीं बल्कि युयुत्सा।" क्रांतिकारी आंतकवाद का प्रमुख केन्द्र बंगाल, पंजाब तथा महाराष्ट्र था।

398. क्रान्तिकारी आतंकवाद का प्रमुख केन्द्र में निम्न में से कौनसा स्थान शामिल नहीं था– (असम असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा-2009)
(1) बंगाल (2) पंजाब
(3) महाराष्ट्र (4) सूरत (4)

399. भारत में क्रान्तिकारी गतिविधियों की शुरूआत कहाँ से मानी जाती है– (IAS-1994)
(1) बंगाल (2) पंजाब
(3) महाराष्ट्र (4) सूरत (3)

☞ **व्याख्या–** भारत में क्रांतिकारी गतिविधियों की शुरूआत 1897 ई. में महाराष्ट्र से मानी जाती है जिसका श्रेय वासुदेव बलवन्त फड़के को है। 1918 ई. में पेश की गई विद्रोही समिति की रिपोर्ट में महाराष्ट्र के पुणे जिले में चितपावन ब्राह्मणों(ब्राह्मणों) को भारत में आंतकवाद शुरू करने का श्रेय दिया गया था।

400. भारत में क्रान्तिकारी गतिविधियों की शुरूआत निम्नलिखित में से किस वर्ष में शुरू हुई थी– (NDA-2016)
(1) 1897 ई. (2) 1901 ई.
(3) 1903 ई. (4) 1895 ई. (1)

401. भारत में क्रान्तिकारी गतिविधियों को प्रारम्भ करने का श्रेय निम्नलिखित में से किसको दिया जाता है– (DSSSB-2014)
(1) नीलकण्ठ (2) वंची अय्यर
(3) वासुदेव बलवन्त फडके (4) लाला हरदयाल (3)

☞ **व्याख्या–** वासुदेव बलवन्त फडके ने गुप्त डकैतियों के द्वारा धन संग्रह कर भारत में क्रान्तिकारियों गतिविधियों को जन्म दिया।

402. विद्रोही समिति की रिपोर्ट में महाराष्ट्र के पुणे जिले के चितपावन ब्राह्मणों को भारत में आतंकवाद शुरू करने का श्रेय दिया गया, उपरोक्त रिपोर्ट कब पेश की गई थी– (RPSC School Lect.-2009)
(1) 1918 ई. (2) 1921 ई.
(3) 1917 ई. (4) 1920 ई. (1)

403. निम्न में से किसने पूना के प्लेग कमिश्नर 'रैण्ड तथा एयर्स्ट' की हत्या कर भारत में क्रान्तिकारी आतंकवाद की नींव रखी थी–
(1) दामोदर (2) वंची अय्यर
(3) नीलकण्ठ ब्रह्मचारी (4) बालकृष्ण
(अ) 1 व 2 (ब) 2 व 3 (स) 3 व 4 (द) 1 व 4 (द)

☞ **व्याख्या–** 1897 ई. में पूना में प्लेग फैला था। प्लेग कमिश्नर बड़े अमानवीय तरीके से इसकी रोकधाम कर रहे है। अतः 22 जून, 1897 ई. को दो युवा चापेकर बन्धुओं दामोदर तथा बालकृष्ण ने पूना के प्लेग कमिश्नर रैण्ड तथा एयर्स्ट की हत्या कर भारत में क्रांतिकारी आंतकवाद की नींव रखी। यह भारत में किसी भी यूरोपीय की प्रथम राजनीतिक हत्या थी। बाद में चापेकर बन्धुओं को फाँसी दे दी गई थी।

404. निम्न में से किसे 'द ऑर्डर ऑफ द स्टार इन द ईस्ट' नामक संगठन का प्रमुख बनाया गया था– (IAS-2009)
(1) बाल गंगाधर तिलक (2) जार्ज अरूडेल
(3) जे.कृष्णमूर्ति (4) सी.पी. रामास्वामी (3)

☞ **व्याख्या–** ऐनी बेसेन्ट ने 1911 ई. बनारस में 'द ऑर्डर ऑफ द स्टार इन द ईस्ट' नामक संगठन तथा जे. कृष्णमूर्ति को इसका प्रमुख बनाया, किन्तु कृष्णमूर्ति ने 1927 ई. में यह संगठन यह कहते हुए भंग कर दिया कि सत्य का प्रचार नहीं हो सकता, सत्य जिया जाता है। कृष्णमूर्ति को एनी बेसेन्ट ने बुद्ध के पाँचवे एवं भावी अवतार मैत्रेय का रूप घोषित किया था।

405. एनी बेसेन्ट ने किसे बुद्ध के पांचवे एवं भावी अवतार मैत्रेय का रूप घोषित किया था– (UPPSC-2008)
(1) जार्ज अरूडेल (2) जे. कृष्णमूर्ति
(3) बी.पी. वाडिया (4) सी.पी. रामास्वामी (2)

406. सर्वेन्ट ऑफ इण्डिया सोसाइटी की स्थापना कब और किसके द्वारा की गई थी–
(1) बाल गंगाधर तिलक, 1914 ई.
(2) फिरोजशाह मेहता, 1906 ई.
(3) गोपाल कृष्ण गोखले, 1905 ई.
(4) मदनमोहन मालवीय, 1908 ई. (3)

407. कांग्रेस के किस सम्मेलन में दोनों होमरूल लीगों की संयुक्त बैठक भी हुई थी– (JNU PG Entrance Exam-2018)
(1) लखनऊ अधिवेशन, 1916 ई.
(2) बम्बई अधिवेशन, 1915 ई.
(3) कलकत्ता अधिवेशन, 1917 ई.
(4) बम्बई अधिवेशन, 1918 ई. (1)

408. जून, 1917 ई. में मद्रास सरकार ने होमरूल के बढ़ते प्रभाव से चिंतित होकर किसे गिरफ्तार कर लिया था–
(1) एनी बेसेन्ट (2) बी.पी. वाडिया
(3) जार्ज अरूडेल (4) उपरोक्त सभी (4)

☞ **व्याख्या–** जून 1917 ई. में मद्रास सरकार ने होमरूल के बढ़ते प्रभाव से चिंतित होकर एनी बेसेन्ट, वी.पी. वाड़िया व जॉर्ज अरूंडेल को गिरफ्तार कर लिया था। एनी बेसेन्ट को ऊटी (ऊटकमंड) में नजरबन्द रखा गया था।

9 ब्रिटिश शासन में शिक्षा का विकास

1. ईस्ट इण्डिया कंपनी द्वारा आधुनिक शिक्षा के प्रसार का मुख्य उद्देश्य था– (NDA-2024)
(1) सभी लोगो को अंग्रेजी शिक्षा देना।
(2) शिक्षित भारतीयों की संख्या बढ़ाना जिससे छोटे प्रशासनिक पदो पर भारतीयों को नियुक्त किया जा सके।
(3) समाज में व्याप्त कुरीतियों के प्रति भारतियो को जागृत करना था।
(4) उक्त सभी (2)

2. 1785 ई. में गीता का प्रथम अंग्रेजी अनुवाद किसने किया, जिसकी प्रस्तावना वॉरेन हेस्टिंग्स ने लिखी थी– (NET Dec.-2014)
(1) जोनाथन डंकन (2) डेविड हेयर
(3) चार्ल्स विल्किन्स (4) टॉमसन (3)

☞ **व्याख्या–** चार्ल्स विल्किन्स ने 1785 ई. में गीता का प्रथम अंग्रेजी अनुवाद किया था, जिसकी प्रस्तावना वॉरेन हेस्टिंग्स ने लिखी थी। विल्किन्स ने बनारस में पण्डित कालिनाथ से संस्कृत की शिक्षा प्राप्त की थी। चार्ल्स विल्किन्सन संस्कृत का ज्ञान प्राप्त प्रथम अंग्रेज था, उसने 1787 ई. में हितोपदेश का अंग्रेजी अनुवाद किया था।

3. एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल (रॉयल सोसायटी ऑफ बंगाल) की स्थापना किसने की और कहाँ की थी– (NET-June-2013)
(1) सर विलियम जोन्स, कलकत्ता
(2) डेविड हेयर, कलकत्ता
(3) लॉर्ड एमहर्स्ट, दार्जिलिंग (4) डलहौजी, हुगली (1)

☞ **व्याख्या–** जनवरी 1784 ई. में ईस्ट इंडिया कम्पनी के अधिकारी सर विलियम जोन्स ने भारतीय भाषाओं एवं शास्त्रों के अध्ययन के लिए कलकत्ता में एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल की स्थापना की थी। इसने प्राचीन भारत के इतिहास एवं संस्कृति की खोज तथा अध्ययन का कार्य किया था। इसे बाद में रायल सोसायटी ऑफ बंगाल का नाम दिया गया था।

4. अभिज्ञान शकुन्तलम का अंग्रेजी अनुवाद किसने किया था– (NDA-2019)
(1) डेविड हेयर (2) चार्ल्स विलिकन्स
(3) सर विलियम जोन्स (4) बेंटिक (3)

☞ **व्याख्या–** अभिज्ञान शांकुतलम का अंग्रेजी अनुवाद एशियाटिक सोसायटी द्वारा अनुदित यूरोपीय भाषा में प्रथम ग्रंथ है।

5. एशियाटिक सोसायटी की स्थापना निम्नलिखित में से किस स्थान पर की गई थी– (CDS-1998)
(1) कलकत्ता (2) बम्बई
(3) दार्जिलिंग (4) पुणे (2)

☞ **व्याख्या–** 1804 ई. में बम्बई में स्थापित। 1823 ई. में लंदन में एशियाटिक सोसायटी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन स्थापित किया गया था।

6. 1781 ई. में 'कलकत्ता मदरसा' की स्थापना निम्नलिखित में से किसने की थी– (UPPSC-2018)
(1) विलियम बेंटिक (2) डलहौजी
(3) गवर्नर जनरल 'वॉरेन हेस्टिंग्स' (4) टॉमसन (3)

☞ **व्याख्या–** 1781 ई. में गवर्नर जनरल 'वॉरेन हेस्टिंग्स' ने कलकत्ता मदरसा की स्थापना की थी। वह अरबों, फारसी व बांग्ला भाषाओं का जानकार था। कलकत्ता मदरसा के प्रथम प्रमुख मुल्ला मुजदुद्दीन थे।

7. कलकत्ता मदरसा का प्रथम प्रमुख (नाजिम) निम्नलिखित में से कौन थे– (UPPSC-2008)
(1) मुल्ला मुजद्दीन (2) मुल्ला सैयद अहमद
(3) मुल्ला काजी मोहम्मद (4) मुल्ला हमीदुद्दीन (1)

8. 'वाराणसी में संस्कृत कॉलेज' के संस्थापक निम्नलिखित में से कौन थे– (SSC-2016)
(1) लॉर्ड वैलेजली (2) जोनाथन डंकन
(3) विलियम जोन्स (4) डेविड हेयर (2)

☞ **व्याख्या–** 1791 ई. में जोनाथन डंकन ने बनारस में संस्कृत कॉलेज की स्थापना की थी।

9. निम्नलिखित में से गलत कथन का चयन कीजिये– (NET-Dec.-2015)
(1) कलकत्ता मदरसा और बनारस संस्कृत स्कूल कम्पनी के न्यायालयों में कानून के प्रशासन की सहायता के लिये योग्य भारतीयों की नियमित आपूर्ति हेतु बनाए गये थे।
(2) कलकत्ता में बिशप कॉलेज की स्थापना डेविड हेयर ने की।
(3) राजा राममोहन राय, डेविड हेयर अलेक्जेण्डर डफ आदि ने कलकत्ता में 1817 ई. में हिन्दु कॉलेज की स्थापना की।
(4) सेरामपुर कॉलेज की स्थापना विलियम जोन्स ने की थी (4)

☞ **व्याख्या–** सेरामपुर (कलकत्ता) कॉलेज की स्थापना विलियम कैरी ने की थी।

10. रूड़की में इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना निम्नलिखित में से किसने की थी– (RPSC School Lect. Exam-2009)
(1) टॉमसन (2) विलियम कैरी
(3) डलहौजी (4) विलियम जोन्स (1)

☞ **व्याख्या–** 1847 ई. में टॉमसन ने रूड़की में इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की थी।

11. 1834 ई. में 'एलफिस्टन कॉलेज' की स्थापना कहाँ पर की गई थी–
(1) बम्बई (2) कलकत्ता
(3) सूरत (4) रूड़की (1)

10 भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास एवं भारतीय साहित्य

1. भारत का पहला समाचार पत्र निम्नलिखित में से किसे माना जाता है– (NDA-2015)
(1) द कलकत्ता जनरल एडवरटाइर्जर
(2) नव भारत टाइम्स
(3) मद्रास कुरियर (4) बॉम्बे हैरॉल्ड (1)

☞ **व्याख्या–** इस समाचार पत्र का प्रकाशन जेम्स ऑगस्टस हिक्की ने किया। इसका दूसरा नाम द बंगाल गजट था। यह समाचार पत्र साप्ताहिक था।

2. गुजराती भाषा का पहला समाचार जो 1822 ई. में प्रकाशित हुआ था–
(1) उदंत मार्तण्ड (2) बंगदूत
(3) संवाद प्रभाकर (4) बॉम्बे दर्पण (4)

☞ **व्याख्या–** गुजराती भाषा का प्रथम समाचार पत्र बॉम्बे दर्पण 1822 ई. में प्रकाशित हुआ था।

3. ईस्ट इंडिया कंपनी ने सर्वप्रथम अपनी प्रिटिंग प्रैस कहाँ पर स्थापित की थी–
(1) कोलकाता (2) मद्रास
(3) बम्बई (4) सूरत (3)

☞ **व्याख्या–** ईस्ट इण्डिया कंपनी ने 1684 ई. में बम्बई में अपनी पहली प्रिटिंग प्रेस लगाई थी।

4. किसी भारतीय द्वारा प्रकाशित पहला समाचार पत्र था–
(1) समाचार दर्पण (2) बंगाल गजट
(3) हिन्दुस्तान टाइम्स (4) दिग्दर्शन (2)

☞ **व्याख्या–** 1816 ई. में गंगाधर भट्टाचार्य ने बंगाल गजट नामक अखबार निकाला। यह किसी भारतीय द्वारा अंग्रेजी में प्रकाशित या किसी भारतीय द्वारा प्रकाशित पहला समाचार पत्र था।

5. भारत के पहले हिन्दी समाचार पत्र का निम्नलिखित में से क्या नाम था–
(1) उदंत मार्तण्ड (2) समाचार सुधावर्षण
(3) संवाद प्रभाकर (4) बॉम्बे गजट (1)

☞ **व्याख्या–** 1826 ई. में कानपुर के जुगल किशोर शुक्ल द्वारा कलकत्ता से हिन्दी में प्रकाशित उदंत मार्तण्ड भारत का पहला हिन्दी समाचार पत्र है। उदंत मार्तण्ड साप्ताहिक पत्र था।

6. हिन्दी के पहले दैनिक समाचार का क्या नाम था–
(1) समाचार सुधावर्षण (2) बंगाल गजट
(3) दर्पण (4) बंगदूत (1)

☞ **व्याख्या–** हिन्दी के पहले दैनिक 'समाचार सुधावर्षण' का प्रकाशन 1854 ई. में हुआ था।

7. उर्दू का पहले समाचार पत्र का क्या नाम था–
(1) सदा –ए–सरहद (2) जाम–ए–जहांनुमा
(3) तुहफतुल मुवाहिदिन (4) फतवा–ए–शान (2)

☞ **व्याख्या–** उर्दू का पहला समाचार पत्र जाम–ए–जहांनुमा का प्रकाशन 1822 ई. में कलकत्ता से हरिहर दत्ता ने किया। मुंशी सदासुख मिर्जापुरी इसके प्रथम सम्पादक थे।

8. भारत में राष्ट्रीय प्रैस की स्थापना का विशेष योगदान व श्रेय किसे जाता है–
(1) चार्ल्स मैटकॉफ (2) राजा राममोहन राय
(3) बाल गंगाधर तिलक (4) ईश्वरचन्द्र गुप्त (2)

9. निम्न में से असुमेलित है?
(1) हरिजन–डॉ. अम्बेडकर (2) कामनवील–एनी बिसेन्ट
(3) डॉन–मो. अली जिन्ना (4) गदर–गदर पार्टी (1)

10. निम्नलिखित में से सही का मिलान करे–

सूची–I	सूची–II
(A) हरिजन	(1) उर्दू
(B) समाचार दर्पण	(2) हिन्दी
(C) हमदर्द	(3) अंग्रेजी
(D) भारत मित्र	(4) बांग्ला

(1) A(1)B(2)C(3)D(4) (2)A(4)B(3)C(2)D(1)
(3)A(3)B(4)C(1)D(2) (4) A(3)B(4)C(2)D(1) (3)

11. निम्नलिखित में से कौन 'द लीडर' समाचार–पत्र के संस्थापक थे–
(1) मदनमोहन मालवीय (2) मोतीलाल नेहरू
(3) सी. वाई चिंतामणी (4) 1 व 2 दोनों (4)

☞ **व्याख्या–** सी. वाई चिंतामणी 'द लीडर' संपादक थे, जबकि मदन मोहन मालवीय एवं जवाहरलाल नेहरू भी लीडर समाचार–पत्र से जुड़े थे। यह समाचार–पत्र अंग्रेजी में प्रकाशित होता था।

12. उदंत मार्तण्ड भारत का पहला हिन्दी समाचार पत्र था। इसके प्रकाशन की तिथि जिसे हिन्दी पत्रकारिता दिवस के रूप मे मनाया जाता था–
(1) 30 जून (2) 30 मई
(3) 31 जुलाई (4) 31 जनवरी (2)

13. निम्नलिखित में से कौन 'बंगदत' नामक पत्रिका से संबंध था–
(1) राजा राममोहन राय (2) द्वारकानाथ टैगोर
(3) प्रसन्न कुमार टैगोर (4) उक्त सभी (4)

☞ **व्याख्या–** 1830 ई. में राजा राममोहन राय, द्वारकानाथ टैगोर और प्रसन्न कुमार टैगोर के प्रयासों द्वारा बांग्ला में बंगदत्त पत्रिका का प्रकाशन हुआ था।

14. निम्न में से किन्हें मराठी पत्रकारिता का पितामह कहा जाता है, जिन्होंने मराठी में पहला साप्ताहिक अखबार दर्पण निकाला था–
(1) बाल गंगाधर तिलक (2) गंगाधर शास्त्री जाम्बेकर
(3) ईश्वरचन्द्र गुप्त (4) जुगल किशोर शुक्ला (2)

(3) सरदार पटेल (4) सुभाषचंद बोस (2)

☞ **व्याख्या–** लाला लाजपत राय का मानना था कि भारत पर ब्रिटिश विजय किसी भी अर्थ में सैन्य विजय नहीं था। सैन्य विजय की अपेक्षा यह कूटनीतिक विजय थी। अंग्रेज भारतीयों से नैतिक और भौतिक मदद प्राप्त किए बिना भारत को नहीं जीत सकते थे। लालाजी ने 1857 ई. की महान क्रांति को 'उन्नीसवीं' शताब्दी आंदोलन की संज्ञा दी थी।

190. 1857 ई. के भारतीय विद्रोह में कौन 'एक देश शांतिपूर्ण विद्रोहों का समूह' अनुभव करता है– (NVS-PGT-2018)
(1) एस. एन. सेन (2) आर. सी. मजूमदार
(3) सी.ए. बेली (4) सुभाषचन्द्र बोस (3)

191. ''द इण्डियन नेशनल इवोल्युशन'' नामक पुस्तक के लेखक निम्नलिखित में से कौन थे–
(1) विभूति भूषण बनर्जी
(2) कुमार आसान
(3) अंबिका चरण मजूमदार
(4) राममनोहर लोहिया (3)

192. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए– (RPSC Assistant Pro. 2023)

(समाचार पत्र)	(प्रकाशक)
A. टेलीग्राफ	I. बकिंघम
B. बंगाल गजट	II. मैकेनली
C. बंगाल किरकारू	III. चार्ल्स मैकलीन
D. कलकत्ता जनरल	IV. हिक्की

	A	B	C	D
(1)	II	IV	III	I
(2)	III	I	IV	II
(3)	III	II	III	IV
(4)	IV	III	II	I

(5) अनुत्तरित प्रश्न (1)

☞ **व्याख्या–** भारत में स्वतंत्र एवं तटस्थ के जन्मदाता जेम्स सिल्क बर्किंघम थे। इन्होनें 1818 ई. में ''कलकत्ता जनरल'' नामक अखबार निकाला तथा प्रेस को जनता का प्रतिबिम्ब बनाया। इन्होंने ही भारतीय प्रेस को आधुनिक रूप दिया था।

समाचार पत्र	भाषा	प्रकाशन वर्ष	संस्थापक/संस्थापक
टेलीग्राफ	अंग्रेजी	1796 ई.	हाल मैकेनली
बंगाल गजट	अंग्रेजी	1780 ई.	जेम्स ऑगस्टस हिक्की
बंगाल किरकारू	–	–	चार्ल्स मैकलीन
कलकत्ता जनरल	अंग्रेजी	1818 ई.	जेम्स सिल्क बर्किंघम

193. किस गवर्नर जनरल के काल में समाचार पत्रों पर प्रथम बार सेंसर लागू किया गया था– (RPSC Assistant Prof. 2023)
(1) वॉरेन हेस्टिंग्स (2) कॉर्नवालिस
(3) लॉर्ड हेस्टिंग्स (4) वेलेस्ली
(5) अनुत्तरित प्रश्न (4)

☞ **व्याख्या–** गवर्नर जनरल वेलेजली, एडम्स, केनिंग, लिटन, लॉर्ड मिन्टो द्वितीय भारतीय प्रेस स्वतंत्रता के समर्थक नहीं थे।
- लॉर्ड हेस्टिंग्स, मेटकॉफ, विलियम बैटिक, मैकाले, रिपन भारतीय प्रेस स्वतंत्रता के समर्थक थे।

194. 'द फिलोसफी ऑफ बम्ब' नामक पुस्तक के लेखक निम्नलिखित में से कौन थे–
(1) ताराशंकर बंधोपाध्याय (2) भगत सिंह
(3) भगवतीचरण बोहरा (4) राजगुरू (3)

स्वतंत्रता आन्दोलन से संबंधित पुस्तकें	
पुस्तकें	**लेखक**
भवानी मंदिर	अरविन्द घोष
न्यू लैम्पस् फॉर ओल्ड	अरविन्द घोष
वन्देमातरम्, लाइफ डिवाइन	अरविन्द घोष
गीता बोध, गीता माता, गीता की महिमा	महात्मा गाँधी
हिन्द स्वराज (1909 ई.)	महात्मा गाँधी
माई एक्सपेटिमेन्ट विथ टुथ्र	महात्मा गाँधी
इंडियन मुसलमान	विलियम हंटर
गण देवता, पंच ग्राम, धत्री देवता	ताराशंकर बंधोपाध्याय
फिलोसफी ऑफ द बम्ब (बमदर्शन)	भगवती चरण बोहरा
व्हाई सोशियलिज्म	जयप्रकाश नारायण
द प्रिजन डायरी	जयप्रकाश नारायण
टू ऑल फाइटर्स ऑफ फ्रीडम	जयप्रकाश नारायण
द इंडियन नेशनल इवोल्युशन	अंबिका चरण मजुमदार
गोदाम,महाजनी सभ्यता, सोजे– वतन	मुंशी प्रेमचन्द
गाँधी वर्सेज लेनिन	एस. ए. डांगे

195. किसने तिलक के साथ मिलकर मराठा व केसरी समाचार पत्रों की शुरुआत की थी– (RPSC Assistant Prof. 2023)
(1) बेहरामजी मालाबारी (2) वी.के. चिपलूनकर
(3) एम.जी. रानाडे (4) जी.जी. अगरकर
(5) अनुत्तरित प्रश्न (4)

196. निम्नलिखित कौन ईसाई मिशनरी 'सेरामपुर त्रयी' के नाम से जाने जाते थे–
(i) जॉन थॉमस (ii) विलियम वार्ड
(iii) मार्शमैन (iv) विलियम कैरी
(1) (ii), (iii) और (iv) (2) (i), (ii), (iii) एवं (iv)
(3) (i), (iii) एवं (iv) (4) (i), (ii) एवं (iii)
(5) अनुत्तरित प्रश्न (4)

197. प्राच्य एवं पाश्चात्य पुस्तक के लेखक निम्नलिखित में से कौन थे–
(1) कुमार आसन
(2) गोपालकृष्ण गोखले
(3) आर. सी. मजूमदार
(4) स्वामी विवेकानंद (4)

11 भारत में ब्रिटिश शासन का आर्थिक प्रभाव एवं ब्रिटिश काल में भारत में औद्योगिक विकास

1. कथन– 16 वीं शताब्दी भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था।
कारण– यूरोपीय व्यापारी भारत से सूती, रेशमी वस्त्र , मसाले, नील चीनी, अफीम आदि का निर्यात करते थे, बदले में भारत में सोना–चाँदी आ जाता था– (SSC-CPO-2014)
(1) कथन सही, कारण गलत (2) कथन–कारण दोनों सही
(3) कथन गलत, कारण सही (4) दोनों गलत (2)

2. किस काल को औपनिवेशिक लूट का काल कहा जाता है– (NDA-2013)
(1) 1650–1700 ई. (2) 1752–1762 ई.
(3) 1757–1772 ई. (4) 1770–1792 ई. (3)

3. भारत में किस काल को अनौद्योगीकरण का काल कहा जाता है– (UPPSC-2018)
(1) 1700–1750 ई. (2) 1800–1850 ई.
(3) 1850–1900 ई. (4) 1900–1950 ई. (2)

4. सही कथन का चयन कीजिए– (IAS-1998)
(1) 1720 ई. में भारतीय रेशमी व छपे हुए वस्त्रों पर इंग्लैण्ड में पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया।
(2) केवल हॉलैण्ड ने भारतीय सूती वस्त्रो के आयात पर न तो प्रतिबंध लगाया व न ही आयात शुल्क लगाया।
(3) ब्रिटिश काल में, भारत में ब्रिटिश आयातो पर दी गई विशेष रियायतों के लिये 'इंपीरियल प्रफेरेस' शब्दावली का प्रयोग किया जाता था।
(4) उक्त सभी सत्य है। (4)

5. कार्ल मार्क्स ने ब्रिटिश औपनिवेशवाद के तीन चरण बताये– (IAS-2022)
1.वाणिज्यिक चरण
2.वित्तीय पूँजीवाद का चरण
3.मुक्त व्यापार का चरण
इनका सही आरोही क्रम निम्न में से है?
(1) 1, 2, 3 (2) 3, 2, 1
(3) 1, 3, 2 (4) 2, 3, 1 (3)

☞ **व्याख्या–** कार्ल मार्क्स ने उपनिवेशवाद के तीन चरण बताये है–
1. वाणिज्यिक चरण (1757–1813 ई.)
2. स्वतंत्र व्यापारिक पूंजीवाद (1813–1858 ई.)
3. वित्तीय पूँजीवाद (1858–1947)

6. किसके समय नमक व अफीम के उत्पादन का एकाधिकार कंपनी को मिला था– (झारखण्ड लोक सेवा आयोग-2016)
(1) लॉर्ड रिपन (2) वॉरेन हैस्टिंग्स
(3) लॉर्ड विलियम बेंटिक (4) लॉर्ड डलहौजी (2)

☞ **व्याख्या–** 1780 ई. में वॉरेन हेस्टिंग्स के समय नमक व अफीम के उत्पादन का एकाधिकार कंपनी को मिला था।

7. किस एक्ट के द्वारा कम्पनी के व्यापारिक एकाधिकार को समाप्त कर दिया गया था– (RPSC Assi. Prof. Exam-2008)
(1) 1813 ई. का चार्टर (2) 1833 ई. का चार्टर
(3) 1853 ई. का चार्टर (4) इनमें से कोई नहीं (2)

☞ **व्याख्या–** 1813 ई. के चार्टर एक्ट द्वारा कंपनी के व्यापारिक एकाधिकार को समाप्त कर दिया व 1833 ई. के चार्टर एक्ट द्वारा कंपनी की सभी वाणिज्यिक गतिविधियों को प्रतिबंधित कर दिया गया था।

8. ब्रिटिश काल में किस भारतीय उद्योग को सर्वाधिक क्षति हुई थी– (RPSC School Lect.-2009)
(1) सूती वस्त्र (2) ऊनी वस्त्र
(3) चीनी वस्त्र (4) रेशमी वस्त्र (1)

☞ **व्याख्या–** ब्रिटिश शासन से सर्वाधिक क्षति भारतीय सूती वस्त्र उद्योग को हुई। सूती कपड़े के उत्पादन पर से आयात कर घटाने के लॉर्ड लिटन के निर्णय से ब्रिटिश उद्योगों को लाभ मिला था।

9. भारतीय बुनकरो की हड्डियां भारत के मैदान में बिखरी पड़ी है, हस्तशिल्प के पतन पर ऐसा किसने कहा था– (NDA-2003)
(1) विलियम बेंटिक (2) लॉर्ड रिपन
(3) वॉरेन हैस्टिंग्स (4) लॉर्ड डलहौजी (1)

10. भारत में प्रारम्भिक पूंजी/विदेशी पूंजी निवेश किस क्षेत्र में हुआ था– (NDA-2007)
(1) सूती वस्त्र उद्योग (2) बैंकिग
(3) रेलवे (4) चीनी उद्योग (3)

☞ **व्याख्या–** 1858 ई. के बाद वित्तीय पूंजीवाद का दौर शुरू हुआ था। इसमें सर्वाधिक पूंजी निवेश सार्वजनिक ग्रहण के क्षेत्र में किया गया, जबकि सर्वप्रथम पूंजी निवेश रेलवे में प्रारम्भ हुआ था।

11. ब्रिटिश आर्थिक नीतियो को 'ब्लीडिंग प्रोसेस' किसने कहा था– (CDS-2002)
(1) कार्ल मार्क्स (2) जमशेदजी टाटा
(3) नानाभाई डाबर (4) जेम्स मील (1)

12. भारत में रेलवे सेवा का प्रारम्भ किसके द्वारा किया गया था– (SSC-CPO-2007)
(1) लॉर्ड रिपन (2) लॉर्ड कर्जन
(3) लॉर्ड डलहौजी (4) वॉरेन हैस्टिंग्स (3)

☞ **व्याख्या–** अंग्रेजों द्वारा लॉर्ड डलहौजी के समय भारत में रेल सेवा प्रारम्भ करने के उद्देश्य थे– खानों को बन्दगाह से जोड़ता, कृषि वाले खेतों को बाजार से जोड़ता भारत में कंपनी के वित्तीय हितों को सुरक्षित करवा। लॉर्ड कर्जन के समय भारत में रेलवे लाइन का सर्वाधिक विस्तार हुआ था।

12 भारत में 1857 की क्रांति और 1857 ई. पूर्व के सैनिक विद्रोह

1. लॉर्ड वैलेजली ने देशी रियासतों के साथ संबंधों की किस नीति का प्रतिपादन किया था– (NET-Dec.-2022)
(1) अधीनस्थ पार्थक्य की नीति (2) अपासी सहयोग की नीति
(3) सहायक संधि प्रणाली (4) रिंग फैंस की नीति (3)

☞ **व्याख्या–** वैलेजली की सहायक संधि के अन्तर्गत देशी राज्य को स्वयं के खर्चे पर एक ब्रिटिश सेना एवं दरबार में ब्रिटिश रेजीडेन्ट रखना था और उस राज्य की विदेश नीति ब्रिटिश सरकार के अधीन हो जाती तथा बदले में ब्रिटिश सरकार उस राज्य की सुरक्षा की गारंटी देती थी। लॉर्ड वेलेजली ने अपने पुर्ववर्ती जॉन शोर की शांति एवं निष्पक्षता की नीति का परित्याग कर सम्राज्यवादी दृष्टिकोण अपनाया था। वेलेजली का उद्देश्य देशी रियासतों को अपनी रक्षा के लिए कंपनी पर निर्भर करने के लिए बाध्य करना था। इसके लिए उसने सहायक संधि प्रथा अपनाई थी निम्न देशी रियासतों के साथ सहायक संधि की थी–

- 1798 ई. हैदराबाद 12 अक्टूबर, 1800 ई. को निजाम ने संसोधित सहायक संधि द्वारा कंपनी को बलेरी और कुडापत जिले दिए थे।
1799–मैसूर 1799–तंजौर
1801–अवध
1802–बसीन की संधि (पेशवा के साथ)
- वेलेजली की सहायक संधि वॉरेन हेस्टिंग्स को रिंग फेस (घेरे की नीति) का ही व्यापक रूप थी, इसका भी मुख्य उद्देश्य कंपनी की सर्वोच्च सत्ता भारत में बनाये रखना था। 1803 ई. में जॉर्ज बार्लो ने कहा था ''कोई भी भारतीय रियासत ऐसी नहीं रहनी चाहिए, जो अंग्रेज शक्ति पर निर्भर न हो।'' लॉर्ड सेलिसबरी ने सुरक्षित घेरे की नीति के बारे में कहा था कि ''यह नीति पृथ्वी को मंगल ग्रह के आक्रमण से बचाने के लिए चन्द्रमा की सुरक्षा की भाँति है।''

2. निम्न में से कौनसा प्रावधान सहायक सहायक संधि प्रणाली में शामिल था– (IAS-2006)
(1) देशी रियासतों की बाहरी व आंतरिक संकटो से सुरक्षा करना
(2) देशी रियासतों में ब्रिटिश फौज रखना
(3) अंग्रेजी फौज का खर्चा देशी रियासत से करवाना
(4) उक्त सभी (4)

3. सर्वप्रथम सहायक संधि किसके साथ सम्पन्न की गई थी– (RPSC SS IInd Gr. Exam-2009)
(1) हैदराबाद का निजाम (2) अवध नवाब
(3) मेवाड़ रियासत (4) जयपुर रियासत (1)

☞ **व्याख्या–** सहायक संधि को सर्वप्रथम 1798 ई. में हैदराबाद राज्य (शासक–निजाम अली) ने स्वीकार की थी। हैदराबाद राज्य ने 1800 ई. में पुनः सहायक संधि की थी।

4. ईस्ट इण्डिया द्वारा अधीनस्थ पार्थक्य की नीति कब प्रारम्भ की गई थी– (RPSC School Lect. Exam-2009)
(1) 1803 ई. (2) 1813 ई.
(3) 1823 ई. (4) 1818 ई. (2)

☞ **व्याख्या–** अधीनस्थ पृथक्करण की नीति का कालखण्ड 1813–1857 ई. था। लॉर्ड हेस्टिंग्स ने अहस्तक्षेप की नीति को त्याग कर अग्रगामी का अनुसरण किया था। हेस्टिंग्स ने भारतीय राज्यों को अधीन रखते हुए एक–दूसरे से पृथक रखने की नीति अपनाई थी। इसने सहायक संधि के माध्यम से मध्य भारत एवं काठियावाड़ की 145 रियासतों एवं राजपूताना की 20 रियासतों को ब्रिटिश सम्राज्य में मिला लिया था। लॉर्ड हेस्टिंगस ने मराठों को अन्तिम रूप से पराजित किया था। 1816 ई. में नेपाल के साथ युद्ध कर संगोली की संधि द्वारा कुमाऊ–गढ़वाल को ब्रिटिश सम्राज्य में मिला लिया था।

5. अधीनस्थ पार्थक्य की नीति के प्रावधान में जो शामिल नहीं है– (UPPSC-2007)
(1) देशी रियासतों को ब्रिटिश प्रमुख स्वीकार करवाना
(2) देशी रियासतों को ब्रिटिश साम्राज्य में मिला देना
(3) देशी रियासतों का आंतरिक शासन स्वयं वहाँ के शासक द्वारा संभालना
(4) उक्त सभी सत्य है। (2)

6. 'इण्डियन वॉर ऑफ इंडिपिडेस' पुस्तक के लेखक निम्नलिखित में से कौन थे– (UPPSC-2014)
(1) तिलक (2) विपिनचन्द्र पाल
(3) वी. डी. सावरकर (4) लाला लाजपतराय (3)

7. 1857 ई. से पूर्व जो सैनिक विद्रोह हुए उनमें से संगत सही सुमेलित है– (RPSC School Lect. Exam-2015)
(1) बैरकपुर (1824 ई.) – 47 वी रेजीमेंट
(2) फिरोजपुर (1842 ई.) – 34 वी रेजीमेंट
(3) सातवी बंगाल कैवलरी (1849 ई.)– 66 वी व 22 वी रेजीमेंट
(4) उक्त सभी सुमेलित है। (4)

8. 1857 ई. के समय भारत के गवर्नर जनरल तथा ब्रिटिश प्रधानमंत्री क्रमशः कौन थे– (NDA-2007)
(1) विलियम बेंटिक व लॉर्ड पामर्स्टन
(2) लॉर्ड पामर्स्टन व विलियम बेंटिक
(3) लॉर्ड पामर्स्टन व लॉर्ड कैनिंग
(4) लॉर्ड कैनिंग व लॉर्ड पामर्स्टन (4)

☞ **व्याख्या–** 1857 ई. की क्रान्ति के समय भारत के गवर्नर जनरल लॉर्ड कैनिंग थे एवं ब्रिटिश प्रधानमंत्री लॉर्ड पामर्स्टन थे। लॉर्ड पामर्स्टन का वास्तविक नाम हेनरी जॉन टेम्पल था।

9. किस स्वतंत्रता सेनानी को सर हुरोज ने 'वीरतम और श्रेष्ठतम' कहा था– (NET-June-2014)
(1) बाल गंगाधर तिलक (2) लाला लाजपतराय
(3) चन्द्र शेखर आजाद (4) रानी लक्ष्मी बाई (4)

81. नाना साहेब ने कानपुर में विद्रोह का नेतृत्त्व किया इन्होंने किस स्थान पर 15–16 जुलाई, 1857 ई. को अंग्रेजों का कत्ले आम किया था– (NET-June-2018)
(1) सती चौरा घाट (2) बीबीधर
(3) उक्त दोनों (4) इनमें से कोई नही (3)

☞ **व्याख्या–** कानपुर में सती चौरा घाट नामक स्थान पर 27 जून, 1857 ई. को विद्रोहियों ने अंग्रेजों को मार डाला इस स्थल का अध्ययन डॉ. मुखर्जी ने किया था। नाना साहब ने बीबीधर (कानपुर) नामक स्थान पर 15–16 जुलाई, 1857 ई. को अंग्रेजों का कत्ले आम किया था।

82. 1857 ई. के विद्रोह के समय कानपुर में अंग्रेजी सेना का कमांडिग ऑफिसर कौन था– (RPSC Assi. Prof. Exam-2014)
(1) जनरल ह्युरोज (2) हेनरी लॉरेन्स
(3) ह्युज व्हीलर (4) जनरल विंडहम (3)

☞ **व्याख्या–** विद्रोह के समय कानपुर में अंग्रेजी सेना का कमांडिंग अफसर ह्यूज व्हीलर था। 27 जून, 1857 ई. को वह लड़ता हुआ मारा गया था।

83. 1857 ई. के विद्रोह के समय किसने फ्रांस के सम्राट को लिखा था कि ''अंग्रेजी सरकार के अन्याय और शपथ–भंग के कार्य चारों ओर ऐसे दहक रहे है जैसे सूर्य की किरणे''– (RPSC School Lect. Exam संस्कृत शिक्षा-2009)
(1) नाना साहब (2) बाला साहब
(3) कुंवर सिंह (4) खान बहादुर खान (1)

☞ **व्याख्या–** 1857 के विद्रोह के समय नाना साहब ने फ्रांस के सम्राट को लिखा था कि ''अंग्रेजी सरकार के अन्याय और शपथ–भंग के कार्य चारों और ऐसे दहक रहे है जैसे सूर्य की किरणे''। नाना साहब के भाई बाला साहब ने क्रांति क्रियान्वयन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। नाना साहब पराजित होकर नेपाल चले गए थे।

84. निम्न में से किसको ''सिकन्दर शाह'' के नाम से जाना जाता था– (RPSC School Lect. Exam संस्कृत शिक्षा-2020)
(1) मौलवी अहमदुल्ला (2) अजीम्मुल्ला खां
(3) खान बहादुर खान (4) हाफिज रहमत (1)

☞ **व्याख्या–** फैजाबाद में मौलवी अहमदुल्ला (उपनाम–सिकन्दशाह) ने विद्रोह का नेतृत्त्व किया। उन्होंने अवध की बेगम हजरत महल को भी उनके शाहजहापुर प्रवास के दौरान सहायता दी। अंग्रेजों ने अहमदुल्ला पर 50,000 रूपये का इनाम घोषित किया था।

85. निम्न में से किसने मौलवी अहमदुल्ला को सच्चा देशभक्त कहा था– (NDA-2016)
(1) नाना साहब (2) जी. बी. मालेसन
(3) जनरल ह्युरोज (4) कर्नल डिक्सन (2)

☞ **व्याख्या–** जी. बी. मॉलेसन ने मौलवी अहमदुल्ला को सच्चा देशभक्त कहा था।

86. सतारा से विद्रोह का नेतृत्त्व निम्नलिखित में से किसने किया था–
(1) खान बहादुर खान (2) रानीजी शर्मा
(3) मनीराम (4) रंगोजी बापूजी (4)

87. निम्न में से जो सही सुमेलित नही है– (IAS-2008)

क्रांति का केन्द्र		नेतृत्त्वकर्त्ता
(1) असम	–	मनीराम
(2) बेरली	–	खान बहादुर खान
(3) मन्दसौर	–	शाहजादा फिरोज शाह
(4) संभलपुर	–	गुलाब सिंह (4)

☞ **व्याख्या–** उड़ीसा में संभलपुर क्षेत्र में सुरेन्द्रशाही व उज्जवलशाही ने विद्रोह का नेतृत्त्व किया। गुलाब सिंह ने अम्बाला में विद्रोह का नेतृत्त्व किया था।

1857 विद्रोह के प्रसिद्ध स्थानीय नेता

विद्रोह केन्द्र	विद्रोह नेता
मेरठ	कदमसिंह
हरियाणा	राव तुलाराम
सुल्तानपुर	शहीद हसन
रामगढ़ (म. प्र.)	रानी अवंती बाई
गोरखपुर	गजाधर सिंह
मथुरा	देवीसिंह
सतारा	रंगो बापूजी गुप्ते
हैदराबाद	सोनाजी पंत
कर्नाटक	भीमराव मुडंगी
मद्रास	गुलाम गौस, शेख इब्राहीम
कोयम्बटूर	मुलजी स्वामी
केरल	विजय कुदारत,कुंजी मामा और मुल्ला सली सच्ची कोनजी
असम	मनिराम दत्त, कंदर्पेश्वर सिंह, पियाली बरूआ
मणिपुर	नरेन्द्रजीत सिंह
मंदसौर (म. प्र.)	शहजादा फिरोजशाह
कोल्हापुर	अण्णाजी फड़नवीस, तान्या मोहिते

88. मुगल बादशाह बहादुर शाह द्वितीय ने किसको 'खान बहादुर' की उपाधि दी थी– (SSC-CGL-2019)
(1) बख्त खाँ (2) अहमदुल्ला खाँ
(3) दीपूजी रागा (4) मोहम्मद वालिद (1)

☞ **व्याख्या–** बख्त खां को मुगल बादशाह बहादुरशाह द्वितीय ने सूबेदार नियुक्त किया तथा खान बहादुर (खान–ए–आलम बहादुर) की उपाधि दी। अंग्रेजों ने इन्हें पकड़कर फांसी दे दी। बख्त खाँ रूहेला सरदार हाफिज रहमत खाँ के पौत्र थे।

89. कथन – उत्तरी प्रान्तो के साथ 1857 ई. के विद्रोह में बम्बई व मद्रास शामिल नहीं हुए।
कारण – वे सापेक्षित रूप से अधिग्रहण एवं जाब्ती से मुक्त रहे थे।
(1) कथन व कारण दोनों सही
(2) कथन सही, कारण गलत
(3) कथन गलत कारण सही
(4) कथन व कारण दोनों गलत (1)

90. 1857 ई. के विद्रोह को सैनिक विद्रोह को सैनिक मानने वाले विचारक थे/था– (DU PG Entrance Exam-2022)
(1) मालेसन (2) ट्रेविलियन
(3) लॉरेन्स व सीले (4) उक्त सभी (4)

13 राजस्थान में 1857 की क्रांति

1. राजस्थान में 1857 ई. की क्रांति की शुरूआत कब हुई थी– (Agriculture Sup. Exam-2008)
(1) 31 मई, 1857 ई. (2) 10 मई, 1857 ई.
(3) 28 मई, 1857 ई. (4) 28 जून, 1857 ई. (3)

☞ **व्याख्या–** राजस्थान में क्रांति की शुरूआत 28 मई, 1857 ई. को नसीराबाद (अजमेर) छावनी से हुई थी। सर्वप्रथम 15 वी एन. आई. सैनिक टुकड़ी ने विद्रोह की शुरूआत की जो अजमेर से आयी थी। उसके बाद 30वीं एन. आई. सैनिक टुकड़ी भी विद्रोह में शामिल हो गई थी।

2. राजस्थान में क्रांति की शुरूआत कहाँ से हुई थी–
(1) देवली (2) नसीराबाद
(3) एरनपुरा (4) टोंक (2)

☞ **व्याख्या–** राजस्थान में क्रांति की शुरूआत 28 मई, 1857 ई. को नसीराबाद (अजमेर) छावनी से हुई थी। विद्रोहियों ने सैनिक अधिकारी न्यूबेरी तथा वुड को मार डाला था। नसीराबाद से विद्रोहियों ने दिल्ली की तरफ कूच किया, जिनका वाल्टर एवं हीथकोट ने पीछा किया। नसीराबाद में तैनात मेजर प्रिचार्ड ने सिपाहियों को बागियों के विरूद्ध कार्यवाही का आदेश दिया था। ''द म्यूटिनी इन राजस्थान'' पुस्तक मेजर प्रियार्ड ने लिखी थी।

3. राजस्थान में AGG (एजेण्ट टू गर्वनर जनरल) का कार्यालय कब व कहाँ स्थापित किया गया था–
(1) 1835, अजमेर (2) 1840, माउण्ट आबू
(3) 1832, अजमेर (4) 1842, माउण्ट आबू (3)

☞ **व्याख्या–** AGG का कार्यालय 1832 ई. में अजमेर स्थापित किया गया तथा 1845 ई. में अजमेर से माउण्ट आबू स्थानांतरित कर दिया गया था।

4. राजस्थान में प्रथम AGG तथा क्रांति के समय AGG क्रमशः थे–
(1) पैट्रिक लॉरेन्स व कर्नल ईडन व कर्नल ईडन
(2) पैट्रिक लॉरेन्स व लॉकेट
(3) लॉकेट व मेक मोसन (4) लॉकेट व पैट्रिक लॉरेन्स (4)

☞ **व्याख्या–** प्रथम ए. जी. जी. लॉकेट थे। 1857 ई. के समय राजस्थान के पॉलिटिकल एजेन्ट जनरल पैट्रिक लॉरेन्स थे। वे विद्रोह के समय माउन्ट आबू में थे।

5. 1857 ई. की क्रांति के समय ए. जी.जी. का कार्यालय कहाँ स्थापित किया गया था–
(1) अजमेर (2) माउण्ट आबू
(3) टोंक (4) नसीराबाद (2)

☞ **व्याख्या–** ए.जी.जी. का कार्यालय 1845 ई. में अजमेर से माउंट आबू में हस्तान्तरित हुआ था। 1857 ई. के विद्रोह के समय ए. जी. जी. का कार्यालय माउंट आबू में था।

6. 1857 की क्रांति के समय अजमेर की सुरक्षा के विषय में सत्य कथन निम्नलिखित में से कौनसा था–
(1) कारनैल के नेतृत्त्व में मेर रेजीमेंट को तैनात किया गया।
(2) डीसा (गुजरात) से एक यूरोपीय सैनिकों की कंपनी बुलाई गई।
(3) जोधपुर शासक तख्तसिंह ने कुशलराज सिंघवी के नेतृत्त्व में सेना भेजी
(4) उक्त सभी सही (4)

7. 1857 ई. की क्रांति के समय राजस्थान में कितनी सैनिक छावनियाँ थी–
(1) 4 (2) 6
(3) 7 (4) 5 (2)

☞ **व्याख्या–** 1857 की क्रांति के समय राजस्थान में छः मुख्य सैनिक छावनियाँ थी– नसीराबाद, नीमच, देवली, एरिनपुरा, ब्यावर, खेरवाड़ा।

8. अलवर राज्य में 1876 ई. लागू प्रथम नियमित भूमि बन्दोबस्त निम्नलिखित में से किसके द्वारा किया गया था–
(1) पी. डब्ल्यू पाउलेट (2) वर्गीज स्मिथ
(3) जैम्स रदरफोर्ड (4) इनमें से कोई नहीं (1)

9. राजस्थान में विद्रोह की शुरूआत निम्नलिखित में से कौनसी सैनिक टुकड़ी ने की थी– (MLSU Phd Entrance Exam-2018)
(1) 20 N.I (2) 15 N.I
(3) 30 वी N.I (4) उक्त कोई नही (2)

10. नसीराबाद में विद्रोह के दौरान कौन–कौनसे सैनिक अधिकारी मारे गये थे–
(1) वाल्टर व न्यूबेरी (2) न्यूबेरी व वुड
(3) वाल्टर व हीथकोट (4) हीथकोट व वुड (2)

11. 'द म्युटिनी इन राजस्थान' पुस्तक किसने लिखी थी–
(1) मेजर प्रिचार्ड (2) कर्नल एबॉट
(3) वाल्टर (4) हीथकोट (1)

12. निम्न में से कौन कौनसी सैनिक छावनियों ने विद्रोह में भाग नही लिया था–
(1) देवली, एरनपुरा (2) ब्यावर, नसीराबाद
(3) ब्यावर, खैरवाड़ा (4) उक्त में से कोई नही (3)

☞ **व्याख्या–** ब्यावर एवं खैरवाड़ा सैनिक छावनियों ने विद्रोह में भाग नहीं लिया था।

13. नीमच में क्रांति का नेतृत्त्व निम्नलिखित में से किसने किया था–
(1) हीरासिंह (2) मोहम्मद अली बेग
(3) उक्त दोनों (4) उक्त में से कोई नही (3)

☞ **व्याख्या–** राजस्थान में नीमच दूसरा स्थान था जहां से 3 जून, 1857 ई. को क्रांति की शुरूआत हुई। नीमच के विद्रोही सैनिको ने देवली की छावनी में भी आग लगा दी। नीमच में क्रांति का नेतृत्त्व हीरासिंह एवं मोहम्मद अली बेग ने किया था।

14 राजस्थान में किसान आंदोलन

1. राजस्थान का सबसे संगठित किसान आंदोलन निम्नलिखित में से कौनसा था–
(1) बेंगू (2) बिजोलिया
(3) मेव (4) शेखावटी (2)

☞ **व्याख्या–** बिजोलिया एवं भैसरोड़गढ़ के मध्यभाग को ऊपरमाल के नाम से जाना जाता है। बिजोलिया वर्तमान में भीलवाड़ा जिले में स्थित है। बिजोलिया किसान आंदोलन का शुरूआत 1897 ई. में होता है, तथा इस आंदोलन का पटाक्षेप 1941 ई. में होता है। बिजोलिया किसान आंदोलन भारत का सबसे संगठित किसान आंदोलन था।

2. बिजोलिया किसान आंदोलन की शुरूआत कब से मानी जाती है–
(1) 1892 ई. (2) 1897 ई.
(3) 1903 ई. (4) 1887 ई. (2)

☞ **व्याख्या–** बिजोलिया किसान आंदोलन 1897 ई. से 1941 ई. तक 44 वर्षो तक चला। यह भारत का सबसे बड़ा संगठित तथा पूर्णतः अहिंसक आंदोलन था।

3. वर्तमान में बिजोलिया राजस्थान के किस जिले में स्थित है–
(1) चित्तौड़गढ़ (2) उदयपुर
(3) भीलवाड़ा (4) अजमेर (3)

☞ **व्याख्या–** बिजोलिया एवं भैसरोड़गढ़ के मध्य भाग को ऊपरमाल के नाम से जाना जाता है। बिजोलिया वर्तमान में भीलवाड़ा जिले में स्थित है।

4. मध्यकाल में बिजोलिया एवं भैंसरोड़गढ़ के मध्य भाग को किस नाम से जाना जाता था–
(1) मगरा (2) ऊपरमाल
(3) वागड़ (4) धाकड़ (2)

5. बिजोलिया किसान आंदोलन में सर्वाधिक लोग किस जाति से थे–
(1) धाकड़ (2) गुर्जर
(3) राजपूत (4) मीणा (1)

☞ **व्याख्या–** बिजोलिया मेवाड़ का एक प्रथम श्रेणी का ठिकाना था। बिजोलिया में मेवाड़ जाति के लोग करते थे। राव किशनसिंह के समय में किसानों से 84 लागते ली जाती थी तथा अपनी उपज का आधा भाग किसानों को लगान रूप में ठिकानों को देना पड़ता था।

6. वर्तमान में बेंगू राजस्थान राज्य किस जिले में स्थित है–
(1) उदयपुर (2) चित्तौड़गढ़
(3) भीलवाड़ा (4) राजसमंद (2)

☞ **व्याख्या–** बेंगू आन्दोलन बेगार प्रथा से सर्वाधिक प्रभावित था। बेंगू ठिकाने में 25 प्रकार की लाग ली जाती थी। बेंगू वर्तमान में चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित है।

7. बेंगू किसान आंदोलन किस वर्ष प्रारम्भ हुआ था–
(1) 1903 ई. (2) 1905 ई.
(3) 1917 ई. (4) 1921 ई. (4)

☞ **व्याख्या–** बेंगू किसान आंदोलन की शुरूआत 1921 ई. में मेनाल के भैरूकुण्ड नामक स्थान से हुई थी। 1925 ई. में बेंगू के किसानो और राजस्थान सेवा संघ व बेंगू ठाकुर अनूपसिंह के मध्य समझौता हुआ तथा यह आंदोलन समाप्त हो गया।

8. बिजोलिया ठिकाने की स्थापना किसके द्वारा की गई थी–
(1) राणा सांगा (2) अशोक परमार
(3) राव गोविन्ददास (4) महाराणा फतेहसिंह (2)

☞ **व्याख्या–** अशोक परमार खानवा युद्ध में राणा सांगा की ओर से लड़ा था। राणा सांगा परमार की वीरता से प्रसन्न होकर उनको बिजोलिया की जागीर भेंट की थी। बिजोलिया को उपरमाल भी कहा जाता था।

9. बिजोलिया किसान आंदोलन के समय मेवाड़ की किस श्रेणी का ठिकाना था–
(1) प्रथम श्रेणी (2) द्वितीय श्रेणी
(3) तृतीय श्रेणी (4) चतुर्थ श्रेणी (1)

☞ **व्याख्या–** बिजोलिया मेवाड़ का एक 'प्रथम श्रेणी' का ठिकाना था।

10. राजस्थान सेवा संघ ने किन लोगो को बेंगू किसान आंदोलन समस्या की जानकारी हेतु भेजा था–
1. रामनारायण चौधरी 2. विजयसिंह पथिक 3. सत्यभक्त
(1) 1 व 2 (2) 2 व 3 (3) 1 व 3 (4) 1, 2, 3 (3)

☞ **व्याख्या–** बेंगू किसान आन्दोलन की जानकारी के लिए राजस्थान सेवा संघ ने सत्यभक्त एवं रामनारायण चौधरी को बेंगू भेजा था।

11. 1894 ई. में बिजोलिया ठिकाने के जागीरदार कौन थे–
(1) राव कृष्णसिंह (2) राव पृथ्वीसिंह
(3) केसरीसिंह (4) विजयसिंह (1)

☞ **व्याख्या–** 1884 ई. में राव गोविन्ददास की मृत्यु के बाद राव किशनसिंह (कृष्णसिंह) नया जागीरदार बना था।

12. 1903 ई. में बिजोलिया के किस ठाकुर ने ऊपरमाल की जनता पर 'चवरी कर' कर लगाया था–
(1) राव किशनसिंह (2) पृथ्वीसिंह
(3) केसरीसिंह (4) फतेहसिंह (1)

☞ **व्याख्या–** चँवरी कर के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को अपनी लड़की की शादी के अवसर पर 5 रूपये/13 रूपये चंवरी कर के रूप में ठिकाने को देने के लिये बाध्य किया गया था। 13 रूपये की चँवरी रामप्रताप शर्मा के अनुसार देनी पड़ती थी।

15 ब्रिटिश राज में भारत में पड़े प्रमुख अकाल एवं भारत में श्रमिक व साम्यवादी आंदोलन

1. भारत का 'पहला आधुनिक मजदूर' संगठन निम्नलिखित में से कौनसा था–
(1) मद्रास मजदूर संघ
(2) अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस
(3) बम्बई मिल हैण्डस एसोसिएशन
(4) लेबर स्वराज पार्टी (1)

☞ **व्याख्या–** बी. पी. वाडिया ने 1918 ई. में मद्रास में मद्रास मजदूर संघ की स्थापना की यह भारत का पहला मजूदर संगठन था। 1890 ई. में एन. एम. लोखण्डे ने बम्बई मिल हैण्ड्स एसोसिएशन की स्थापना की थी। यह भारत का पहला मजदूर संघ माना जा सकता है। लोखण्डे ने 1880 ई. में अंग्रेजी व मराठी में दीनबन्धु नामक साप्ताहिक अखबार का प्रकाशन किया था।

2. भारत का 'पहला मजदूर संघ' निम्नलिखित में से किसे माना जाता है– (IAS-2001)
(1) मद्रास मजदूर संघ
(2) ग्रेट इण्डियन पेनिन्सुलर संघ
(3) बम्बई मील हैण्डस एसोसिएशन
(4) उक्त कोई नहीं (3)

3. 1870 ई. में शशिपाद बनर्जी ने मजदूर क्लब की स्थापना की वह था– (NVS-PGT-2000)
(1) श्रमजीवी समिति (2) भारत श्रमजीवी
(3) AITUF (4) उक्त कोई नहीं (1)

☞ **व्याख्या–** 1870 ई. में बंगाल के शशिपाद बनर्जी ने मजदूरों का एक क्लब श्रमजीवी समिति स्थापित किया और 'भारत श्रमजीवी' नामक मासिक पत्रिका का प्रकाशन भी किया था।

4. अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस की कब व किसने की थी– (BPSC-2006)
(1) 1918 ई. नारायण मल्हार जोशी
(2) 1920 ई. नारायण मल्हार जोशी
(3) 1922 ई. लाला लाजपतराय
(4) 1920 ई. दीवान चमन लाल (2)

☞ **व्याख्या–** 1920 ई. में नारायण मल्हार जोशी ने 'अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस' (एटक) की स्थापना की ट्रेड यूनियन के जन्मदाता थे।

5. अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) के प्रथम अध्यक्ष निम्नलिखित में से कौन थे– (NDA-2006)
(1) बाल गंगाधर तिलक
(2) लाला लाजपतराय
(3) भीमराव अंबेड़कर (4) महात्मा गाँधी (2)

☞ **व्याख्या–** एटक का पहला सम्मेलन 31 अक्टूबर, 1920 ई. को बम्बई में हुआ था। जिसके अध्यक्ष 'लाला लाजपत राय' थे। दीवान चमन लाल इसके महामंत्री बने। इसके उपाध्यक्ष जोसेफ बेपटिस्टा थे।

6. कथन (A)– प्रारम्भिक राष्ट्रवादी नेताओ ने 1881 ई. व 1891 ई. के कारखाना अधिनियमो की आलोचना की थी।
कारण (R)– वे श्रम कानूनो को औद्योगीकरण के मार्ग में बाधा समझते थे। (IAS-2007)
(1) A व R दोनों सही है तथा R, A की सही व्याख्या है।
(2) A व R दोनों सही है तथा R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(3) A सही, R गलत (4) A गलत, R सही (1)

☞ **व्याख्या–** प्रारम्भिक राष्ट्रवादी नेताओं ने 1881 ई. व 1891 ई. के कारखाना अधिनियमों की अलोचना की क्योंकि वे इस कानूनों को औद्योगीकरण के मार्ग में बाधक नहीं बनने देना चाहते थे। राष्ट्रवादियों को इस बात की भी आशंका भी सरकार इन अधिनियमों द्वारा ब्रिटिश उत्पादकों को बढ़वा देकर भारतीय उत्पादकों को नुकसान पहुँचा सकती है। तिलक के अखबार मराठा ने ही मिल मजदूरों के अधिकारों व रियासतों के बारे में वकालत की थी।

7. सन् 1918 ई. में 'अहमदाबाद टेक्सटाइल लेबर एसोसिएशन' की स्थापना किसने की जो कि तत्कालीन समय की सबसे बड़ी ट्रेड यूनियन मानी जाती थी– (BPSC-2000)
(1) महात्मा गाँधी (2) एनी बेसेन्ट
(3) तिलक (4) लाला लाजपतराय (1)

8. भारत में मजदूर आंदोलनों की वास्तविक शुरूआत किस क्रांति के बाद मानी जाती है– (UPPSC-2001)
(1) 1857 की क्रांति (2) इंग्लैण्ड की क्रांति
(3) रूसी क्रांति (4) अमेरिकन क्रांति (3)

☞ **व्याख्या–** रूस में 1917 ई. की क्रांति के बाद भारत में मजदूर आन्दोलन को बल मिला। अतः भारत में मजदूर आन्दोलन की वास्तविक शुरूआत रूसी क्रांति के बाद हुई थी।

9. निम्न में से कांग्रेस के जिन नेताओं ने एटक की अध्यक्षता नहीं की वह थे– (UPPSC-2006)
(1) चिरंजन दास, सी.एफ. एन्ड्रज (2) सुभाषचन्द्र बोस, तिलक
(3) महात्मा गाँधी, तिलक (4) सरोजिनी नायडू, सत्यमूर्ति (3)

☞ **व्याख्या–** कांग्रेस के जिन नेताओं ने एटक की अध्यक्षता की वे है– लाला लाजपत राय (1920 ई.), चित्तरंजनदास, सी.एफ.एन्ड्रज, जितेन्द्र मोहन सेन गुप्त, सुभाषचन्द्र बोस (1931 ई.), जवाहर लाल नेहरू (1929 ई.), सरोजनी नायडू तथा सत्यमूर्ति इत्यादि।

16 जन आंदोलन एवं आदिवासी विद्रोह

1. सर्वप्रथम ''वंदे मातरम'' का नारा सर्वप्रथम किस विद्रोह में लगाया गया था– (IAS-2007)
(1) सन्यासी विद्रोह (2) फकीर विद्रोह
(3) रंगपुर विद्रोह (4) वहाबी आंदोलन (1)

☞ **व्याख्या–** बंगाल में 1770 ई. के अकाल व तीर्थ स्थलों की यात्रा पर लगे प्रतिबन्ध ने हिन्दू नागा व गिरी संन्यासियों को विद्रोह करने पर मजबूर किया था। यह सन्यासी शंकराचार्य के अनुयायी थे। सन्यासी विद्रोह का नेतृत्त्व द्विजनारायण, केना सरकार ने किया था। सन्यासियों ने बोगरा और मेमन सिंह में अपनी स्वतंत्र सरकार बनाई। बाद में इस आंदोलन में बेदखली से प्रभावित किसान, विघटित, सत्ताच्युत जमींदार भी शामिल हो गये। इस दौरान बंगाल में पड़े भीषण अकाल के कारण इन सभी ने मिलकर खेतों में खड़ी फसल एवं कम्पनी ने अनाज गोदामों को लूटना आरम्भ कर दिया था। भवानी पाठक, देवी चौधरानी, मूसाशाह एवं मजनूशाह भी इस आंदोलन से जुड़े हुए थे। बंकिमचन्द्र चटर्जी ने अपने उपन्यास ''आनन्दमठ'' एवं ''देवी चौधरानी'' में सन्यासी विद्रोह का उल्लेख किया था। सर्वप्रथम वन्देमातरम् का नारा सन्यासी विद्रोह में दिया गया। वॉरेन हेस्टिंग्स ने लम्बे अभियान के बाद सन्यासी विद्रोह को कुचला लेकिन 1800 ई. तक बंगाल और बिहार में सन्यासियों का अंग्रेजों से संघर्ष होता रहा।

2. पांगलपथी विद्रोह किन विचारधारा का मिश्रण था– (RPSC School Lect. Exam-2015)
(1) हिन्दू व मुस्लिम (2) सिख व ईसाई
(3) हिन्दू, सूफी, जीववादी (4) हिन्दू,सिख,जीववादी (3)

☞ **व्याख्या–** पागलपंथी सम्प्रदाय हिन्दू, सूफी एवं जीववादी विचारधारा का मिश्रण था। यह बांग्लादेश क्षेत्र के मैमनसिंह एवं शेरपुर क्षेत्र में विकसित हुआ। मदारिया सूफी सिलसिले के संत मजनूशाह के अनुयायी भी इससे जुड़े थे।

3. मेघालय की जयन्तिया व गारो पहाड़ियों में केन्द्रित खासी विद्रोह के नेतृत्त्वकर्ता कौन थे– (RPSC School Lect. Exam-2015)
(1) तीरतसिंह (2) बारमानिक
(3) मुकुन्दसिंह (4) उक्त सभी (4)

4. 1857 ई. के विद्रोह के ठीक बाद बंगाल में निम्न में से कौनसा विप्लव हुआ था– (RPSC School Lect. Exam-2022)
(1) पाबना विद्रोह (2) नील विद्रोह
(3) फैराजी विद्रोह (4) वहाबी विद्रोह (2)

☞ **व्याख्या–** बंगाल में नील उगाने वाले कृषकों ने यूरोपीय अधिकारियों के अत्याचारों से तंग आकर सितम्बर, 1859 ई. में विद्रोह कर दिया था। नदिया जिले के गोविन्दपुर गाँव में 1859 ई. में दिसम्बर विश्वास, विष्णु विश्वास तथा रफीक मंडल के नेतृत्त्व में किसानों ने नील की खेती बन्द कर दी थी।

5. निम्नलिखित में से किसने कोल विद्रोह (1831–32 ई.) का नेतृत्त्व किसने किया था– (NET-June-2016)
(1) बुद्धो भगत (2) सुर्गा
(3) द्विजनारायण (4) मजनूम शाह (1)

☞ **व्याख्या–** छोटा नागपुर क्षेत्र के रांची, सिंहभूम, हजारीबाग, पलामू तथा मानभूम जिलों में कोल विद्रोह हुआ था। इस विद्रोह का कारण आदिवासी क्षेत्रों में नये जमीदारों तथा महाजनों के प्रवेश के कारण होने वाला शोषण था। खासी विद्रोह 1831 ई. में प्रारम्भ हुआ तथा 1832 ई. में इस विद्रोह को दबा दिया गया था।

6. सूची I को सूची II मिलान कीजिये व सही उत्तर का चयन कीजिये। (NET-Dec.-2016)

सूची I	सूची II
(A) सन्यासी विद्रोह	(1) द्विजनारायण, केना सरकार
(B) फकीर विद्रोह	(2) मजनूम शाह, चिराग अली
(C) रंगपुर विद्रोह	(3) धीरज नारायण व नुरूद्दीन
(D) फैराजी विद्रोह	(4) हाजी शरीयतुल्ला

(1) A(4)B(3)C(2)D(1)
(2) A(1)B(2)C(3)D(4)
(3) A(1)B(2)C(4)D(3)
(4) A(3)B(4)C(1)D(2) (2)

राजनैतिक व धार्मिक आन्दोलन

समय	आन्दोलन	स्थान	नेता
1770–80 ई.	सन्यासी विद्रोह	बंगाल	केना सरकार
1776–77 ई.	फकीर विद्रोह	बंगाल	मजनूम शाह, चिराग अली शाह भवानी पाठक, देवी चौधरी
1783 ई.	रंगपुर विद्रोह	बंगाल	धीरज नारायण, नरूद्दीन
1813–33 ई.	पागलपंथी	उत्तरपूर्वी भारत	करमशाह, टीपू
1839 ई.	फैराजी	बंगाल	शरयतुल्ला, दूदू मियां
1820–70 ई.	बहावी	पेशावर, पटना	सैयद अहमद राय बरेलवी
1831 ई.	बरीसाल	बंगाल	टीटू मीर
1866–70 ई.	कूका आन्दोलन	पंजाब	भगत जवाहरमल, बालकसिंह रामसिंह कूका
1840–42 ई.	मोप्पला विद्रोह	केरल	सैय्यद अली, सैयद फजल
1822–26 ई.	रामोसी–विद्रोह	सतारा	चित्तूरसिंह, उमाजी
1844 ई.	गंडकरी विद्रोह	कोल्हापुर	बवाजी अहीरकेर एवं कृष्णा दाजी पण्डित
1844 ई.	सावंतवादी विद्रोह	महाराष्ट्र	फोन्ड सावन्त
1830–31 ई.	मैसूर विद्रोह	मैसूर	सरदार मल्ला

7. महात्मा गाँधी एवं उनके विचारों से प्रभावित होने वाले प्रथम आदिवासी निम्नलिखित में से कौन थे– (DSSSB-PGT-2008)
(1) चक्र बिसोई (2) जदोनांग
(3) बिरसा मुण्डा (4) ठक्कर बापा (2)

☞ **व्याख्या–** महात्मा गाँधी एवं उनके विचारों से प्रभावित होने वाले प्रथम आदिवासी नेता जाड़ोनाग (जदोनांग) थे।

अपदस्थ शासको के विद्रोह			
समय	आन्दोलन	स्थान	नेता
1808–09 ई.	वेलुपंथी विद्रोह	त्रावनकोर (केरल)	दीवान वेलुथम्पी
1824–29 ई.	किट्टूरचेन्नमा विद्रोह	किट्टूर (कर्नाटक)	चेन्नप्पा, रामप्पा
1835 ई.	गंजाम विद्रोह	उड़ीसा	धनजय भांजा
1827–30 ई.	विशाखापट्टनम के विद्रोह	विशाखापट्टनम	विजयरामराजे, वीरभद्रराजे, जगन्नाथराजे
1840–41 ई.	सतारा विद्रोह	सतारा	धरराव पंवार, नरसिंह दत्तात्रेय पाटेकर
1846–47 ई.	पॉलीगर विद्रोह	कुरनूल	नरसिम्मा रेड्डी
1817–25 ई.	पाइक विद्रोह	खुर्दा (उड़ीसा)	खुर्दा का राजा व जगबन्धु
1832–33 ई.	भूमिज विद्रोह	बंगाल	गंगा नारायणसिंह
1828–1830 ई.	अहोम विद्रोह	असम	गोमधर कुंवर
1842 ई.	बुंदेला विद्रोह	मध्यप्रदेश	मधुकरशाह व जवाहरसिंह
1841 ई.	धोड़जी बाघ का विद्रोह	मैसूर	धोड़जी बाघ
1767–95 ई.	फतेहशाही का विद्रोह	बिहार	फतेहशाही जमीदार
1782 ई.	देवीसिन्हा का विद्रोह	–	देजेनारायण एवं किन्हा सिंह

42. आदिवासी विद्रोह के लिये उत्तरदायी कारण थे/था– (NDA-1996)
(1) सरकार द्वारा आदिवासियों के जंगलों के ईधन व पशु चारण पर प्रतिबंध लगाना।
(2) जनजातीय क्षेत्रों में अफीम की खेती पर रोक लगाना।
(3) देशी शराब के निर्माण पर आबकारी कर लगाना।
(4) जनजातीय क्षेत्रों में ईसाई मिशनरियों की गतिविधियाँ।
(5) उक्त सभी (5)

☞ **व्याख्या–** जनजातीय आंदोलन अन्य आंदोलनों से अधिक हिंसक और संगठित थे। ब्रिटिश शासन में आदिवासी अपनी ही जमीन पर मजदूर बन गये। आदिवासी आंदोलन के देशी नाम मेली, हल तथा उल्गुलन थे। जनजातीय समुदायों की प्राचीन भूमि संबंधी व्यवस्था का संपूर्ण विदारण ही जनजातीय विद्रोह का साझा कारण था। आदिवासी धीरे–धीरे महाजनों व व्यापारियों के चंगुल में फंस गये व ईसाई मिशनरियों ने भी घुसपैठ करना शुरू कर दिया था। सरकार ने भी आदिवासियों पर जंगलों के ईधन एवं पशुओं के चारे के रूप में प्रयोग पर प्रतिबंध लगा दिया व झूम खेती पर भी रोक लगा दी। जनजातीय क्षेत्रों में अफीम की खेती पर रोक लगा दी एवं देशी शराब के निर्माण पर आबकारी कर लगा दिया था। जनजातीय क्षेत्रों में ईसाई मिशनरियों की गतिविधियाँ भी विद्रोह के कारण थे। जनजातीय लोगों में संबंध में आदिवासी शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग ठक्कर बापा ने किया था। इन कारणों ने आदिवासियों को सरकार के विरूद्ध विद्रोह करने के लिए बाध्य किया। कुंवर सुरेश सिंह ने आदिवासी आंदोलन को तीन चरणों में विभाजित किया है। ये तीन चरण है–
प्रथम चरण– 1795–1860 ई.
द्वितीय चरण– 1860–1920 ई.
तृतीय चरण– 1920 ई. के बाद

43. सूची I को सूची II से सुमेलित तथा सही उत्तर का चयन कीजिये? (IAS-2001)

सूची–I	सूची–II
(A) चुआर विद्रोह	(1) झारखण्ड
(B) हौज विद्रोह	(2) बड़ौदा
(C) बघेरा विद्रोह	(3) बिहार
(D) खैरवाड़ आंदोलन	(4) बंगाल

(1) A(1)B(2)C(3)D(4)
(2) A(4)B(3)C(2)D(1)
(3) A(3)B(4)C(1)D(2)
(4) A(2)B(1)C(4)D(3) (2)

44. चुआर जनजातीय विद्रोह निम्नलिखित में से किसके नेतृत्त्व में हुआ था–
(1) राजा जगन्नाथ (2) सुरेन्द्र साई
(3) सिद्धू मांझी (4) रामसिंह कुका (1)

☞ **व्याख्या–** चुआर विद्रोह 1768 से 1772 ई. तक बंगाल के मेदिनीपुर जिले में हुआ। विद्रोह का मुख्य कारण अकाल तथा बढ़ा हुआ भूमि कर था। अत: चुआर जनजाति ने राजा जगन्नाथ के नेतृत्त्व में अंग्रेजों के विरूद्ध विद्रोह कर दिया था।

45. निम्न में से किस क्षेत्र को 'दमन–ए–कोह' या 'दमनी कोल' कहते थे– (UPPSC-2018)
(1) संथाल (2) खोंड़ (3) कोल (4) उक्त कोई नही (1)

☞ **व्याख्या–** 1778 ई. में राजमहल की पहाड़ियों में स्थित जनजातियों के पहाड़िया विद्रोह से परेशान होकर अंग्रेजी सरकार ने समझौता कर इस क्षेत्र को 'दामनी कोल' क्षेत्र घोषित किया। राजमहल की पहाड़ियों में संथाल विद्रोह हुआ था। ''दमनी कोल'' का अर्थ होता है– पहाड़ का दामन।

46. सन् 1831–32 ई. में जब आदिवासियों की भूमि छीन कर मुस्लिम किसानों तथा सिक्खों को दे दी तो जो विद्रोह हुआ वह था– (NET-Dec.-2014)
(1) सम्भलपुर विद्रोह (2) खोड़ विद्रोह
(3) कोल विद्रोह (4) संथाल विद्रोह (3)

☞ **व्याख्या–** 1832 ई. के कोल विद्रोह का मुख्य कारण आदिवासियों की भूमि उनके मुखिया मुण्डों से छीनकर मुसलमानों तथा सिक्ख किसनो को देना था। छोटा नागपुर क्षेत्र के रांची, सिंहभूम, हजारी बाग, पलामू तथा मानभूम जिलों में यह विद्रोह हुआ। इस विद्रोह का कारण आदिवासी क्षेत्रों में जमीदारों तथा महाजनों के प्रवेश के कारण होने वाला शोषण था। 1832 ई. के कोल विद्रोह का कारण आदिवासियों की भूमि उनके मुखिया मुण्डो से छीनकर मुसलमान तथा सिक्ख किसानों को देना था। जब आदिवासियों की भूमि छीन कर मुस्लिम किसानों तथा सिक्सों को दे दी तो आदिवासियों ने दिकू (बाहरी लोग) लोगों के विरूद्ध विद्रोह किया। इस विद्रोह को बुद्धों भगत, जोआभगत, केशोभगत, विन्दराव मालनी, नरेन्द्र शाह, मनकी, मदरा महतो आदि के नेतृत्त्व प्रदान किया। 1832 ई. में इस विद्रोह को दबा दिया गया था। 1832 ई. के बाद इस आंदोलन का नेतृत्त्व गंगा नारायण ने किया जो रूक–रूक कर 1848 ई. तक चलता रहा। इस विद्रोह में कोल जनजाति के साथ चुआर, होज एवं मुंड़ा भी शामिल थे।

17 भारतीय राज्यों के प्रति ब्रिटिश नीति

1. ब्रिटिश सत्ता एवं भरतीय रियासतों के बीच संबंधों के सन्दर्भ में किस शब्द प्रयोग किया जाता था– (RPSC Assi. Prof. Exam-2014)
(1) डिफेंसी सिस्टम (2) पैरामाउण्टेसी
(3) पैरासप्लीमेट्री (4) पॉलिसी टूवर्डस (2)

☞ **व्याख्या–** ब्रिटिश सत्ता एवं भारतीय रियासतों के बीच संबंधों के सर्वोच्च सत्ता (Poramountry) शब्द का प्रयोग किया जाता है। यह सर्वोच्च सत्ता निरंतर परिस्थितियों के अनुसार विविध रूपों में परिभाषित की जाती है।

2. निम्न में कौन–कौनसी पुस्तकों से ब्रिटिश सत्ता द्वारा भारतीय रियासतों के प्रति अपनाई जाने वाली नीति की जानकारी मिलती है– (IAS-2019)
1. ब्रिटिश पॉलिसी टूवर्डस इंडियन स्टेट्स 2. एट्टीन फिफ्टी सेवन
3. नेटिव स्टेट ऑफ इण्डिया 4. इण्डिया आफ्टर गाँधी
(1) 1 व 2 (2) 1 व 3
(3) 2 व 3 (4) 1,2,3 (2)

☞ **व्याख्या–** ब्रिटिश सत्ता द्वारा भारतीय रियासतों के प्रति अपनाई गई नीति की जानकारी निम्न दो पुस्तकों से मिलती है–
1. ब्रिटिश पॉलिसी टुवर्ड्स– के. एम. पन्निकर।
2. नेटिव स्टेट ऑफ इंडिया– ली वॉर्नर (1910 ई.)।

3. किस राज्य के विलय को कॉमन्स सभा में जोसफ ह्युम ने ''जिसकी लाठी उसकी भैंस'' की संज्ञा दी है– (IAS-2007)
(1) सतारा (2) जैतपुर
(3) अवध (4) सम्भलपुर (1)

☞ **व्याख्या–** सतारा के विलय पर कॉमन्स सभा में जोसेफ ह्यूम ने 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' की संज्ञा दी थी।

4. लॉर्ड डलहौजी ने राज्यों के हड़पने के लिये किन–किन उपायों का प्रयोग किया गया था–
(1) युद्ध
(2) कुशासन व भ्रष्टाचार का आरोप
(3) गोद निषेध प्रथा (4) उक्त सभी (4)

☞ **व्याख्या–** लॉर्ड डलहौजी ने राज्यों को हड़पने के लिए तीन प्रकार के उपायों का सहारा लिया–
1. युद्ध द्वारा– पंजाब का 1849 ई. में विलय, सिक्किम का 1850 ई. में विलय, लोअर बर्मा एवं पीगु का 1852 ई. में ब्रिटिश साम्राज्य विलय।
2. कुशासन एवं भ्रष्टाचार के आरोप द्वारा–1853 ई. में हैदराबाद से बकाया धन राशि के बदले बरार छीन लिया, 1856 ई. में कुशासन का आरोप लगाकर अवध का विलय कर लिया था।
3. गोद निषेध प्रथा/ राज्य हड़प नीति/ व्यपगत का सिद्धान्त द्वारा।

5. 18 वी सदी के मध्य से लेकर अंग्रेजों के भारत तक ब्रिटिश सत्ता व भारतीय रियासतों के बीच संबंधों को विभिन्न अवस्थाओं में बांटा जा सकता है, इसके आधार पर सही मिलान कीजिये– (IAS-2018)

सूची–I	सूची–II
(A) रिंगफेस की नीति	(1) 1765 से 1813 ई तक
(B) बराबर के संघ की नीति	(2) 1935 से 1947 ई. तक
(C) अधीनस्थ संघ व सहयोग की नीति	(3) 1858 से 1935 ई. तक
(D) अधीनस्थ पृथक्करण की नीति	(4) 1813 से 1857 ई. तक

(1) A(1)B(2)C(3)D(4)
(2) A(4)B(3)C(2)D(1)
(3) A(1)B(2)C(4)D(3)
(4) A(4)B(3)C(1)D(2) (1)

☞ **व्याख्या–** ब्रिटिश सत्ता एवं भारतीय रियासतों के बीच संबंधों के संदर्भ में सर्वोच्च सत्ता शब्द का प्रयोग किया जाता है। यह सर्वोच्च सत्ता निरन्तर परिस्थितियों के अनुसार विविध रूपों में परिभाषित की जाती रही है। ब्रिटिश सत्ता द्वारा भारतीय रियासतों के प्रति अपनाई गई नीति का जानकारी निम्न दो पुस्तकों में मिलता है–
1. ब्रिटिश पॉलिसी टुवर्डस इंडियन स्टेट्स– के. एम. पन्निकर
2. नेटिव स्टेट ऑफ इंडिया–ली वार्नर (1910 ई.)
ली वार्नर ने इन संबंधों को तीन चरणों में विभाजित किया है–
1. घेरे की नीति (रिंग फेस नीति)– 1765 से 1813 ई. तक
2. अधीनस्थ पृथक्करण की नीति–1818 ई. से 1857 ई. तक
3. अधीनस्थ संघ की नीति– 1858 ई. से 1910 ई. तक
ली वार्नर का वर्णन 1910 ई. तक की प्रांसगिक माना जा सकता है। 18 वीं सदी के मध्य से लेकर अंग्रेजों के भारत छोड़ने तक इन संबंधों का निम्न अवस्थाओं के रूप में अध्ययन किया जा सकता है–
1. कंपनी द्वारा भारतीय रियासतों के बराबर दर्जा प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना 1740 ई. से 1765 ई. तक
2. कंपनी की घेरे/रिंफेस की नीति–1765 से 1813 तक
3. कंपनी की अधीनस्थ पृथक्करण की नीति 1813 से 1857 ई. तक
4. अधीनस्थ संघ एवं सहयोग की नीति 1858 से 1935 ई. तक
5. बराबर के संघ की नीति 1935 से 1947 ई. तक ।

6. रिंगफेन्स की नीति सर्वप्रथम किसने अपनाई थी– (UPPSC-2022)
(1) डलहौजी (2) कैनिंग
(3) वॉरेन हेस्टिंग्स (4) वैबेल (3)

☞ **व्याख्या–** कम्पनी की सुरक्षित घेरे की नीति/रिंगफेंस नीति (1765 से 1833 ई. तक) सर्वप्रथम वॉरेन हेस्टिंग्स ने अपनायी थी। वॉरेन हेस्टिंग्स की इस नीति के तहत् कम्पनी ने अपने राज्य के चारों ओर बफर स्टेट (अन्तः स्थ राज्य) बनाने का प्रयत्न किया। इस नीति के तहत् कम्पनी ने अपने पड़ौसी राज्यों की सीमाओं की रक्षा की ताकि अपनी सीमाऐं भी सुरक्षित रहे। इसका मुख्य कारण अफगानों एवं मराठों का भय था।

18 कांग्रेस से पूर्व की अखिल भारतीय संस्थाएँ एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं उनके अधिवेशन– प्रमुख तथ्य एवं मुस्लिम लीग

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना किस वर्ष में की गई थी–
(1) 18 दिसम्बर, 1885 ई. (2) 28 दिसम्बर, 1885 ई.
(3) 18 सितम्बर, 1885 ई. (4) 28 सितम्बर, 1885 ई. (2)

☞ **व्याख्या–** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 28 दिसम्बर, 1885 ई. में हुई। इसके संस्थापक एलन ऑक्टेवियन ह्यूम थे।

2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापक माने जाते है– (NDA-1993)
(1) ए.ओ. ह्यूम (2) गोपाल कृष्ण गोखले
(3) महात्मा गाँधी (4) बाल गंगाधर तिलक (1)

3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन कहाँ हुआ था–
(KVS-TGT Exam-2020)
(1) कलकत्ता (2) लाहौर
(3) मुंबई (4) पुणे (3)

☞ **व्याख्या–** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन 1885 ई. में बम्बई में हुआ था। इस अधिवेशन की अध्यक्षता व्योमेशचन्द्र बनर्जी ने की थी। इस अधिवेशन में 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। इस अधिनियम में आई. सी. एस. परीक्षा का भारत में आयोजन की माँग थी।

4. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष निम्नलिखित में से कौन थे–
(1) ए.ओ. ह्यूम (2) डब्ल्यू. सी. बनर्जी
(3) दादा भाई नौरोजी (4) तिलक (2)

5. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के समय भारत का वायसराय कौन था–
(1) लॉर्ड रिपन (2) लॉर्ड कैनिग
(3) लॉर्ड डफरिन (4) लॉर्ड डलहौजी (3)

☞ **व्याख्या–** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 1885 ई. के समय भारत का वायसराय लॉर्ड डफरिन था।

6. ''दादा भाई नौरोजी'' ने सर्वप्रथम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के किस अधिवेशन की अध्यक्षता की थी– (UPPSC-2018)
(1) प्रथम (2) द्वितीय
(3) तृतीय (4) पंचम (2)

☞ **व्याख्या–** दादा भाई नौरोजी ने सर्वप्रथम भारतीय राष्ट्रीय के द्वितीय अधिवेशन 1886 ई. के कलकत्ता अधिवेशन की अध्यक्षता की तथा इस अधिवेशन में 436 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, न्यायपालिका तथा कार्यपालिका की पृथकता की मांग की गई थी।

7. सर्वप्रथम कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता किस मुस्लिम के द्वारा की गई थी–
(1) बदरूद्दीन तैय्यब जी (2) अबुल कलाम आजाद
(3) मो. अली जिन्ना (4) मोहम्मद इकबाल (1)

☞ **व्याख्या–** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के तृतीय अधिवेशन 1887 ई. के मद्रास अधिवेशन की अध्यक्षता बदरूद्दीन तैयबजी ने की। यह प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष थे। इन्होंने प्रथम बार तमिल भाषा में भाषण दिया था।

8. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम पारसी अध्यक्ष निम्नलिखित में से कौन थे–
(1) जॉर्ज यूले (2) ए.ओ. ह्यूम
(3) दादा भाई नौरोजी (4) डब्ल्यू. सी. बनर्जी (3)

9. कांग्रेस के किस अधिवेशन में पहली बार महिलाओं ने भी भाग लिया था–
(1) 1889 ई. बम्बई (2) 1894 ई. मद्रास
(3) 1903 ई. मद्रास (4) 1904 ई. बम्बई (1)

☞ **व्याख्या–** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पंचम अधिवेशन 1889 ई. के बंबई अधिवेशन की अध्यक्षता विलियम वेडरबर्न ने की। इस अधिवेशन में मताधिकार की आयु का वर्ष तय की गई। इस अधिवेशन मताधिकार की आयु 21 वर्ष तय की गई थी।

10. कांग्रेस के अधिवेशन 1919 ई. में महात्मा गाँधी ने निम्नलिखित में किसे कांग्रेस का नया संविधान बनाने के लिए नियुक्त किया था–
(IAS-2022)
(1) ए. सी. केलकर (2) आई. बी. सेन
(3) रवि दत्त सिन्हा (4) 1 और 2 दोनों (4)

☞ **व्याख्या–** अमृतसर अधिवेशन 1919 ई. में गाँधीजी ने कांग्रेस का नया संविधान बनाने के लिए एन. सी. केलकर एवं आई. बी. सेन को चुना था।

11. कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन दिसम्बर 1885 ई., बम्बई में कितने प्रतिनिधियों ने भाग लिया था–
(1) 79 (2) 27 (3) 72 (4) 97 (3)

12. सूची –I को सूची–II से समुलित कीजिये–
(RPSC School Lect. Exam-2022)

सूची –I	सूची –II
(A) कांग्रेस के प्रथम ईसाई अध्यक्ष	1. व्योमेश बनर्जी
(B) कांग्रेस के प्रथम पारसी अध्यक्ष	2. दादा भाई नौरोजी
(C) कांग्रेस के प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष	3. सैय्यद बदरूदीन तैय्यबजी
(D) कांग्रेस के प्रथम अंग्रेज अध्यक्ष	4. जार्ज यूले

कूटः–

	A	B	C	D
(1)	2	3	4	1
(2)	4	3	2	1
(3)	1	2	3	4
(4)	1	4	2	3

(3)

अधिवेशन क्रमाक	अधिवेशन वर्ष	स्थान	अध्यक्ष
33	1918 ई.	दिल्ली	मदनमोहन मालवीय
35	1920 ई.	नागपुर	चक्रवती विजय राद्यवाचार्य
38	1923 ई.	काकीनाड़ा	मोहम्मद अली
54	1946 ई.	मेरठ	जे.बी. कृपलानी

52. निम्न में से कौन सबसे लम्बे समय तक कांग्रेस का अध्यक्ष रहा था–
(1) जवाहरलाल नेहरू (2) दादाभाई नौरोजी
(3) मौलाना आजाद (4) मोतीलाल नेहरू (3)

☞ **व्याख्या–** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1940 के रामगढ़ अधिवेशन की अध्यक्षता मौलाना अबुल कलाम आजाद ने की थी। मौलाना अबुल कलाम आजाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सर्वाधिक समय तक अध्यक्ष रहे थे। मौलाना आजाद ने 1923 ई. में दिल्ली में कांग्रेस के विशेष अधिवेशन की अध्यक्षता करने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति थे। मौलाना आजाद 1940 ई. से 1945 ई. तक कांग्रेस के अध्यक्ष रहे थे।

53. एक मात्र अंग्रेज, जिसने कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता दो बार की थी– (CDS-2012)
(1) जॉर्ज यूले (2) विलियम वेडरबर्न
(3) सर हेनरी कॉटन (4) उक्त में से कोई नही (2)

☞ **व्याख्या–** विलियम वैडरबर्न ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन की दो बार अध्यक्षता की थी। प्रथम बार 1889 ई. में बम्बई अधिवेशन तथा द्वितीय बार 1910 ई. में इलाहाबाद अधिवेशन की अध्यक्षता की थी।

54. पं. नेहरू ने किस अधिवेशन में कहा– ''मैं समाजवादी और गणतंत्रवादी हूँ तथा मुझे राजाओं और राजकुमारों में विश्वास नहीं है।''– (IAS-2012)
(1) कराची अधिवेशन–1931 ई.
(2) लाहौर अधिवेशन–1929 ई.
(3) कलकत्ता अधिवेशन–1935 ई.
(4) लखनऊ अधिवेशन–1916 ई. (2)

55. लाहौर अधिवेशन– 1929 ई. में निम्न में से किसने यह प्रस्ताव रखा कि ''देश में समानान्तर सरकार स्थापित करना कांग्रेस का लक्ष्य होना चाहिये''– (IAS-2012)
(1) गोपाल कृष्ण गोखले
(2) दादा भाई नौरोजी
(3) सुभाषचन्द्र बोस (4) महात्मा गाँधी (3)

56. उपरोक्त कथन निम्नलिखित में से किनका है कि ''मैं मरने नहीं जा रहा हूँ, अपितु भारत को स्वतंत्र कराने हेतु पुनर्जन्म लेने जा रहा हूँ''– (हिमाचल प्रदेश Assi. Prof. Prof. Exam-2018)
(1) अशफाक उल्ला खाँ (2) भगत सिंह
(3) राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी (4) सुखदेव थापर (3)

☞ **व्याख्या–** राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी का जन्म बांग्लदेश के पाबना जिले में हुआ था। राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के प्रमुख सदस्य तथा अनुशीलन समिति की वाराणसी शाखा के सशस्त्र विभाग के प्रभारी थे। काकोरी काण्ड में सक्रिय भूमिका के कारण इनको 17 दिसम्बर, 1927 ई. को गोण्ड़ा जेल में फाँसी दे दी गई थी। फाँसी होने से पूर्व आप ने कहा था कि ''मै मरने नहीं जा रहा हूँ, अपितु भारत को स्वतंत्र कराने हेतु पुनर्जन्म लेने जा रहा हूँ''। राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी ''बंगवाणी'' पत्रिका के संपादक भी थे।

57. कांग्रेस का प्रथम विभाजन सुरत अधिवेशन 1907 ई. में हुआ था, जबकि कांग्रेस का दूसरा विभाजन कब हुआ था– (KVS-PGT-2018)
(1) दिल्ली अधिवेशन–1918 ई.
(2) दिल्ली अधिवेशन–1924 ई.
(3) अमृतसर अधिवेशन–1919 ई.
(4) नागपुर अधिवेशन–1920 ई. (1)

☞ **व्याख्या–** कांग्रेस के 1918 ई. में दिल्ली में आयोजित वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता पण्डित मदनमोहन मालवीय ने की थी। इसी अधिवेशन में सरेन्द्रनाथ बनर्जी के नेतृत्त्व में नरमपंथियों द्वारा कांग्रेस का त्याग तथा सुरेन्द्रनाथ बनर्जी द्वारा लिबरल फेडरेशन का गठन किया गया। इस अधिवेशन में बिजोलिया किसान आंदोलन से जुड़े प्रसिद्ध किसान नेता विजय सिंह पथिक भी शामिल हुए थे।

58. कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन–1920 ई. में कांग्रेस का सदस्यता शुल्क कितना निश्चित किया गया था– (KVS-PGT-2016)
(1) 4 आने (2) 8 आने
(3) 12 आने (4) 1 रूपया (1)

☞ **व्याख्या–** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1920 ई. के नागपुर अधिवेशन की अध्यक्षता चक्रवर्ती विजय राघवाचार्य ने की थी। इस अधिवेशन में कांग्रेस का नया संविधान बना जिसमें अहिसंक व उचित तरीकों से स्वराज्य प्राप्ति को लक्ष्य बनाया गया। कांग्रेस नागपुर अधिवेशन के बाद वास्तविक जनाधार वाली पार्टी बनी। पहली बार रियासतों के प्रति नीति घोषित की गयी। संख्या की दृष्टि से कांग्रेस का सबसे बड़ा अधिवेशन था। इसी अधिवेशन में कांग्रेस ने मताधिकार की आयु 18 वर्ष निश्चित की थी। कांग्रेस के 1920 ई. में नागपुर में आयोजित अधिवेशन में कांग्रेस की सदस्यता का शुल्क घटाकर 4 आने कर दिया गया था।

59. निम्नलिखित में से किसने यह विचार दिया था कि ''अंग्रेजी सिखाने के लिए पूरे भारत में स्कूलों का जाल बिछा दिया जाये।''– (IAS-2008)
(1) विलियम जोंस (2) डेविड़ हेयर
(3) जोनाथन डंकन (4) चार्ल्स ग्रान्ट (4)

☞ **व्याख्या–** ''चार्ल्स ग्रान्ट'' को भारत में आधुनिक शिक्षा का जन्मदाता कहा जाता है।

60. पं. जवाहरलाल नेहरू कितनी बार कांग्रेस के अध्यक्ष रहे थे– (NVS-PGT-2018)
(1) 1 (2) 2 (3) 3 (4) 5 (3)

संगठन/संस्था	स्थापना वर्ष	स्थान	संस्थापक
पूना सार्वजनिक सभा	1867 ई.	पूना	महादेव गोविन्द रानाडे
इंडियन सोसाइटी	1872 ई.	लंदन	आनन्द मोहन बोस
इंडियन नेशनल सोसाइटी	1873 ई.		
इंडियन लीग	1875 ई.	बंगाल	शिरीष कुमार घोष
इंडियन ऐसोसिएशन	1876 ई.	कलकत्ता	आनन्द मोहन बोस, सुरेन्द्र नाथ बनर्जी
इंडियन नेशनल कान्फ्रेस	1883 ई.	कलकत्ता	आनन्द मोहन बोस, सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
युनाइटेड इंडिया कमेटी	1883 ई.		व्यामेश चन्द्र बनर्जी
मद्रास महाजन सभा	1884 ई.	मद्रास	वी राघवचारी
बोम्बे प्रेसीडेन्सी ऐसोसिएशन	1885 ई.	बम्बई	एस. अय्यर
भारतीय कांग्रेस	1885 ई.	बम्बई	ए. ओ. ह्यूम
युनाइटेड इंडियन पेट्रियाटिक ऐसोसिएशन	1888 ई.	अलीगढ़	सर सैय्यद अहमद खाँ
मुहम्मडन एंग्लो ओरियन्टल डिफेन्स ऐसोसिएशन	1893 ई.	अलीगढ़	सर सैय्यद अहमद खाँ
मुस्लिम लीग	1906 ई.	ढ़ाका	नवाब सलीमुल्ला, आगा खाँ, वकार-उल-मुल्क
सर्वेन्टस ऑफ इंडिया सोसाइटी	1905 ई.	बम्बई	गोपाल कृष्ण गोखले
होमरूल लीग	1916 ई.	मद्रास,पूना	ऐनी बेसेन्ट, तिलक
नेशनल लिबरल फेडरेशन	1918 ई.	कलकत्ता	सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
उत्तर प्रदेश किसान सभा	1918 ई.	लखनऊ	मदन मोहन मालवीय, इन्द्र नारायण, गोरी शंकर मिश्र
अहमदाबाद टेक्सटाइल लेबर ऐसोसिएशन	1918 ई.	अहमदाबाद	महात्मा गाँधी
कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया	1920 ई.	ताशकन्द	मानवेन्द्र नाथ राय
सवेन्ट्स ऑफ पीपुल्स सोसायटी	1920 ई.	लाहौर	लाला लाजपत राय
भारतीय ट्रैड यूनियन कांग्रेस	1920 ई.	बम्बई	नारायण मल्हार जौशी
स्वराज्य पार्टी	1923 ई.	दिल्ली	मोतीलाल नेहरू, चितरंजन दास
अखिल भारतीय साम्यवादी पार्टी	1925 ई.	कानपुर	सत्यभक्त
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ	1925 ई.	नागपुर	डॉ. हेडगेवार
वीमेन्स इंडियन ऐसोसिएशन	1927 ई.	–	लेडी सदाशिव अय्यर
श्रमिक स्वराज पार्टी	1928 ई.	कलकत्ता	काजी नजरूल इस्लाम
खुदाई खिदमतगार (लाल कुर्तीदल)	1929 ई.	पेशावर	खान अब्दुल गफ्फार खाँ
कांग्रेस समाजवादी पार्टी	1934 ई.		आचार्य नरेन्द्र देव, जयप्रकाश नारायण
प्रतिगतिशील लेखक संघ	1936 ई.	लखनऊ	मुंशी प्रेमचंद
फारवर्ड ब्लाक	1939 ई.	कलकत्ता	सुभाषचन्द्र बोस
रेडिकल बोल्शेविक पार्टी	1939 ई.	कलकत्ता	अजीतराय, शिशिर राय एच. दत्त मजुमदार
रेडिकल डेमोक्रटिक पार्टी	1940 ई.	कलकत्ता	मानवेन्द्रनाथ राय
क्रान्तिकारी समाजवादी पार्टी	1942 ई.	कलकत्ता	सौम्येन्द्रनाथ टैगोर
रेडिकल बोल्शेविक पार्टी	1939 ई.	कलकत्ता	अजीतराय, शिशिर राय एच. दत्त मजुमदार
रेडिकल डेमोक्रटिक पार्टी	1940 ई.	कलकत्ता	मानवेन्द्रनाथ राय
क्रान्तिकारी समाजवादी पार्टी	1942 ई.	कलकत्ता	सौम्येन्द्रनाथ टैगोर

172. कांग्रेस के लखनऊ सम्मेलन की अध्यक्षता निम्नलिखित में से किसने की थी– (UPPSC-2011)
(1) बाल गंगाधर तिलक (2) मोहम्मद अली जिन्ना
(3) अम्बिका चरण मजूमदार (4) मदनमोहन मालवीय (3)

☞ **व्याख्या–** 1916 ई. में कांग्रेस के लखनऊ सम्मेलन की अध्यक्षता श्री अम्बिका चरण मजूमदार ने की। लखनऊ अधिवेशन में दो महत्त्वपूर्ण घटनायें हुई थी।

- 1907 ई. में सूरत अधिवेशन में निष्कासित उग्रपथियों को कांग्रेस में पुनः प्रवेश मिला था।
- कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच ऐतिहासिक लखनऊ समझौता हुआ था।
- जिन्ना ने पहली बार 1913 ई. में मुस्लिम लीग में लखनऊ अधिवेशन में हिस्सा लिया था। इसी वर्ष 1913 ई. में कांग्रेस के कराची अधिवेशन में भी जिन्ना ने भाग लिया था।
- मुस्लिम लीग के 1913 ई. के लखनऊ अधिवेशन में ही लीग में स्वशासन को राष्ट्रीय लक्ष्य के रूप में स्वीकार किया व कांग्रेस के साथ सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया था।
- इसमें पहले मुस्लिम लीग ने 1912 ई. में कलकत्ता अधिवेशन में यह तय किया कि वह भारत में स्वराज्य की स्थापना में किसी अन्य दल का इस शर्त पर सहयोग कर सकती है कि वह दल मुसलमानों के हितों पर कुठाराघात न करे।
- तीन वर्ष बाद लखनऊ के कांग्रेस लीग योजना या लखनऊ पैक्ट स्वीकार किया गया, जिसमें कांग्रेस ने पहली मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मण्डल की माँग को औपचारिक रूप से स्वीकार किया था। यह बाद में बड़ी भूल सिद्ध हुई थी।
- आगे चलकर यह प्रावधान द्वि-राष्ट्र सिद्धान्त की अवधारणा का अंकुर सिद्ध हुआ। बदले में लीग ने कांग्रेस द्वारा उत्तरदायी शासन की मांग को स्वीकार कर लिया था।
- लखनऊ अधिवेशन में कांग्रेस व मुस्लिम लीग से समझौता कराने में तिलक और जिन्ना ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
- तिलक और जिन्ना के प्रयासों से मुस्लिम लीग एवं कांग्रेस के मध्य समझौता हुआ, मदनमोहन मालवीय ने इस समझौते का विरोध किया था।
- लखनऊ समझौते में 19 सूत्री ज्ञापन तैयार किया गया था।
- इनमें प्रमुख माँगे थी–
  1. भारत में अविलम्ब स्वशासन प्रदान किया जाये।
  2. प्रान्तीय विधान परिषदों और गवर्नर जनरल से विधान परिषद् का विस्तार तथा इनमें निर्वाचित सदस्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जावे।
  3. वायसराय की कार्यसरिणी परिषद् में आधे से ज्यादा सदस्य भारतीय हो।
  4. लखनऊ समझौते में मुस्लिम नेताओं ने कुछ प्रान्तों में अति प्रतिनिधित्व के बदले अधिसंख्यक क्षेत्रों में कमप्रतिनिधित्व स्वीकार किया गया था।
- कांग्रेस और लीग की यह निकटता 1922 ई. में असहयोग आन्दोलन के स्थगित होने तक बनी रही थी।
- कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में उग्र राष्ट्रवादियों तथा नरमपथियों को एक करने में तिलक और ऐनी बेसेन्ट ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
- यहाँ लखनऊ में इस समय होमरूल के दोनों समूहों का भी संयुक्त अधिवेशन हुआ था और लीग एवं कांग्रेस का अधिवेशन हुआ, इससे पहले 1915 ई. में बम्बई में लीग एवं कांग्रेस का साथ अधिवेशन हुआ था।

19 भारतीय संवैधानिक विकास के प्रमुख चरण

1. निम्न में से किस चार्टर/एक्ट द्वारा सर्वप्रथम कलकत्ता,बम्बई,मद्रास प्रेसीडेन्सी के गवर्नरों को कानून बनाने की शक्ति सौंपी गई थी– (NET-2012)
(1) 1600 ई. का चार्टर (2)1726 ई. का चार्टर
(3)1773 ई. का रेग्युलेंटिग एक्ट (4) 1833 ई. का चार्टर (2)

2. किस एक्ट/चार्टर द्वारा कलकत्ता में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना की गई थी– (RU-2021)
(1) 1773 ई. का रेग्युलेटिंग एक्ट
(2) एक्ट ऑफ सेटलमेन्ट 1781
(3) 1813 ई. का चार्टर एक्ट (4) उक्त में से कोई नहीं (1)

☞ **व्याख्या–** रेग्युलेटिंग एक्ट द्वारा कलकत्ता में 1774 ई. में एक सुप्रीम कोर्ट की स्थापना की गई थी। इसमें एक मुख्य न्यायाधीश तथा तीन अन्य न्यायाधीश होते थे। 'सर इलिजा इम्पे' इसके प्रथम मुख्य न्यायाधीश थे। चेम्बर्ज, लिमैस्टर, और हाइड़ अन्य न्यायाधीश थे। न्यायाधीशों की नियुक्ति ब्रिटिश सम्राट द्वारा की जाती थी। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के विरूद्ध प्रिवी कौंसिल (ब्रिटेन) में अपील की जा सकती थी।

3. रेग्युलेटिंग एक्ट 1773 ई. के अन्तर्गत कलकत्ता में स्थापित सुप्रीम कोर्ट का प्रथम चीफ जस्टिस निम्नलिखित में से कौन था– (DSSSB-PGT-2017)
(1) विलियम पिट (2) हैनरी बैसीटार्ट
(3) एलिजा इम्पे (4) जान लॉक (3)

4. किस अधिनियम द्वारा बंगाल में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की गई थी– (SSC-2008)
(1) रेग्युलेटिंग एक्ट (2) पिट्स इण्ड़िया एक्ट
(3) बंगाल न्यायिक अधिनियम (4) एक्ट ऑफ सेटलमेट (1)

5. रेग्युलेटिंग एक्ट द्वारा सुप्रीम की स्थापना कब व कहाँ की गई थी– (NDA-2016)
(1) 1773 ई., कलकत्ता (2) 1773 ई.,बम्बई
(3) 1774 ई., कलकत्ता (4) 1774 ई., मद्रास (3)

6. निम्न में से किस अधिनियम के तहत चार सदस्यों की गवर्नर जनरल की 'एग्ज्युक्युटीव काउंसिल' कार्यकारिणी परिषद् बनाई गई थी– (NET-2016)
(1) 1726 का चार्टर
(2) 1813 का चार्टर एक्ट
(3) 1773 का रेग्युलेटिंग एक्ट
(4) पिट्स इंडिया एक्ट 1784 (3)

☞ **व्याख्या–** चार सदस्यों की गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी परिषद् का प्रावधान 1773 ई. के रेग्युलेटिंग एक्ट के तहत किया गया। इसमें चार सदस्य– जान क्लेवरिंग, जॉर्ज मॉनसन, फिलिप फ्रांसिस तथा रिचर्ड बारवेल थे। परिषद् के सदस्यों का कार्यकाल 05 वर्ष था।

7. कथन(A)– फॉक्स इण्डिया बिल–1783 ई. का कंपनी ने पूर्ण रूप से विरोध किया था।
कारण(R)– यदि यह बिल पारित हो जाता तो कम्पनी एक राजनैतिक शक्ति के रूप में समाप्त हो जाती। (CDS-2008)
(1) A व R दोनों सही है, R,A की सही व्याख्या है।
(2) A व R दोनों सही है, R,A की सही व्याख्या नही है।
(3) A सही परन्तु R गलत (4) A गलत परन्तु R सही (1)

☞ **व्याख्या–** फॉक्स इंडिया बिल को वास्तव में बर्क तथा फिलिप फ्रांसिस ने तैयार किया था। इस बिल का कम्पनी ने पूर्ण रूप से विरोध किया क्योंकि यदि यह बिल पारित हो जाता तो कम्पनी एक राजनैतिक शक्ति के रूप में समाप्त हो जाती थी। हाउस ऑफ कामन्स में पारित होने के बाद यह बिल हाउस ऑफ लार्डस में पारित नहीं हो सका और लॉर्ड नार्थ तथा फॉक्स की सरकार को 18 दिसम्बर, 1783 ई. को त्याग पत्र देना पड़ा था। यह पहला व अन्तिम अवसर था। जब कोई ब्रिटिश सरकार भारतीय मामले पर गिर गई थी।

8. पिट्स इण्डिया एक्ट– 1784 ई. की विशेषता थी– (IAS-2007)
(1) कम्पनी की व्यापारिक तथा राजनैतिक गतिविधियों को एक दूसरे से पृथक कर दिया गया।
(2) इस एक्ट से द्वैध शासन की शुरूआत हुई।
(3) गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी परिषद् में सदस्यों की संख्या चार से घटाकर तीन कर दी गई।
(4) उक्त सभी (4)

☞ **व्याख्या–** पिट्स इंडिया एक्ट 1784 ई. का उद्देश्य ब्रिटिश संसद द्वारा कम्पनी पर अपने प्रभाव को अधिक मजबूत करना अर्थात् ब्रिटिश सरकार का कम्पनी के प्रशासन में हस्तक्षेप बढ़ाना था। इस एक्ट द्वारा 6 सदस्यीय नियंत्रण मण्डल का गठन किया गया जिसे भारत के प्रशासन के बारे में निरीक्षण, निर्देशन तथा नियंत्रण संबंधी विस्तृत अधिकार किये गये थे। इसका मुख्य कार्य कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स की नीति को नियन्त्रित करना था। इन 6 सदस्यों में दो पदेन सदस्यों विदेश मंत्री व वित्त मंत्री चान्सलर ऑफ एक्सचैकर के अलावा चार प्रिवी कौंसिल के होते थे। जिनकी नियुक्ति व पदमुक्ति का अधिकार ब्रिटिश सम्राट को था। कम्पनी के वाणिज्य संबंधी विषयों को छोड़कर सभी सैनिक, असैनिक तथा राजस्व संबंधी मामलों को इस नियंत्रण मण्डल के अधीन किया गया। कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स के लिए नियंत्रण मंडल के आदेशों का पालन करना अनिवार्य कर दिया था। इस प्रकार इस एक्ट द्वारा सर्वप्रथम कम्पनी की व्यापारिक एवं राजनैतिक गतिविधियों को एक दूसरे से अलग कर दिया था। एक्ट द्वारा संचालक मंडल में से तीन सदस्यों की एक गुप्त समिति गठित की गई, जिसका कार्य भारत में गोपनीय आदेश प्रेषित करना था। ये आदेश अन्य संचालकों को नहीं बताये जाते थे। इस एक्ट द्वारा द्वैध शासन की शुरूआत हुई थी। एक कम्पनी के कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स की तथा दूसरी ब्रिटिश संसद के बोर्ड ऑफ कन्ट्रोल की थी।

☞ **व्याख्या–** 1892 के एक्ट के पारित होने से पहले वायसराय की कार्यकारी परिषद् में सदस्य का चुनाव कैसे हो, इस पर सर्वाधिक विचार हुआ और इस समस्या का निराकरण किम्बरले धारा से निकाला गया था। जिसके तहत् जनता का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्थाएँ वायसराय को अपने प्रतिनिधि मनोनीत करके उनके नाम भेजेगी और वायसराय उनमें से चयन करेगा, इस प्रकार एक निर्वाचन पद्धति का आरम्भ हुआ था।

144. मार्ले–मिण्टो सुधारों का भीतरी/आंतरिक रूप से कूटनीतिक लक्ष्य क्या था–
(1) भारत मे उत्तरदायी सरकार की स्थापना
(2) नरम दल वालो को सरकार के पक्ष मे जुटाना
(3) भारत मे एक समुदाय को दुसरे के विरूद्ध लड़ाना
(4) उग्रवादी आन्दोलन को विनपट करना (3)

145. निम्न में से किस अधिनियिम ने भारत के वित्त पर गवर्नर जनरल द्वारा व्यापक नियंत्रण स्थापित करके भारत सरकार के एकात्मक स्वरूप को सशक्त किया गया था– (NVS-PGT-2015)
(1) 1909 का एक्ट (2) 1773 के रेग्युलेटिंग एक्ट
(3) 1784 का पिट्स इंडिया एक्ट
(4) 1833 कर चार्टर एक्ट (3)

☞ **व्याख्या–** 1784 के एक्ट द्वारा भारत का कानूनी केन्द्रीकरण किया गया था।

146. निम्न में से किस गवर्नर जनरल ने सबसे पहले पृथक निर्वाचन मण्डल की व्यवस्था, मुसलमानों के भरोसे को जीतने एवं उन्हे कांग्रेस के विद्धध करने के लिये इस्तेमाल किया था– (UPPSC-2009)
(1) लॉर्ड कर्जन (2) लॉर्ड इरविन
(3) लॉर्ड हार्डिग (4) लॉर्ड मिण्टो (4)

147. किस तिथि को महारानी विक्टोरिया का घोषणा पत्र पढ़कर सुनाया गया था– (SSC-2011)
(1) 1 जून, 1858 ई. (2) 1 नवम्बर, 1857 ई.
(3) 1 नवम्बर, 1858 ई. (4) 1 जून, 1857 ई. (3)

☞ **व्याख्या–** 1 नवम्बर, 1858 ई. को इलाहाबाद में आयोजित दरबार में लॉर्ड कैनिंग ने ब्रिटिश महारानी विक्टोरिया की उद्घोषणा को पढ़ा था। इसके द्वारा भारत में कम्पनी का शासन समाप्त हुआ व भारत का शासन सीधे क्राउन के अधीन आ गया था।

148. किस गवर्नर जनरल ने 1 नवम्बर 1858 को महारानी विक्टोरिया का घोषणा पत्र पढ़कर सुनाया था– (SSC-2008)
(1) लॉर्ड विलियम बेंटिक (2) लॉर्ड कर्जन
(3) लॉर्ड कैनिंग (4) लॉर्ड इरविन (3)

149. 1 नवम्बर 1858 को महारानी विक्टोरिया का घोषणा पत्र लॉर्ड कैनिंग ने पढ़कर सुनाया था– (NET-2006)
(1) दिल्ली में (2) लंदन में
(3) मद्रास
(4) इलाहाबाद में (4)

☞ **व्याख्या–** इस उद्घोषणा द्वारा गवर्नर जनरल को वायसराय भी कहा जाने लगा। देशी रियासतों के लिए ब्रिटिश क्राउन के प्रतिनिधि के रूप में गवर्नर जनरल वायसराय की हैसियत से कार्य करता था तथा ब्रिटिश भारत के प्रशासन के रूप में उसका पद्नाम गवर्नर जनरल ही रहा। लॉर्ड कैनिंग भारत का पहला वायसराय बना था। इस उद्घोषणा में ब्रिटिश साम्राज्य के विस्तार पर रोक लोगो के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करना, सब को एक समान कानूनी संरक्षण उपलब्ध कराना, लोगों के प्राचीन अधिकारों और रीति रिवाजों के प्रति सम्मान व्यक्त करना, गोद लेने का अधिकार आदि वायदे क्राउन द्वारा भारतीय जनता से किए गये थे।

150. महारानी विक्टोरिया को भारत की साम्राज्ञी नियुक्त कब किया गया था– (IAS-1997)
(1) 1857 ई. (2) 1858 ई.
(3) 1861 ई. (4) 1863 ई. (2)

151. मोण्टेग्यू चेम्सफोर्ड रिपोर्ट निम्न मे से किस अधिनियम का आधार बनी थी– (HTET-2013)
(1) भारतीय स्वतत्रंता अधिनियम, 1947
(2) भारतीय परिषद् अधिनियम, 1909
(3) भारत सरकार अधिनियम, 1919
(4) भारत सरकार अधिनियम, 1935 (3)

152. मार्च 1925 मे निम्न में से किसको केन्द्रीय लेजिस्लेटिव असेम्बली का अध्यक्ष चुना गया था–
(1) सी. आर. दास (2) मोतीलाल नेहरू
(3) मदन मोहन मालवीय (4) विट्ठल भाई पटेल (4)

153. ऑल इंडिया वुमेन्स कॉन्फ्रेंस की स्थापना कब की गई थी– (NDA-2009)
(1) 1922 ई. (2) 1927 ई.
(3) 1929 ई. (4) 1932 ई. (2)

☞ **व्याख्या–** ऑल इण्डिया वीमेंस कॉन्फ्रेंस की स्थापना 1927 मारग्रेट कजिन्स/ग्रेटा कजिन्स द्वारा पूना में की थी। महिला शिक्षा को बढ़ावा दिया तथा महिला अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर आवाज उठायी। AIWC की प्रथम सचिव कमला चटोपाध्याय थी। ''रोशनी'' नामक पत्रिका प्रकाशन किया हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपती थी।

154. द्वैध शासन का जनक निम्नलिखित में से किसे माना जाता था– (HTET-2013)
(1) लॉर्ड क्लाइव (2) हेक्टर मूनरो
(3) लॉर्ड मैकाले (4) सर लियोनिस कर्टिस (4)

155. भारत का पहला नगर निगम कहाँ स्थापित हुआ था– (BPSC-2011)
(1) कलकत्ता (2) मद्रास (3) बम्बई (4) दिल्ली (2)

156. निम्न में से किसने ब्रिटिश युग की केंन्द्रीय लेजिस्लेटिव असेम्बली तथा स्वतंत्र भारत की संसद में अध्यक्ष का पद संभाला था– (हिमाचल प्रदेश असिस्टेंट प्रोफेसर-2016)
(1) सर अब्दुल रहीम (2) जी. वी. मावलंकर
(3) अनंत श्यनम आयगंर (4) विट्ठलभाई पटेल (2)

206. पिट्स इंडिया एक्ट द्वारा कितने सदस्यी नियंत्रण मण्डल का गठन किया गया था– (NVS-PGT-2009)
(1) 5 (2) 6 (3) 4 (4) 8 (2)

☞ **व्याख्या–** पिट्स इण्डिया एक्ट द्वारा 6 सदस्यों नियंत्रण मण्डल का गठन किया गया था। जिसे भारत के प्रशासन के बारे में निरीक्षण निर्देशन तथा नियंत्रण संबंधी विस्तृत अधिकार दिये गये थे। इसका मुख्य कार्य कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स की नीति को नियंत्रित करना था। इन 6 सदस्यों में दो पदेन सदस्यों विदेशमंत्री (राज्य सचिव) व वित्त मंत्री (चान्सलर ऑफ एक्सचेकर) के अलावा चार प्रिवी कौंसिल के सदस्य होते थे।

207. पिट्स इण्डिया एक्ट द्वारा संचालक मंडल में कितने सदस्यों की एक गुप्त समिति गठित की गई थी– (HTET-2012)
(1) पांच (2) चार
(3) छः (4) तीन (4)

☞ **व्याख्या–** पिट्स इण्डिया एक्ट द्वारा संचालक मण्डल में से तीन सदस्यों की एक गुप्त समिति गठित की गई, जिसका कार्य भारत में गोपनीय आदेश प्रेषित करना था। ये आदेश अन्य संचालकों को नहीं बताये जाते थे।

208. पिट्स इण्डिया एक्ट द्वारा द्वैध शासन की की शुरूआत हुई यह द्वैध शासन व्यवस्था कब तक जारी रही थी–(RPSC School Lect.-2009)
(1) 1840 ई. (2) 1858 ई.
(3) 1830 ई. (4) 1790 ई. (2)

☞ **व्याख्या–** 1858 ई. में बोर्ड ऑफ कन्ट्रोल को समाप्त कर भारत परिषद् का गठन किया गया था बोर्ड ऑफ कन्ट्रोल के अध्यक्ष को ही भारत सचिव बनाया गया था। पिट्स इण्डिया एक्ट 1784 ई. द्वारा द्वैध शासन की शुरूआत हुई थी। एक कम्पनी के कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स की तथा दूसरी ब्रिटिश संसद के बोर्ड ऑफ कन्ट्रोल की। यह द्वैध शासन व्यवस्था 1858 ई. तक जारी रहा था।

209. पिट्स इण्डिया एक्ट द्वारा गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी परिषद् की सदस्यों की कितनी कर दी गई थी– (KVS-PGT-2016)
(1) तीन (2) चार (3) दो (4) पांच (1)

☞ **व्याख्या–** पिट्स इण्डिया एक्ट द्वारा गवर्नर की कार्यकारिणी परिषद् के सदस्यों की संख्या चार से घटाकर तीन कर दी गई थी। जिसमें एक प्रधान सेनापति को पदेन सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। अब अगर परिषद् में एक सदस्य भी गवर्नर जनरल के पक्ष में होता तो वह वीटो द्वारा अपनी बात मनवा सकता था।

210. एमेण्डमेंट एक्ट किस वर्ष में पारित किया गया था– (DSSSB-PGT-2018)
(1) 1800 ई. (2) 1780 ई. (3) 1786 ई. (4) 1784 ई. (3)

☞ **व्याख्या–** एमेण्डमेंट एक्ट का उद्देश्य लॉर्ड कॉर्नवालिस को बंगाल के गवर्नर जनरल पद के लिए तैयार करना था। इस एक्ट द्वारा मुख्य सेनापति की शक्तियाँ गवर्नर जनरल में निहित कर दी गई। उसे इस बात का अधिकार भी दिया गया कि वह अपने उत्तरदायित्व पर कम्पनी कार्यकारिणी परिषद् के निर्णयों के विरूद्ध कार्रवाई कर सके।

211. किस एक्ट द्वारा कम्पनी के व्यापारिक अधिकारों को 20 वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया था– (कर्नाटक असिस्टेंट प्रोफेसर-2016)
(1) 1600 ई. का चार्टर एक्ट (2) 1726 ई. का चार्टर एक्ट
(3) 1813 ई. का चार्टर एक्ट (4) 1793 ई. का चार्टर एक्ट (4)

☞ **व्याख्या–** 1793 ई. का चार्टर द्वारा नियंत्रण मंडल के सदस्यों व कर्मचारियों को वेतन भारतीय राजस्व से दिया जाने लगा था। यह व्यवस्था 1919 ई. तक जारी रही। 1919 ई. में भारत परिषद् व भारत सचिव का वेतन ब्रिटिश कोष से दिये जाने लगे। इस एक्ट के तहत मुख्य सेनापति की गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी परिषद् का पदेन सदस्य होने का अधिकार समाप्त हो गया था।

212. किस एक्ट द्वारा ईस्ट इंडिया कंपनी के भारतीय व्यापार के एकाधिकार को समाप्त कर दिया गया था–
(1) 1726 ई. का चार्टर एक्ट (2) 1600 ई. का चार्टर एक्ट
(3) 1813 ई. का चार्टर एक्ट
(4) 1793 ई. का चार्टर एक्ट (3)

☞ **व्याख्या–** इस एक्ट द्वारा सभी ब्रिटिश व्यापारियों को भारत के साथ व्यापार करने की अनुमति दी यही इस चार्टर काा उद्देश्य था।

213. किस एक्ट में शिक्षा पर एक लाख रूपये की धनराशि प्रतिवर्ष अलग से रखने का प्रावधान पहली बार कियाा गया था– (HTET-2012)
(1) 1813 ई. का चार्टर एक्ट (2) 1600 ई. का चार्टर एक्ट
(3) 1773 ई. का चार्टर एक्ट (4) 1793 ई. का चार्टर एक्ट (1)

214. किस एक्ट द्वारा कम्पनी का व्यापारिक अधिकार पूर्णतः समाप्त कर दिया गया था– (RTET-2012)
(1) 1600 ई. का एक्ट (2) 1793 ई. का एक्ट
(3) 1773 ई. का एक्ट (4) 1833 ई. का एक्ट (4)

215. किस एक्ट द्वारा बंगाल का गवर्नर जनरल का पद भारत का गवर्नर पद के नाम से जाना जाने लगा था– (SSC-2011)
(1) 1600 ई. का एक्ट (2) 1773 ई. का एक्ट
(3) 1833 ई. का एक्ट (4) 1853 ई. का एक्ट (3)

☞ **व्याख्या–** 1833 ई. के एक्ट द्वारा जनरल की कार्यकारिणी परिषद् के सदस्यों की संख्या पुनः चार कर दी गई थी।

216. गवर्नर जनरल परिषद् में प्रथम विधि सदस्य कौन बना था– (MPPSC-2009)
(1) लॉर्ड डलहौजी (2) मैकाले
(3) लॉर्ड कैनिंग (4) लॉर्ड रिपन (2)

217. 1833 ई. के एक्ट की कौनसी धारा द्वारा नियुक्तियों के लिए योग्यता सम्बन्धी मापदण्डों के निर्धारित किया गया था– (IAS-2008)
(1) 50वीं (2) 87वीं
(3) 85वीं (4) 91वीं (2)

☞ **व्याख्या–** 1833 ई. का अधिनियम की 87वीं धारा द्वारा नियुक्तियों के लिए योग्यता संबंधी मापदण्डों को निर्धारित किया गया व नियुक्तियों में भारतीयों के साथ धर्म, जाति एवं रंग के आधार पर भेदभाव को समाप्त किया गया था।

20 संविधान सभा से संविधान निर्माण तक – प्रमुख विशेषताएँ व तथ्य

1. भारत के संविधान का निर्माण निम्नलिखित में से किसके द्वारा किया गया था– (SSC-2017)
(1) भारतीय संसद द्वारा (2) ब्रिटिश महारानी द्वारा
(3) संविधान सभा द्वारा (4) उक्त में से कोई नहीं (3)

2. संविधान सभा के सर्वप्रथम दर्शन निम्नलिखित में से कहाँ मिलते है– (MPPSC-2018)
(1) क्रिप्स मिशन में (2) गाँधी के स्वराज्य विधेयक में
(3) नेहरू के रिपोर्ट कार्ड में
(4) बाल गंगाधर तिलक के स्वराज्य विधयेक में (4)

3. भारत के संविधान की रचना हेतु संविधान सभा का विचार निम्न में से किसने सर्वप्रथम प्रस्तुत किया था– (SSC-2022)
(1) क्रिप्स मिशन 1942 (2) मुस्लिम लीग 1942
(3) कैबिनेट मिशन 1946 (4) स्वराज्य पार्टी 1924 (4)

☞ **व्याख्या–** मोतीलाल नेहरू के नेतृत्व में स्वराजियों ने 1924 ई. में एक संशोधन प्रस्तुत किया और मांग की कि भारतीय संविधान का निर्माण भारतीय संविधान सभा के द्वारा ही होनी चाहिए।

4. ''मैं भारत के लिये ऐसा संविधान चाहता हूँ जो उसे गुलामी और अधीनता से मुक्त करे, मैं ऐसे भारत के लिये प्रयास करूंगा जिसे गरीब व्यक्ति भी अपना माने और लगे कि देश को बनाने में उसकी भी भागीदारी है, ... मैं इससे कम पर संतुष्ट नहीं होऊंगा।''
उक्त कथन किसका है– (राजस्थान वि. वि. -2012)
(1) महात्मा गाँधी (2) डॉ. अम्बेडकर
(3) मोतीलाल नेहरू (4) एम. एन. राय (1)

5. कथन (1)– सन् 1924 में स्वराज पार्टी के नेता मोतीलाल नेहरू ने संविधान सभा के गठन की मांग की थी।
कथन (2)– सन् 1928 में पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी प्रसिद्ध नेहरू रिपोर्ट में कांग्रेस के नेताओं के साथ भारत का एक संविधान बनाया। (HTET-2013)
(1) 1,2 दोनों सही (2) केवल 2 सही है
(3) केवल 1 सही (4) 1,2 दोनों गलत (3)

☞ **व्याख्या–** मोतीलाल नेहरू के नेतृत्व में स्वराजियों ने 1924 ई. में एक संशोधन प्रस्तुत किया और मांग कि भारतीय संविधान का निर्माण भारतीय संविधान सभा के द्वारा होना चाहिए था। साइमन कमीशन की नियुक्ति के समय भारत सचिव लॉर्ड बर्किनहैड़ ने भारतीयों के समक्ष एक चुनौती रखी कि वे एक ऐसा संविधान बनाये जो सभी भारतीयों को मान्य हो। इस चुनौती को स्वीकार कर भारतीय नेताओं ने 28 फरवरी, 1928 को दिल्ली में डॉ. अंसारी अध्यक्षता में सर्वदलीय सम्मेलन का आयोजन किया था। इसमें ऐसे संविधान के निर्माण की योजना का प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें पूर्ण उत्तरदायी सरकार की व्यवस्था हो। नेहरू रिपोर्ट का विषय था ''भारत में संवैधानिक व्यवस्थाएँ''। नेहरू रिपोर्ट का प्रारूप मोतीलाल नेहरू एवं सप्रू ने तैयार किया था।

6. सन् 1934 में भारत में संविधान निर्मात्री सभा का विचार सर्वप्रथम किसने प्रस्तुत किया था– (हरियाणा असिस्टेंट प्रोफेसर-2014)
(1) एम. एन. राय (2) एम. के. गाँधी
(3) बी. जी. तिलक (4) बी. आर. अम्बेडकर (1)

7. सर्वप्रथम किसने प्रस्ताव दिया था कि– ''भारत के संविधान का निर्माण एक निर्वाचित संविधान सभा द्वारा किया जायेगा।''– (SSC-2017)
(1) मुस्लिम लीग ने (2) साइमन कमीशन ने
(3) क्रिप्स मिशन ने (4) कैबिनेट मिशन ने (3)

☞ **व्याख्या–** क्रिप्स प्रस्ताव के प्रमुख बिन्दु निम्न थे–

- क्रिप्स ने भारत आते ही अपना प्रस्ताव 25 मार्च को भारतीय नेताओं के सामने रखा व 29 मार्च, 1942 को जनता के सामने रखा था।
1. भारत को डोमिनियन स्टेट का दर्जा और एक भारतीय संघ की स्थापना यह संघ विदेशी नीति के मामले में स्वतंत्र होगा।
2. युद्ध समाप्ति के बाद नये संविधान के निर्माण हेतु संविधान निर्मात्री परिषद् का गठन जिसमें ब्रिटिश भारत व देशी रियासतो के प्रतिनिधि शामिल होंगे।
3. ब्रिटिश सरकार नये संविधान को निम्नलिखित शर्तो पर स्वीकार करेगी।
(A) जो प्रान्त भारतीय संघ में शामिल नहीं होना चाहते वे पृथक संविधान बना सकते है। देशी रियासतों को भी भारतीय संघ से अलग होने व पृथक संविधान बनाने का अधिकार होगा।
(B) अल्पसंख्यकों के हितो की रक्षा हेतु प्रावधान
(C) उक्त व्यवस्था लागू होने तक भारत की सुरक्षा का दायित्व ब्रिटेन पर होगा तथा गवर्नर की शक्तियाँ यथावत रहेगी। युद्ध के दौरान कार्यकारी परिषद् का गठन किया था जिसमें भारतीय जनता के मुख्य वर्गो के प्रतिनिधि होंगे।
- किप्स प्रस्ताव पूर्ववर्ती प्रस्तावों से अनेक अर्थो में भिन्न भी था जैसे–
1. संविधान निर्माण का अधिकार अब केवल भारतीयों को दिया जाएगा।
2. पहली बार संविधान निर्मात्री सभा के गठन की ठोस योजना बनाई गई।
3. प्रान्तों को पृथक संविधान बनाने का अधिकार देकर अप्रत्यक्ष रूप से भारत के विभाजन को स्वीकार किया गया था।
4. भारतीयों को प्रशासन में पूरी भागीदारी दी गई।
5. भारतीय संघ को ब्रिटिश राष्ट्रमण्डल से संबंध विच्छेद करने का अधिकार दिया गया था।

8. निम्न में से किस योजना/अधिनियम के तहत भारतीय संविधान सभा का गठन किया गया था– (SSC-2018)
(1) क्रिप्स मिशन (2) कैबिनेट मिशन योजना
(3) 1935 का अधिनियम (4) 1947 का अधिनियम (2)

☞ **व्याख्या–** संविधान सभा में विभाजन के बाद 31 दिसम्बर 1947 को विभिन्न प्रान्तों से सदस्यों की संख्या इस प्रकार थी–

- संयुक्त प्रान्त– 55
- बम्बई– 21
- बिहार– 36
- मध्यप्रान्त तथा बरार– 17
- मद्रास– 49
- उड़ीसा– 9
- पश्चिमी बंगाल– 19
- दिल्ली– 1
- पूर्वी पंजाब– 12
- कुर्ग– 1
- आसाम– 8
- अजमेर–मेरवाड़ा– 1
- हैदराबाद रियासत ने कोई प्रतिनिधि संविधान सभा के लिए नामांकित नहीं किया था। सभी देशी रियासतों में हैदराबाद सबसे बड़ी थी। हैदराबाद रियासत द्वारा सदस्य नहीं भेजे जाने पर संविधान सभा में सबसे ज्यादा सात सदस्य मैसूर रियासत से थे। जबकि 6 सदस्य ट्रावनकोर से थे। राजस्थान की सभी रियासतों से संविधान सभा 12 सदस्य नांमाकित किये थे।

30. संविधान सभा में सबसे ज्यादा सदस्य किस रियासत से थे– (छतीसगढ़ असिस्टेंट प्रोफेसर-2018)
(1) मैसूर (2) ट्रावणकौर
(3) बरार (4) खेतड़ी (1)

☞ **व्याख्या–** संविधान सभा में सबसे ज्यादा प्रतिनिधि 7 मैसूर रियासत से थे। महात्मा गाँधी ने मैसूर राज्य की तुलना रामराज्य से की थी।

31. संविधान सभा की पहली बैठक में कुल कितनी महिलाओं ने भाग लिया था– (IAS-2004)
(1) 8 (2) 10 (3) 12 (4) 15 (2)

☞ **व्याख्या–** संविधान सभा की पहली बैठक में 10 महिलाओं ने भाग लिया था। संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसम्बर 1946 ई. को दिल्ली में हुई। मुस्लिम लीग ने इसका बहिष्कार किया। पहली बैठक में केवल 211 सदस्यों ने भाग लिया था।

32. निम्नलिखित में से किसने संविधान सभा को मूर्त रूप दिया था–
(1) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (2) डॉ. भीमराव अम्बेडकर
(3) प. जवाहरलाल नेहरू (4) के.एम. मुंशी (3)

33. संविधान सभा में चार चीफ कमीशनर क्षेत्रों को सीटें आवंटित थी, निम्न में से कौन चीफ कमीशनर क्षेत्र में शामिल नहीं था– (NDA-2013)
(1) अजमेर–मेरवाड़ा (2) बरार–त्रावणकौर
(3) कुर्ग व दिल्ली (4) बलुचिस्तान (2)

☞ **व्याख्या–** ब्रिटिश भारत के चार कमिश्नर क्षेत्र थे– अजमेर–मेरवाड़ा, बलुचिस्तान, कुर्ग, दिल्ली थे।

34. संविधान निर्मात्री सभा में राजस्थान से शामिल मनोनित सदस्यों को संबंधित रियासत के साथ सुमेलित कीजिये। (RPSC S.I.-2014)

सूची–I	सूची–II
(A) वी.टी. कृष्णमाचारी	– 1. भरतपुर
(B) रामचन्द्र उपाध्याय	– 2. अलवर
(C) सरदार सिंह	– 3. जयपुर
(D) राय बहादुर	– 4. खेतड़ी

(1) (A) 1(B) 2(C) 4(A) 3
(2) (A) 3(B) 2(C) 1(A) 4
(3) (A) 3(B) 2(C) 4(A) 1
(4) (A) 4(B) 2(C) 1(A) 3 (3)

35. संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन कहाँ पर हुआ था– (NDA-2018)
(1) दिल्ली (2) मुंबई
(3) कराची (4) हैदराबाद (1)

36. संविधान सभा में राजस्थान से कुल कितने सदस्य नामांकित किये गये थे–
(1) 8 (2) 10
(3) 11 (4) 12 (4)

☞ **व्याख्या–** संविधान सभा में राजस्थान से 12 सदस्य नामित थे।

क्र.स.	नाम	रियासत
1.	रामचन्द्र उपाध्याय	अलवर
2.	श्री दलेल सिंह	कोटा
3.	श्री गोकुल लाल आसवा	शाहपुरा (भीलवाड़ा)
4.	श्री जसवंत सिंह	बीकानेर
5.	श्री मुकुट बिहारी भार्गव	अजमेर–मेरवाड़ा
6.	श्री वी. टी. कृष्णमाचारी	जयपुर
7.	श्री हीरालाल शास्त्री	जयपुर
8.	श्री सरदार सिंह	खेतड़ी
9.	श्री राय बहादुर	भरतपुर
10.	श्री बलवंत सिंह मेहता	उदयपुर
11.	श्री माणिक्य लाल वर्मा	उदयपुर
12.	श्री जयनारायण व्यास	जोधपुर

37. निम्न में से कौन संविधान सभा के उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष थे– (SSC-2014)
(1) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (2) डॉ. भीमराव अम्बेडकर
(3) सच्चिदानंद सिन्हा (4) के.एम. मुंशी (3)

38. वह कौनसे अंतिम गवर्नर जनरल थे, जिन्होनें संविधान सभा को संबोधित किया था–
(1) लॉर्ड डलहौजी (2) लॉर्ड माउण्ट बेटन
(3) लॉर्ड वैवेल (4) लॉर्ड लिनलिथगो (2)

39. भारतीय संविधान को अधिनियमित व अंगीकृत कब किया गया था–
(1) 26 नवम्बर, 1948 (2) 30 नवम्बर, 1949
(3) 26 नवम्बर, 1949 (4) 24 जनवरी, 1950 (3)

40. भारतीय संविधान के कुछ उपबंध 26 नवम्बर 1949 को ही लागू हो गये, निम्न में से कौनसे प्रावधान 26 नवम्बर 1949 से ही लागू है– (SSC-2017)
(1) नागरिकता
(2) निर्वाचन व आपातकालीन उपबंध
(3) अन्तरिम संसद (4) उक्त सभी (4)

41. संविधान सभा के एकमात्र सदस्य जो अंग्रेजी नहीं जानते थे– (SSC-2011)
(1) के.एम. मुंशी (2) डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा
(3) सिब्बन लाल सक्सेना (4) जी.वी. मावलंकर (3)

21 गवर्नर जनरल

1. भारत के प्रथम गवर्नर जनरल निम्नलिखित में से कौन थे–
(1) लॉर्ड डलहौजी (2) वॉरेन हेस्टिंग्स
(3) लॉर्ड विलियम बेंटिक (4) लॉर्ड माउंटबेटन (3)

☞ **व्याख्या–** 1833 के चार्टर एक्ट द्वारा बंगाल का गवर्नर जनरल भारत का गवर्नर जनरल बना इस प्रकार विलियम बेंटिक भारत का प्रथम गवर्नर जनरल बना था।

2. बंगाल के प्रथम गवर्नर उपरोक्त में से कौन थे–
(MLSU Phd Entrance Exam-2018)
(1) विलियम हैजेज (2) वॉरेन हैस्टिंग्स
(3) लॉर्ड कैनिंन (4) लॉर्ड माउंटबेटन (1)

☞ **व्याख्या–** क्लाइव भारत के ब्रिटिश शासक का वास्तविक संस्थापक था और यह दो बार बंगाल का गवर्नर रहा था। प्लासी का युद्ध – 1757 इलाहाबाद की सन्धि– 1765 ई. आदि क्लाइव के कार्यकाल की प्रमुख घटनाएँ थी। बंगाल में द्वैध शासन का संस्थापक, श्वेत विद्रोह का दमना कंपनी के कर्मचारियों द्वारा निजी व्यापार पर रोक लगाने के लिए ''सोसाइटी फॉर ट्रैड'' की स्थापना। क्लाइव के विरूद्ध महाभियोग लाया गया। क्लाइव के जीवन का दुखद अन्त आत्महत्या द्वारा हुआ। कम्पनी का सैनिक और असैनिक सुधार करने का श्रेय क्लाइव को है।

3. ब्रिटिश भारत के अन्तिम गवर्नर जनरल कौन थे–
(1) लॉर्ड माउंटबेटन (2) लॉर्ड डलहौजी
(3) लॉर्ड कैनिंग (4) लॉर्ड मिन्टो (3)

4. स्वतंत्र भारत का प्रथम गवर्नर जनरल कौन थे– (UPPSC-2016)
(1) लॉर्ड माउंटबेटन (2) लॉर्ड डलहौजी
(3) लॉर्ड कैनिंग (4) लॉर्ड मिंटो (1)

5. स्वतंत्र भारत के अन्तिम तथा प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल कौन थे–
(RTET-2012)
(1) सी. राजगोपालचारी (2) लॉर्ड कैनिंग
(3) लॉर्ड माउंटबेटन (4) लॉर्ड वॉरेन हेस्टिंग्स (1)

☞ **व्याख्या–** राजगोपालचारी स्वतंत्र भारत के प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल थे और वे भारत के अन्तिम गवर्नर जनरल भी थे। हैदाराबाद के निजाम के विरूद्ध पुलिस कार्रवाई। 26 नवम्बर, 1949 को भारत का संविधान बनकर तैयार हुआ जो 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ और इसी दिन डॉ. राजेन्द्र प्रसाद भारतीय गणतन्त्र के राष्ट्रपति मनोनीत हुए थे।

6. 'सुरक्षा प्रकोष्ठ' की नीति से निम्नलिखित में से कौन प्रमुख रूप से संबंधित था– (असम असिस्टेंट प्रोफेसर-2016)
(1) लॉर्ड कॉर्नवालिस (2) लॉर्ड हेस्टिंग्स
(3) लॉर्ड डलहौजी (4) वॉरेन हेस्टिंग्स (4)

☞ **व्याख्या–** देशी रियासतों के प्रति रिंग फेंस की नीति की शुरूआत सुरक्षा प्रकोष्ठ/घेरे की नीति/रिंग फैंस वॉरेन हेस्टिंग्स से संबंधित है।

7. भारत के प्रथम वायसराय निम्न में से कौन थे– (SSC-2004)
(1) लॉर्ड कैनिंग (2) वॉरेन हेस्टिंग्स
(3) लॉर्ड माउंटबेटन (4) लॉर्ड डलहौजी (1)

☞ **व्याख्या–** लॉर्ड कैनिंग भारत का अन्तिम गवर्नर जनरल था व 1858 के एक्ट द्वारा भारत का प्रथम वायसराय बना। लॉर्ड कैनिंग का कार्यकाल 1856 से 1862 ई. तक था। लॉर्ड कैनिंग के कार्यकाल की प्रमुख घटनाएँ–

- सामान्य सेवा भर्ती अधिनियम/जनरल सर्विस एनलिस्टमेंट एक्ट 1856 में पारित, हिन्दू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम–15, 1856 में कैनिंग के कार्यकाल के दौरान हुआ। 1857 के विद्रोही सैनिकों के साथ उदार व्यवहार करने के कारण उन्हें क्लीमेंसी/दयाशील की संज्ञा दी जाती है। इलाहाबाद में महारानी विक्टोरिया भारत की सम्राज्ञी घोषित, बम्बई, कलकत्ता, मद्रास में विश्वविद्यालयों की स्थापना। 1861 का भारतीय परिषद् अधिनियम विभागीय प्रणाली की शुरूआत। भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम के द्वारा कलकत्ता, बम्बई, मद्रास में उच्च न्यायालयों की स्थापना। भारतीय दण्ड संहिता मैकाले का कानून संग्रह की कुछ परिवर्तनों के साथ IPC के रूप में अस्तित्व में आया था। भारतीय दण्ड संहिता 1860 में लागू। इसका प्रारूप 1833 के एक्ट के तहत् मैकाले की अध्यक्षता में गठित पहले विधि आयोग के आधार पर बना। कुशल अंग्रेज अर्थशास्त्री जॉन विल्सन ने आर्थिक सुधार प्रारम्भ किए। विल्सन 1859 में भारत आया उसने तीन कर लगाने की सिफारिश की थी–
  1. आयकर 500 रूपये से अधिक की आय पर। भारत में पहली बार आयकर लागू किया गया।
  2. व्यापारी पर लाइसेंस कर।
  3. घरेलू तम्बाकू पर चुंगी।
- कंपनी और ब्रिटिश राज्य की सेना को एक साथ मिला दिया गया था। 1859 ई. में लॉर्ड कैनिंग के काल में 1859 में बंगाल किराया अधिनियम पारित हुआ यह आगरा, बिहार व मध्य प्रान्त पर लागू हुआ। 1860 का नील विद्रोह भी कैनिंग कार्यकाल में हुआ था।

8. कलकत्ता में एशियाटिक सोसायटी की स्थापना के समय बंगाल का गवर्नर जनरल निम्नलिखित में से कौन था–
(1) लॉर्ड कॉर्नवालिस (2) वॉरेन हेस्टिंग्स
(3) लॉर्ड वेलेजली (4) लॉर्ड कैनिंग (2)

☞ **व्याख्या–** सर विलियम जोन्स द्वारा 'एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल' की 1784 ई. में स्थापना की गई थी। 1785 में वॉरेन हेस्टिंग्स के इंग्लैण्ड लौटने के बाद हाउस ऑफ लार्डस में उसके विरूद्ध एडमंड बर्क, चार्ल्स जेम्स फॉक्स, शेरिडन और गिलबर्ट द्वारा महाभियोग की कार्यवाही शुरू की गई थी। एडवर्ड लॉ, फ्लूमर और हालास द्वारा उसकी रक्षा की गई। यह केस सात वर्षो तक चला और अन्त में हेस्टिंग्स को दोष मुक्त कर दिया गया था।

95. शेरशाह सूरी द्वारा बनवाई गई 'ग्रैंड ट्रंक रोड़' का नामकरण एवं मरम्मत किसने करवाई थी– (BPSC-2013)
(1) लॉर्ड ऑकलैण्ड (2) रॉबर्ट क्लाइव
(3) लॉर्ड कैनिंग (4) लॉर्ड रिपन (1)

☞ **व्याख्या–** लॉर्ड ऑकलैण्ड के कार्यकाल में 1838 ई. में अंग्रेज, रणजीतसिंह एवं शाहशुजा के बीच त्रिपक्षीय संधि हुई थी। 1839 ई. में कलकत्ता से दिल्ली तक शेरशाह सूरी मार्ग का पुनर्निर्माण किया गया था और इसका नाम बदलकर ग्रांड ट्रंक (G.T) रोड कर दिया गया। 1839–42 में प्रथम आंग्ल–अफगान युद्ध हुआ, जिसमें अंग्रेजों को अत्यधिक क्षति हुई एवं ऑकलैण्ड को बुला लिया गया था। ब्लैक एक्ट का निर्माण किया गया, जिसके द्वारा काले एवं गोरे का विभेद खत्म कर दिया गया था। लॉर्ड ऑकलैण्ड के कार्यकाल में सिक्ख शासक महाराजा रणजीत सिंह को 1839 ई. में मृत्यु हो गयी थी। भारतीय विद्यार्थियों को डॉक्टरी पढ़ाई हेतु विदेश जाने की अनुमति ब्रिटिश संसद ने प्रदान की। तीर्थ–यात्रा कर बंद कर दिया गया। दुर्गा–पूजा पर लगे प्रतिबंध हटा दिये गये। सिंचाई के लिए अनेक नहरों का निर्माण किया गया था।

96. भारत में किस गवर्नर जनरल ने दास प्रथा का अंत किया था– (NVS-PGT-2017)
(1) वॉरेन हेस्टिंग्स (2) लॉर्ड एलनबरो
(3) रॉबर्ट क्लाइव (4) लॉर्ड रिपन (2)

97. 1843 ई. में 'सिंध की विजय' किस भारत के गवर्नर जनरल ने की थी– (NET-2013)
(1) लॉर्ड एलनबरो (2) रॉबर्ट क्लाइव
(3) लॉर्ड कैनिंग (4) लॉर्ड रिपन (1)

☞ **व्याख्या–** लॉर्ड एलनबरो के कार्यकाल में 1843 ई. में चार्ल्स नेपियर के नेतृत्त्व में सिंध को अंग्रेजी साम्राज्य में मिला लिया गया। सिन्ध विलय प्रथम अफगान युद्ध (1839–42 ई.) का ही एक भाग था। सिन्धु नदी की व्यावहारिक उपयोगिता पूर्व में रूसी साम्राज्य का भय व अफगानिस्तान पर अंग्रेजों द्वारा नियंत्रण करने की इच्छा के कारण सिंध विलय किया गया। सिन्ध को जीतने वाले चार्ल्स नेपियर ने कहा कि हमे सिन्ध को जीतने का कोई अधिकार नहीं है। लेकिन हम फिर भी ऐसा करेंगे और यह बदमाशी का एक बहुत ही लाभदायक उपयोगी व मानवीय उदाहरण होगा। नेपियर ने यह भी कहा कि सिन्ध का विलय कोई एकाकी घटना नहीं है यह तो अफगान तूफान की पूँछ थी। नेपियर को सिन्ध का प्रथम गवर्नर बनाया गया था।

98. भारत में लॉर्ड डलहौजी के शासन काल में सर्वप्रथम किस वर्ष 'रेल लाइन का निर्माण' शुरू हुआ था– (SSC-2007)
(1) 1800 ई. (2) 1850 ई.
(3) 1853 ई. (4) 1865 ई. (3)

☞ **व्याख्या–** लॉर्ड डलहौजी के कार्यकाल में 16 अप्रैल, 1853 को भारत में प्रथम रेलगाड़ी बम्बई से थाणे (34 कि. मी.) तक चलाई गई। ध्यातव्य है कि डलहौजी को भारत में रेलवे का जनक कहा जाता है।

99. निम्न में से किस भारत के गवर्नर जनरल ने पूर्णतया नरबलि प्रथा पर प्रतिबंध लगा दिया था– (MLSU PG Entrance Exam-2016)
(1) विलियम बेंटिक (2) लॉर्ड एलनबरो
(3) लॉर्ड हार्डिंग (4) लॉर्ड रिपन (3)

☞ **व्याख्या–** लॉर्ड हार्डिंग प्रथम ने मध्य भारत में खोड़ जनजाति में प्रचलित नर हत्या की प्रथा को दमित कर दिया था। इसके लिए जनरल कैम्पबेल को नियुक्त किया गया था। नियुक्ति में अंग्रेजी भाषा की अनिवार्यता लागू कर दी गई। लॉर्ड हार्डिंग के समय में भारत में 'स्टैण्डर्ड यूनिट' का चलन शुरू हुआ। सूरत में ''नमक विद्रोह'' हार्डिंग के काल की प्रमुख घटना थी। इसके फलस्वरूप ''नमक कर'' को आधा कर दिया गया था।

100. भारत में किस गवर्नर जनरल को 'कट्टर सुधारवादी एवं साम्राज्यवादी' के रूप में जाना जाता है– (CDS-2013)
(1) लॉर्ड हार्डिंग (2) लॉर्ड डलहौजी
(3) रॉबर्ट क्लाइव (4) लॉर्ड रिपन (2)

☞ **व्याख्या–** लॉर्ड डलहौजी कट्टर सुधारवादी एवं साम्राज्यवादी प्रवृति का व्यक्ति था। उसने भारत के छोटे–छोटे राज्यों की समाप्त करने के लिए नयी नीति का प्रयोग किया था। उसकी यह नीति इतिहास में ''विलय नीति या हड़प नीति'' के नाम से प्रसिद्ध है। इसे गोद निषेध की संज्ञा भी दी जाती है। डलहौजी ने कम्पनी के अधीनस्थ राज्यों के शासकों के लिए गोद लेने हेतु निश्चित नियम बनाये इस संबंध ने उसने राज्यों को तीन श्रेणियों में विभक्त किया और उनके उत्तराधिकार में प्रश्न को नियंत्रित कर कम्पनी के साम्राज्य–विस्तार की योजनाएँ बनायी।

- राज्यों की श्रेणियाँ:–

प्रथम श्रेणी– वे राज्य जो कम्पनी के साथ सन्धि के पूर्व पूर्णतया स्वतंत्र थे।
द्वितीय श्रेणी– वे राज्य जो कम्पनी के साथ सन्धि करने के पहले स्वतंत्र नही थे।
तृतीय श्रेणी– वे राज्य जिनका निर्माण कम्पनी ने स्वयं दिया था।

101. भारत में डाकघर अधिनियम (1854) भारत के किस गवर्नर जनरल के शासनकाल में पारित हुआ था– (BPSC-2009)
(1) लॉर्ड डलहौजी (2) रॉबर्ट क्लाइव
(3) वॉरेन हेस्टिंग्स (4) लॉर्ड कैनिंग (1)

☞ **व्याख्या–** लॉर्ड डलहौजी के कार्यकाल में 1854 ई. में नया पोस्ट ऑफिस एक्ट पारित किया गया। इसी समय भारत में पहली बार ''डाक टिकट'' जारी किया गया था।

102. भारत में प्रथम विद्युत तार सेवा किस गवर्नर जनरल के शासनकाल में प्रारम्भ हुई थी– (DSSSB-PGT-2018)
(1) रॉबर्ट क्लाइव (2) लॉर्ड डलहौजी
(3) लॉर्ड एलनबरो (4) लॉर्ड रिपन (2)

103. भारत में प्रथम 'विद्युत तार सेवा' किन दो शहरों के बीच चलाई गई थी–
(1) मुबंई और ठाणे (2) कलकत्ता और आगरा
(3) मुबंई और दिल्ली (4) लखनऊ और दिल्ली (2)

☞ **व्याख्या–** 1853 ई. में प्रथम तार लाइन कलकत्ता से आगरा तक शुरू की गई थी।

104. सिविल सेवा के लिए प्रतियोगी परीक्षा की व्यवस्था निम्नलिखित में से किस गवर्नर जनरल के कार्यकाल में की गई थी– (NVS-PGT-2014)
(1) लॉर्ड कैनिंग (2) लॉर्ड रिपन
(3) लॉर्ड डलहौजी (4) लॉर्ड विलियम बेंटिक (3)

☞ **व्याख्या–** रणजीत सिंह के साथ 1809 ई. ''अमृतसर की संधि'' हुई, संधि पर अंग्रेजी की ओर से चार्ल्स मेटकॉफ ने हस्ताक्षर किये थे, इसमें रणजीत सिंह के राज्य की पूर्वी सीमा सतलज नदी निर्धारित की गई, जॉन मेलकम को भेजकर पर्शिया के शाह से संधि की थी। लॉर्ड मिन्टो ने चार्ल्स मेटकॉफ को लाहौर के शासक रणजीत ने संधि हेतु भेजा था।

183. 1813 ई. के चार्टर एक्ट पारित हुआ इस समय बंगाल का गवर्नर जनरल था– (कर्नाटक असिस्टेंट प्रोफेसर-2018)
(1) लॉर्ड हेस्टिंग्स (2) लॉर्ड मिण्टों प्रथम
(3) लॉर्ड विलियम बेंटिक (4) लॉर्ड कॉर्नवालिस (2)

184. निम्नलिखित में से किसने पिण्डारियों को मराठा शिकारियों के शिकारी कुत्तो की संज्ञा दी थी– (DU PG Entrance Exam-2012)
(1) मेल्कम (2) एण्डरसन
(3) स्पीडबर्न (4) वी. ए. स्मिथा (1)

185. तृतीय मराठा युद्ध के बाद हुई पूना संधि के अनुसार पेशवा को कितनी राशि की वार्षिक पेंशन देकर बिठुर (कानपुर) भेज दिया गया था–
(1) 18 लाख (2) 8 लाख
(3) 10 लाख (4) 12 लाख (2)

☞ **व्याख्या–** तृतीय मराठा युद्ध 1817–18 ई. में मराठों की करारी हार हुई, पेशवा का पद समाप्त कर दिया गया था। एवं उसके सभी प्रान्तों का विलय हो गया, पूना संधि द्वारा पेशवा बाजीराव द्वितीय को 8 लाख की पेंशन देकर बिठुर (कानपुर) भेज दिया गया था।

186. 1820–27 ई. में जब रैय्यतवाड़ी व्यवस्था को पूरे मद्रास प्रेसीडेन्सी में लागू किया गया उस समय मद्रास के गवर्नर निम्नलिखित में से कौन थे– (MLSU PG Entrance Exam-2012)
(1) कैप्टन रीड (2) थॉमस मुनरो
(3) विलियम बेंटिक (4) चामसकीर (2)

☞ **व्याख्या–** 1820–27 ई. में जब मुनरों मद्रास का गवर्नर बना तब उसने रैय्यतवाड़ी व्यवस्था को पूरे मद्रास प्रेसीडेन्सी में लागू किया था।

187. किस गवर्नर के कार्यकाल की प्रमुख घटना ''प्रेस पर – प्रतिबंध'' आरोपित करना था– (SET-2023)
(1) लॉर्ड एमहर्स्ट (2) लॉर्ड एडम्स
(3) विलियम बेंटिक (4) लॉर्ड हेस्टिंग्स (1)

☞ **व्याख्या–** एडम्स 7 माह के लिए एक अस्थाई गवर्नर जनरल थे जिनके शासनकाल की प्रमुख घटना ''प्रेस पर प्रतिबंध'' आरोपित करना था।

188. निम्नलिखित में से किस गवर्नर–जनरल के शासनकाल में प्रथम वर्मा युद्ध सम्पन्न हुआ था– (BPSC-2012)
(1) लॉर्ड एमहर्स्ट (2) लॉर्ड डलहौजी
(3) लॉर्ड विलियम बेंटिक (4) लॉर्ड विलियम बेंटिक (1)

189. निम्न में से किस गवर्नर–जनरल का सबसे उल्लेखनीय सुधार नौकरियों में भारतीयों को उच्च स्थान प्रदान करना था– (CDS-2012)
(1) कॉर्नवालिस (2) विलियम बेंटिक
(3) लॉर्ड कैनिंग (4) लॉर्ड रिपन (2)

☞ **व्याख्या–** लॉर्ड विलियम बेंटिक का सबसे उल्लेखनीय सुधार नौकरियों में भारतीयों को उच्च पद प्रदान करना था। लॉर्ड कॉर्नवालिस ने भारतीयों को अन्य पदो पर नियुक्त करना बन्द कर दिया था। बेंटिक ने इस नीति को अनुचित माना। उसने भारतीयों को अच्छे पदों पर बिना किसी भेदभाव के योग्यता के आधार पर नियुक्त करने की आज्ञा दे दी थी।

190. सूची–I का सूची–II के साथ मिलान करे– (छतीसगढ़ असिस्टेंट प्रोफेसर-2016)

सूची–I (राज्य)	सूची–II(वर्ष)
(A) मैसूर	(i) 1831 ई.
(B) कुर्ग	(ii) 1834 ई.
(C) कहार	(iii) 1832 ई.
(D) जयन्तियाँ	(iv) 1832 ई.

A B C D
(A) (i), (ii), (iii), (iv)
(B) (iv),(iii), (ii), (i)
(C) (iii),(ii), (i), (iv)
(D) (i), (ii), (iv), (iii) (A)

☞ **व्याख्या–** लॉर्ड विलियम बेंटिक ने साम्राज्यवादी नीति अनुसरण करते हुए बेंटिक ने मैसूर का 1831 ई. में, कुर्ग का 1834 ई. में, कहार एवं जयंतिया का 1832 में अंग्रेजी साम्राज्य में विलय कर दिया था।

191. लॉर्ड विलियम बेंटिक द्वारा किस वर्ष आगरा प्रान्त का सृजन किया गया था– (CDS-2013)
(1) 1834 ई. (2) 1836 ई. (3) 1832 ई. (4) 1830 ई. (1)

192. रमेश चन्द्र दत्त ने किस गवर्नर जनरल के विषय में लिखा है, कि ''उसने सार्वजनिक ऋण को कम किया, वार्षिक खर्चे को घटाया और बचत दिखायी। उत्तरी भारत में उसने लगान–व्यवस्था को सुधारा जिसमें जमीदारों तथा किसानों दोनों को राहत मिली थी''– (IAS-2011)
(1) वॉरेन हेस्टिंग्स (2) लॉर्ड कॉर्नवालिस
(3) विलियम बेंटिक (4) रिपन (3)

193. निम्नलिखित में से किस गवर्नर के कार्यकाल में राबर्ट माटिन बर्ड के निरीक्षण में पश्चिमोन्तर अन्त में नई भू–कर व्यवस्था लागू की गई थी– (MPPSC-2014)
(1) कॉर्नवालिस (2) जान लारेन्स
(3) विलियम बेंटिक (4) लार्ड कैनिंग (3)

194. किस गवर्नर जनरल ने जनता और शासन सुविधा की दृष्टि से आगरा में एक सुप्रीम कोर्ट की स्थापना की थी–
(1) विलियम बेंटिक (2) लॉर्ड कॉर्नवालिस
(3) लॉर्ड डफरिन (4) लॉर्ड हेस्टिंग्स (1)

☞ **व्याख्या–** जनता और शासन की सुविधा की दृष्टि से विलियम बेंटिक ने आगरा में एक सुप्रीम कोर्ट की स्थापना की थी। इलाहाबाद में एक बोर्ड ऑफ रेवेन्यू, सदर दीवानी तथा सदर निजामत अदालते स्थापित की थी। प्रान्तों के अपील और दौरा–न्यायालय भंग कर दिये गए। दीवानी न्यायालयों का कार्य सदर अदालत को तथा फौजदारी न्यायालयों का कार्य कमिश्नरों को दे दिया गया। न्यायालयों में फारसी के स्थान पर प्रादेशिक भाषाओं के प्रयोग की आज्ञा दे दी गई थी।

22 महात्मा गाँधीजी के भारत आगमन के बाद राष्ट्रीय आंदोलन से लेकर 1947 ई. में भारत को स्वतंत्रता प्राप्ति तक

1. महात्मा गाँधी ने नाटाल इण्डियन कांग्रेस की स्थापना किस वर्ष में की थी–
(1) 1890 ई. (2) 1896 ई.
(3) 1874 ई. (4) 1880 ई. (3)

☞ **व्याख्या–** 7 जून, 1893 ई. को गाँधीजी दक्षिणी अफ्रीका के पीटरमौरिट्जबर्ग स्टेशन पर प्रथम श्रेणी के रेल के डिब्बे से निकाल कर प्लेटफॉर्म पर फेंक दिये गए थे। इस समय गाँधीजी प्रीटोरिया से डरबन की यात्रा कर रहे थे। इसके बाद गाँधीजी ने 1894 ई. में ''नाटाल इंडियन कांग्रेस'' की स्थापना की थी।

2. गाँधीजी की अफ्रीका के स्टेशन पर प्रथम श्रेणी के रेल के डिब्बे से कब प्लेटफॉर्म पर फेंक दिया गया था–
(1) 7 जून, 1893 ई. (2) 7 जून, 1895 ई.
(3) 7 जून, 1844 ई. (4) 5 मई, 1894 ई. (1)

☞ **व्याख्या–** 7 जून, 1893 में गांधीजी को दक्षिणी अफ्रीका के पीटर मोरिट्जबर्ग स्टेशन पर प्रथम श्रेणी के रेल के डिब्बे से निकाल कर प्लेटकार्म पर फेंक दिया गया था।

3. महात्मा गाँधी ने सर्वप्रथम कब कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में भाग लिया था–
(1) 1905 ई. (2) 1901 ई.
(3) 1906 ई. (4) 1906 ई. (2)

☞ **व्याख्या–** 1901 ई. में गाँधीजी ने कांग्रेस के कलकत्ता में सर्वप्रथम भाग लिया, वे इस समय अपने दक्षिण अफ्रीका प्रवास के बीच में भारत आए थे और इस दौरान उन्होंने बम्बई में अपने विधि कार्यालय की भी स्थापना की थी।

4. महात्मा गाँधी ने कब डरबन के समीप फीनिक्स फार्म स्थापित किया था–
(1) 1908 ई. (2) 1907 ई.
(3) 1909 ई. (4) 1906 ई. (4)

☞ **व्याख्या–** गाँधीजी ने पारसी सेठ रूस्तमजी के सहयोग से 1906 ई. में डरबन के समीप फीनिक्स फॉर्म स्थापित किया था।

5. गाँधीजी ने कब जोहान्सबर्ग में सत्याग्रहियों के पुर्नवास के लिए टॉलस्टॉय फॉर्म स्थापित किया था–
(1) 1908 ई. (2) 1909 ई.
(3) 1909 ई. (4) 1917 ई. (3)

☞ **व्याख्या–** टॉल्स्टाय फार्म में गाँधीजी ने अपने जर्मन दोस्त कालेनबाख की मदद से सत्याग्रहियों के परिवार की पुनर्वास सुलझाई। इसमें भारत में भी काफी धन भेजा गया। टाटा समूह ने 25000 रूपये का सहयोग दिया तथा कांग्रेस, मुस्लिम लीग एवं हैदराबाद के निजाम ने भी आर्थिक मदद की थी।

6. पहली बार कब सत्याग्रह का प्रयोग दक्षिणी अफ्रीका में किया गया था–
(1) 1906 ई. (2) 1907 ई.
(3) 1908 ई. (4) 1909 ई. (1)

☞ **व्याख्या–** 1906 ई. पहली बार दक्षिणी अफ्रीका में सत्याग्रह का प्रयोग किया गया था।

7. दूसरा बोअर युद्ध दक्षिणी अफ्रीका के दो बोअर राज्यों और किनके बीच लड़ा गया था–
(1) जर्मनी (2) अमेरिका
(3) जापान (4) ब्रिटेन (4)

☞ **व्याख्या–** दूसरा बोअर युद्ध में डचों के विरूद्ध अंग्रेजों की सहायता की तथा घायलों के लिए एम्बुलेंस सेवा का संचालन किया था। इसके लिए गाँधीजी को बोअर युद्ध पदक तथा जुलू पदक से दक्षिणी अफ्रीका की अंग्रेजी सरकार को सम्मानित किया था। प्रथम बोअर युद्ध 1880–81 ई. में लड़ा गया था।

8. महात्मा गाँधी ने बोअर युद्ध में किसकी सहायता की थी–
(1) डचों काकी (2) अंग्रेजों की
(3) अफ्रीका की (4) यूनानियों की (2)

9. निम्नलिखित में से किसने गाँधीजी को जुलू युद्ध पदक से सम्मानित किया था–
(1) डचों ने (2) अफ्रीकी लोगों ने
(3) अंग्रेजों ने (4) जर्मन ने (3)

10. प्रथम बोअर युद्ध कब लड़ा गया था–
(1) 1890–90 ई. में (2) 1885 ई. में
(3) 1901–02 ई. में (4) 1880–81 ई. में (4)

11. महात्मा गाँधी दक्षिणी अफ्रीका से वापस भारत कब आए थे–
(1) 9 जनवरी, 1915 ई. (2) 5 मई, 1907 ई.
(3) 10 फरवरी, 1916 ई. (4) 10 अप्रैल, 1917 ई. (1)

☞ **व्याख्या–** महात्मा गाँधी 9 जनवरी, 1915 को दक्षिण अफ्रीका से वापस भारत आये थे। इसी कारण प्रति वर्ष 9 जनवरी को 'प्रवासी दिवस' मनाया जाता है। गाँधीजी ने प्रथम विश्व युद्ध में सरकार के युद्ध प्रयासों में मदद की थी जिसके लिए उन्हें 'कैसर–ए–हिन्द' की उपाधि से सम्मानित किया गया था।

12. गाँधीजी ने अहमदाबाद में साबरमती नदी के किनारे सत्याग्रह आश्रम की स्थापना कब की–
(1) 1916 ई. (2) 1909 ई.
(3) 1915 ई. (4) 1914 ई. (3)

☞ **व्याख्या–** 1915 ई. में महात्मा गाँधी ने अहमदाबाद में साबरमती नदी के किनारे ''सत्याग्रह आश्रम'' की स्थापना की थी।

☞ **व्याख्या–** 1 फरवरी, 1922 ई. को गाँधीजी ने वायसराय लॉर्ड रीडिंग को पत्र लिखा कि अगर सरकार ने एक सप्ताह में नागरिक स्वतंत्रताओं पर प्रतिबन्ध नहीं हटाया तो वे सविनय अवज्ञा आन्दोलन शुरू कर देगें।

126. कौन असहयोग आन्दोलन के दौरान निम्नलिखित में से कौन छपरा में सक्रिय ने जिन्हें 6 माह की जेल भी हुई थी–
(1) लाला लाजपत (2) राहुल सांकृत्यायन
(3) मदनमोहन मालवीय (4) महात्मा गाँधी (2)

127. 5 फरवरी, 1922 ई. को किस जिले की पुलिस चौकी की उग्र भीड़ ने जला दिया था–
(1) जैतसर (2) लखनऊ
(3) गोरखपुर (4) पटना (3)

☞ **व्याख्या–** 4 फरवरी/5 फरवरी, 1922 ई. को गोरखपुर जिले की चौरी–चौरा पुलिस चौकी को उग्र भीड़ ने जला दिया। जिससे 22 जवानों की मृत्यु हो गई। भीड़ का नेतृत्त्व भगवान अहीर ने किया था।

128. चौरी–चौरा पुलिस को जलाने वाली भीड़ का नेतृत्त्व निम्नलिखित में से किसने किया था–
(1) भगवान अहीर (2) रामप्रसाद
(3) राहुल सांकृन्यायन (4) दशरथ प्रसाद (1)

☞ **व्याख्या–** चौरी–चौरा काण्ड की घटना 4 फरवरी, 1922 ई. को गोरखपुर जिले के चौरी–चौरा कस्बे में घटी थी। इस दिन यहाँ असहयोग आंदोलन का एक जुलूस निकला जिसका नेतृत्त्व एक भूतपूर्व सैनिक भगवान अहीर कर रहा था। पुलिस वालों ने भगवान अहीर तथा कुछ अन्य लोगों की पिटाई कर दी, प्रतिक्रिया स्वरूप उग्र जनता ने पुलिस थाने पर हमला करके उसे जला दिया दिया जिसमें 22 पुलिस कर्मी मारे गये। इस काण्ड में अनेक भारतीयों को अभियुक्त बनाया गया, जिनमें 170 भारतीयों को मृत्युदण्ड दिया गया था, किन्तु पं.मदनमोहन मालवीय ने बुद्धिमत्तापूर्ण पैरवी करते हुए 151 लोगों को फाँसी से बचा लिया था।

129. चौरी–चौरा काण्ड की जानकारी गाँधीजी को किसने तार के माध्यम से दी थी–
(1) भगवान अहीर (2) जमनालाल बजाज
(3) दशरथ प्रसाद द्विवेदी (4) जमनादास (3)

☞ **व्याख्या–** चौरी–चौरा काण्ड की जानकारी गाँधीजी का गोरखपुर के दशरथ प्रसाद द्विवेदी ने तार के माध्यम से दी थी।

130. कांग्रेस के पूर्व की राजनीतिक संस्था जमींदारी एसोसिएशन का गठन कब हुआ था–
(1) 1836 ई. (2) 1838 ई.
(3) 1851 ई. (4) 1843 ई. (2)

☞ **व्याख्या–** कांग्रेस के गठन से पूर्व की राजनीतिक संस्था में
→ 1836 ई. – बंगभाषा प्रकाशक सभा
→ 1838 ई. – जमींदारी एसोसिएशन
→ 1843 ई. – जमीदारी एसोसिएशन
→ 1851 ई. – ब्रिटिश इंडिया एसोसिएशन
→ 1866 ई. – ईस्ट इंडिया एसोसिएशन
→ 1867 ई. – पूना सार्वजनिक सभा
→ 1875 ई. – इंडियन लीग
→ 1876 ई. – कलकत्ता भारतीय एसोसिएशन या इंडियन नेशनल एसोसिएशन
→ 1884 ई. – मद्रास महाजन सभा
→ 1885 ई. – बॉम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन

131. 1873 ई. में सिंह सभा आंदोलन कहाँ से प्रारम्भ हुआ था–
(1) अमृतसर (2) लाहौर
(3) कराची (4) इनमें से कोई नहीं (1)

☞ **व्याख्या–** 1873 ई. में अमृतसर में सिंह सभा आंदोलन प्रारम्भ हुआ। इसके मुख्य दो उद्देश्य थे–
1. सिक्खों के लिये आधुनिक पाश्चात्य शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा
2. सिक्ख धर्म के हितों को नुकसान पहुँचाने वाली ईसाई मिशनरियों एवं हिन्दू रूढ़िवादियों के विरूद्ध संघर्ष करना।

132. आर्य समाज में निम्नलिखित में से कितने प्रमुख सिद्धान्त प्रचलित थे– (NET-June-2015)
(1) 10 सिद्धान्त (2) 12 सिद्धान्त
(3) 8 सिद्धान्त (4) 6 सिद्धान्त (1)

☞ **व्याख्या–** आर्य समाज के 10 प्रमुख सिद्धान्त इस प्रकार है–
1. वेद ही ज्ञान के स्त्रोत है, अतः वेदों का अध्ययन आवश्यक है।
2. वेदों के आधार पर मंत्र–पाठ करना।
3. मूर्ति पूजा का खंडन।
4. तीर्थयात्रा और अवतारवाद का विरोध।
5. एक ईश्वर में विश्वास जो निरंकारी है।
6. कर्म, पुनर्जन्म एंव आत्मा के बारम्बार जन्म लेने पर विश्वास।
7. एक ईश्वर में विश्वास जो निरंकारी है।
8. स्त्रियों की शिक्षा को प्रोत्साहन।
9. बाल विवाह और बहुविवाह का विरोध।
10. कुछ विशेष परिस्थितियों में विधवा का समर्थन।
11. हिन्दी एवं संस्कृत भाषा के प्रसार प्रोत्साहन।

133. किस वर्ष में सर्वप्रथम अखिल भारतीय महिला कांग्रेस का गठन किया गया–
(1) 1927 ई. (2) 1925 ई. (3) 1928 ई. (4) 1917 ई. (1)

☞ **व्याख्या–** 1920 ई. के पश्चात् जागृति एवं आत्म–विश्वास से स्फूर्त महिलाओं ने महिला अभियान भी प्रारम्भ कर किये। महिलाओं द्वारा अनेक संस्थाओं एवं संगठनों की स्थापना की गयी। इसी क्रम में 1927 ई. में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस का गठन किया गया था।

134. किसने असहयोग के समय गाँधी को सड़ा हुआ फर्नीचर का टुकड़ा कहा था–
(1) बाल गंगाधर तिलक (2) सुभाषचन्द्र बोस
(3) अली बन्धु (4) मोतीलाल नेहरू (2)

☞ **व्याख्या–** कैबिनेट मिशन का कार्य भारत को शान्तिपूर्ण सत्ता हस्तान्तरण के उपाय तलाशना व संविधान तैयार करने की कार्य प्रणाली तय करना था। कैबिनेट मिशन 24 मार्च 1946 ई. को भारत आया था।

551. निम्नलिखित में से कौन केबिनेट मिशन के अध्यक्ष थे– (NDA-2020)
(1) स्टैफर्ड क्रिप्स (2) पैथिक लॉरेन्स
(3) लॉर्ड केनिंग (4) लॉर्ड रिपन (2)

☞ **व्याख्या–** कैबिनेट मिशन एटली सरकार द्वारा भारत भेजा गया एक उच्चस्तरीय मिशन था, जो 24 मार्च, 1946 ई. में भारत आया था। मिशन में तीन ब्रिटिश कैबिनेट सदस्य– पैथिक लॉरेंस, स्टेफोर्ड क्रिप्स, और ए.वी. अलेक्जेन्डर थे।

552. किस वर्ष गठित जे. बी. पी समिति ने भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन न करने की सलाह दी थी–
(1) 1946 (2) 1948
(3) 1939 (4) 1952 (2)

☞ **व्याख्या–** देशी राज्यों के विलयोपरान्त उनके पुनर्गठन की समस्या उठ खड़ी हुई। सर्वप्रथम स्वतंत्र पूर्व 1920 ई. में ही कांग्रेस ने अपने नागपुर अधिवेशन में भाषा को आधार बनाकर प्रान्तों के गठन की संस्तुति की गई थी, किन्तु 1948 ई. में गठित जे. बी. पी. समिति (जवाहर लाल नेहरू, वल्लभ भाई पटेल, पट्टाभि सीता रमैय्या) ने भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन न करने की सलाह दी थी। फलतः देश व्यापी आंदोलन खड़ा हो गया क्योंकि लोग भाषाई आधार पर ही प्रान्तों के गठन के आकांक्षी थे।

553. स्वतंत्रतोपरान्त ब्रिटिश भारत के समक्ष एक अन्य प्रमुख समस्या संसाधनों का बटवारा था, अतएव संसाधनों के विभाजन के लिए कितने सदस्यीय विभाजन परिषद् का गठन किया गया था–
(काशी हिन्दू विश्वविद्यालय Phd Entrance Exam-2022)
(1) 15 सदस्यीय (2) 6 सदस्यीय
(3) 9 सदस्यीय (4) 11 सदस्यीय (2)

☞ **व्याख्या–** स्वतंत्रतोपरान्त ब्रिटिश भारत के समक्ष एक अन्य प्रमुख समस्या संसाधनों का विभाजन थी। इसके निवारण हेतु ''विभाजन परिषद् ने 6 सदस्यीय'' विशेषज्ञ समिति की नियुक्ति की जिसके सदस्य गुलाम मोहम्मद जाहिद हुसैन, आई कुरैशी (पाकिस्तान), के. जी. अम्बेगावरकर, संजीवा राय, एम. वी. रंगाचारी थे। विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट 28 जुलाई, 1947 ई. को सौंप दी थी।

554. केबिनेट मिशन के भारत आगमन के समय कांग्रेस का अध्यक्ष निम्नलिखित में से कौन था–
(1) इकबाल (2) मोहम्मद अली जिन्ना
(3) मौलाना आजाद (4) जवाहर लाल नेहरू (3)

555. कैबिनेट मिशन के भारत आगमन के समय महात्मा गाँधी निम्नलिखित में से किस स्थान पर थे–
(1) पूना (2) कर्नाटक
(3) बिहार (4) गुजरात (1)

☞ **व्याख्या–** कैबिनेट मिशन के भारत आगमन के समय महात्मा गाँधी पूना में थे। कैबिनेट मिशन से नेताओं की वार्ता क्रम से इस प्रकार से था– जवाहर लाल नेहरू, महात्मा गाँधी, मौलाना आजाद, मोहम्मद अली जिन्ना। सबसे अन्त में जिन्ना से वार्ता की थी।

556. कैबिनेट मिशन ने समझौते के प्रयास में कहा त्रिस्तरीय सम्मेलन बुलाया था–
(1) पूना (2) शिमला (3) वाराणसी (4) बिहार (2)

☞ **व्याख्या–** कैबिनेट मिशन ने समझौते के प्रयास में शिमला में त्रिदलीय सम्मेलन 5–11 मई, 1946 ई. को बुलाया गया था। त्रिदलीय सम्मेलन में कांग्रेस की और से मौलाना आजाद, जवाहरलाल नेहरू व सरदार पटेल, मुस्लिम लीग की और से मोहम्मद अली जिन्ना, नवाब इस्माइल खाँ तथा लियाकत अली खाँ, सरकार की ओर से गवर्नर जनरल व मिशन के तीनों सदस्य शामिल थे।

557. मुस्लिम लीग के निम्नलिखित में से किस अधिवेशन के समय एम. ए. जिन्ना ने अपना 14 सूत्रीय प्रस्ताव रखा था– (UPPSC-2015)
(1) 1927 ई. (2) 1928 ई.
(3) 1929 ई. (4) 1930 ई. (3)

558. प्रभावती देवी किस क्षेत्र की स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थी– (BPSC-2008)
(1) चंपारन (2) पटना
(3) भागलपुर (4) शाहाबाद (2)

559. कैबिनेट मिशन की घोषणा में प्रस्तावित संविधान सभा में कुल कितने सदस्य होगें– (BPSC-2017)
(1) 400 (2) 389 (3) 289 (4) 489 (2)

☞ **व्याख्या–** इसमें 292 सदस्य ब्रिटिश भारतीय प्रान्तों से चार मुख्य आयुक्तों के राज्यो से तथा 93 देशी रियासतों से चुने जाने थे।

560. निम्न में से कौन कैबिनेट मिशन योजना का सदस्य नहीं था–
(1) पैथिक लॉरेन्स (2) स्टेफर्ड क्रिप्स
(3) ए. वी. अलेक्जेण्डर (4) लॉर्ड एमरी (4)

☞ **व्याख्या–** ब्रिटिश प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली ने भारत की समस्या के हल के लिए 19 फरवरी, 1946 ई. को तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय दल केबिनेट मिशन (मंत्रिमण्डल मिशन) को भेजा। इसमें ब्रिटिश कैबिनेट के तीन सदस्य लॉर्ड पैथिक लॉरेंस (भारत सचिव) ए. वी. अलेक्जेन्डर (एडमिरैलिटी के प्रथम लॉर्ड या नौसेना मंत्री) तथा सर स्टैफर्ड क्रिप्स (व्यापार बोर्ड के अध्यक्ष) शामिल थे।

561. जूनागढ़ रियासत का भारत में विलय के समय जूनागढ़ का शासक निम्नलिखित में से कौन था–
(1) शाहनवाज भुट्टो (2) मुहम्मद महाबत खन्जी
(3) दिलावर बेग हसन (4) इनायत बक्स (2)

☞ **व्याख्या–** जूनागढ़ के दीवान शाहनवाज भुट्टो (पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे जुल्फिकार अली भुट्टो के पिता) ने जूनागढ़ प्रशासन संभालने हेतु भारत सरकार को आमंत्रित किया। नवाब मुहम्मद महाबत खन्जी पाकिस्तान में मिलना चाहता था।

☞ **व्याख्या–** 6 नवम्बर, 1943 ई. को जापान ने अपने कब्जे वाले दो भारती द्वीप अंडमान एवं निकोबार अस्थायी सरकार को सौंप दिये। 31 दिसम्बर, 1943 ई. को आजाद हिंद फौज का इन पर कब्जा हो गया तथा इनका नामकरण क्रमशः शहीद और स्वराज द्वीप कर दिया गया था।

719. 9 अगस्त, 1942 ई. को भारत छोड़ो आंदोलन के प्रारम्भ होते ही ''ऑपरेशन जीरो ऑवर'' के तहत् सभी प्रमुख कांग्रेसी नेताओं के गिरफ्तार करने के विरोध में बिहार के किस तत्कालीन महाधिवक्ता ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था– (UPPSC-2019)
(1) बलदेव सहाय (2) कृष्णदेव सहाय
(3) राममनोहर लोहिया (4) इनमें से कोई नहीं (1)

720. बारदोली सत्याग्रह के दौरान बम्बई प्रेसीडेन्सी का गवर्नर निम्नलिखित में से कौन था–
(1) हेली (2) हेनरी लॉरेन्स
(3) लेसली विल्सन (4) सर जार्ज लायर (3)

721. उपरोक्त कथन निम्नलिखित में से किसका है कि ''हम सबको बड़ा दुख हुआ जब हमने सुना कि हमारी लड़ाई उस समय बंद कर दी गई जब हम सफलता की और बढ़ रहे थे।''–
(1) सरदार पटेल (2) सुभाषचन्द्र बोस
(3) जवाहरलाल नेहरू (4) शौकत अली (3)

☞ **व्याख्या–** महात्मा गाँधी के द्वारा असहयोग आंदोलन का स्थगन करने पर उपरोक्त कथन जवाहर लाल नेहरू ने कहे थे।

722. नमक सत्याग्रह के समय गाँधीजी के गिरफ्तार कर लिए जाने पर आंदोलन के नेता का स्थान किसने ग्रहण किया था– (BPSC-2017)
(1) सरदार पटेल (2) जवाहरलाल नेहरू
(3) अबुल कलाम आजाद (4) अब्बास तैय्यब जी (4)

723. सविनय अवज्ञा आन्दोलन के अंग के रूप में बने नियमों की भी अवज्ञा हुई थी– (SSC-CPO-2014)
(1) मद्रास प्रेसीडेन्सी एवं उड़ीसा में
(2) महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं सेन्ट्रल प्रार्विसेज में
(3) केरल, गुजरात एवं असम में (4) बंगाल एवं उड़ीसा (2)

☞ **व्याख्या–** महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं मध्यभारत में बने नियमों के उल्लघंन का आन्दोलन भी विशाल जनआंदोलन का रूप ले चुका था। उसमें विशेष रूप से वे क्षेत्र शामिल थे जिनमें जन–जातियाँ रहती थी।

724. मोपला विद्रोह (1921 ई.) निम्नलिखित में से कहाँ हुआ था– (BPSC-2006)
(1) तेलंगाना (2) मालाबार
(3) मराठवाड़ा (4) विदर्भ (2)

☞ **व्याख्या–** मोपला विद्रोह अगस्त, 1921 ई. में मालाबार (केरल) में फूटा। यह विद्रो काश्तकारो का जगीदारों के अत्याचार के विरूद्व था।

725. कांग्रेस के लिए समर्थन प्राप्त करने के उद्देश्य से 1889 ई. में एक समिति स्थापित की गई, निम्न में उस समिति का सभापति था– (IAS-1994)
(1) सर डब्ल्यू वेडरबर्न (2) मि. डिग्बी
(3) दादाभाई नौरोजी (4) डब्ल्यू सी. बनर्जी (2)

726. अमृतसर के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन 1919 ई. के प्रस्ताव के अनुसार महात्मा गाँधी द्वारा कांग्रेस का नया संविधान लिखने हेतु निम्नलिखित में से किन्हें उनके सहयोग हेतु चुना गया था–
(1) बी. जी. तिलक (2) एन. सी. केलकर
(3) सी. आर. दास (4) आई. वी. सेन
नीचे दिए हुए कूट से सही उत्तर चुनिए–
(अ) 2 एवं 4 (ब) 1 एवं 2
(स) 3 एवं 4 (द) 1 एवं 3 (अ)

727. निम्नलिखित में से किन्होंने गाँधी–इरविन समझौते के हस्ताक्षरित होने से एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी– (NDA-2017)
1. मोतीलाल नेहरू
2. तेज बहादुर सप्रू
3. मदनमोहन मालवीय
4. एम. आर. जयकर
5. सी. आई. चिन्तामणि
नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(1) 1 और 2 (2) 2 और 4
(3) 2 और 3 (4) 4 और 5 (2)

728. निम्न में से किस आन्दोलन ने महिलाओं को घर की चार दीवारी से बाहर निकाला था–
(1) स्वदेशी आन्दोलन (2) होमरूल आन्दोलन
(3) असहयोग आन्दोलन (4) उपर्युक्त सभी ने (4)

☞ **व्याख्या–** स्वदेशी आन्दोलन के समय पहली बार महिलाओं ने परदे से बाहर आकर धरनो और प्रदर्शनो में हिस्सा लिया था। इसके बाद से वे सभी राष्ट्रीय आन्दोलन होमरूल, असहयोग, सविनय अवज्ञा में सक्रिय रही थी।

729. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए– (NET-Dec.-2016)
1. अखिल भारतीय हिन्दू महासभा का प्रथम अधिवेशन कासिम बाजार के महाराज की अध्यक्षता में हुआ था।
2. वर्ष 1928 ई. में हिन्दू महासभा के जबलपुर अधिवेशन में गैर–हिन्दुओं को बिन्दु के रूप में परिवर्तित करने का आह्वान करने वाले स्वीकृत किए गए।
उपरोक्त कथनों में से कौन–सा/से सही है–
(1) केवल 1 (2) केवल 2
(3) 1 और 2 (4) न तो 1 और न ही 2 (3)

☞ **व्याख्या–** हिन्दू महासभा की स्थापना 9 अप्रैल, 1915 ई. को हरिद्वार में की गई थी। इस संगठन के प्रारम्भिक वर्षो में भारतीय आंदोलन के उन सभी नेताओं का संबंध था। जिन्हे साधारणतः नरमपंथी साम्प्रदायिक नेता कहा जाता है। इसका प्रथम अधिवेशन अप्रैल, 1915 ई. में कासिम बाजार के राजा मनीन्द्र चन्द्र नन्दी की अध्यक्षता में हुआ था। वर्ष 1928 में हुए इसके जबलपुर अधिवेशन में गैर–हिन्दुओं को हिन्दू के रूप में परिवर्तित करने का आह्वान करने वाले प्रस्ताव को स्वीकृत किया गया था।